



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 4, 1976 (भाद्रपद 13, 1898)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 4, 1976 (BHADRA 13, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 जून 1976

सं० पी०-1776/प्रशा० II—श्री के० एस० नायक, भूतपूर्व लेक्चरर, कम्प्यूटर साइन्स यूनिट भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कलकत्ता को जिन्हें इस कार्यालय की संमसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-1976 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रेसर के पद पर 2-3-1976 से 1-5-1976 तक पहले नियुक्त किया गया था 28-2-1977 तक (22-8-1977 सहित) या आगामी आदेशों तक, दोनों में जो भी पहले हो उसी पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

वी० एम० जौली, अवसर सचिव  
कृते अध्यक्ष

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 जुलाई 1976

सं० ए०-11/26/76—श्री डी० एल० वैद, सहायक प्रवर्तन अधिकारी को प्रवर्तन निदेशालय के मुख्यालय कार्यालय

1-226GI/76

में दिनांक 2-7-76 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

जे० एन० अरोड़ा  
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

(महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 अगस्त 1976

सं० ओ०-वो-9/74-स्थापना—श्री आई० एम० महाजन, एम० टी० संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने उनके प्रतिनियुक्त पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा पुलिस में उप पुलिस महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त होने पर, उप पुलिस-महानिरीक्षक (मुख्यालय) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल कलकत्ता के पद का कार्यभार 28-5-76 अपराह्न से त्याग दिया है।

सं० डी०-3/741-स्थापना—राष्ट्रपति, इन्टेलिजेन्स ब्यूरो के श्री पी० त्यागी ए० सी० आई० ओ०-1 को प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उप पुलिस-अधिक्षक (कंपनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक, नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने उप पुलिस अधिक्षक (कंपनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) के पद का कार्यभार महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में 21-7-76 पूर्वाह्न को संभाल लिया है।

सं० ओ०- 11-47/76-स्थापना—राष्ट्रपति ले० क० एस० पी० मलिक (अवकाश प्राप्त) की केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

में कमाण्डेंट के पद पर आगामी आदेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

ले० क० मलिक ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की उस सिगनल बटालियन, रामपुर में दिनांक 15-7-76 के पूर्वाह्न से कमाण्डेंट के पद का कार्यभार संभाला।

दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० पी० -VII- 1/76-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमाण्डेंटों को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने कमाण्डेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पदस्थापन, स्थान और उनके पद पर छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं।

क्र० सं०	नाम	पद तथा जिसका कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार संभाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री निरेन्द्र पाल	स्टाफ आफिसर आई० जी० पी० सेक्टर III सी० आर० पी० एफ० नई दिल्ली।	17-5-76 (अपराह्न)	कमाण्डेंट 24 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	26-5-75 (अपराह्न)
2.	श्री के० डी० मैनी	सहायक कमाण्डेंट ग्रुप सेक्टर सी० आर० पी० एफ०।	1-5-76 (अपराह्न)	कमाण्डेंट ग्रुप सेक्टर सी० आर० पी० एफ०।	25-5-76 (अपराह्न)

दिनांक 9 अगस्त 1976

सं० ओ०-दो-570/69-स्थापना श्री जी० एस० थापा ने उनकी वार्डक्य आयु की प्राप्ति पर उपपुलिस-अधिक्षक 39वीं बाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 14-6-1976 अपराह्न को त्याग दिया।

सं० ओ०-दो-1314/76-स्थापना—श्री पी० एस० नेगी ने उनके सूबेदार के पद पर प्रत्यावर्तित होने के फलस्वरूप उप पुलिस अधिक्षक, 44 बाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 17-7-1976 अपराह्न को त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

(महानिरीक्षक का कार्यालय)

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 जुलाई 1976

सं० ई०-26013/1/76-सा० प्र०-II—श्री तुषार दत्त, आई० पी० एस० (उ० प्र०-1953) द्वारा धारित उप महा निरीक्षक (मुख्यालय), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, के पद को दिनांक 6 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से महानिरीक्षक

के कार्यालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, में उप महानिरीक्षक (प्रशासन व कार्मिक) के रूप में पुनः पदनामित किया गया है।

सं० ई०-16013(2)/6/76-कार्मिक—मध्य प्रदेश राज्य से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० के० डयूसकर, आई० पी० एस० (म० प्र०-1955), ने दिनांक 1 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो के कमाण्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-26013/1/76-प्रशा० 1—श्री ई० मो० महाजन, आई० पी० एस० (मणिपुर तथा त्रिपुरा-1953), उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दक्षिण क्षेत्र, नई दिल्ली, ने दिनांक 12-7-76 के अपराह्न से महानिरीक्षक के कार्यालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, में उप-महानिरीक्षक (आसूचना व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और आगामी आदेश जारी होने तक अपने कार्यभार के अलावा उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दक्षिणी क्षेत्र, के कार्य को देखभाल जारी रखेंगे।

दिनांक जुलाई 1976

रक्षा लेखा विभाग

सं० ई०-16016/3/76-कार्मिक—श्री सरदारी लाल हाण्डा, आशुलिपिक ग्रेड-II, महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब० का कार्यालय, नई दिल्ली, को दिनांक 9 जुलाई 1976 के पूर्वानुज्ञा से आगामी आदेश जारी होने तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी (संवर्ग-बाह्य पद) नियुक्त किया जाता है और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

ली० सि० विष्णु  
महानिरीक्षक

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक,

नई दिल्ली-22, दिनांक 31 जुलाई 1976

सं० 68012-क(3)/76-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, निम्नलिखित स्थायी लेखा अधिकारियों/रक्षा लेखा सहायक नियंत्रकों (अस्थायी) को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित वर्ग के कनिष्ठ समयमान में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नाम के सामने लिखी तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	ग्रेड	पदोन्नति होने की तारीख (पूर्वानुज्ञा)
1.	श्री के० जी० मेनन	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76
2.	श्री एस० एस० राघवन	स्थायी लेखा अधिकारी रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक	14-6-76
3.	श्री डी०पी० घोष	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76
4.	श्री के० नटराजन्	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76
5.	श्री टी० एम० कल्याण रामन्	स्थायी लेखा अधिकारी	15-7-76
6.	श्री पी०एल० आदुजा	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76
7.	श्री के० राजगोपालन्	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76
8.	श्री कृष्ण लाल भाटिया	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76
9.	श्री वी० एस० सम्पतकुमारन्	स्थायी लेखा अधिकारी	15-6-76
10.	श्री डी० राघवराव	स्थायी लेखा अधिकारी	15-6-76
11.	श्री डी०आर० बोहरा	स्थायी लेखा अधिकारी	14-6-76

भारत के भाषाजात अल्पसंख्यकों के आयुक्त

दलाहाबाद-211002, दिनांक 3 अगस्त 1976

सं० 1/16/75—भारत के भाषाजात अल्पसंख्यकों के आयुक्त, दलाहाबाद, के निजी सचिव श्री वी० पी० एम० पिल्ले वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर 31 जुलाई 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

देवेन्द्र नारायण बाजपेयी  
सहायक आयुक्त

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय बिहार

रांची-2, दिनांक 1976

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री परमेश्वर प्रसाद सिंह स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 14-7-76 के पूर्वानुज्ञा से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ब० प्र० सिन्हा,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

एस० के० सुन्दरम,  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशा०)

मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे का कार्यालय

सिकन्द्राबाद, दिनांक 4 अगस्त 1976

मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्द्राबाद ने श्री वी० सी० शिरकनहल्ली अवीनस्य रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के सदस्य को, 27-5-1976 पूर्वानुज्ञा से अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे के रूप में नियुक्त किया है।

डी० एन० प्रसाद  
उपमुख्य लेखा परीक्षक  
दक्षिण मध्य रेलवे

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां  
भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 28 जुलाई 1976

सं० 54/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, स्थानापन्न अपर महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां के पद पर नियुक्त करते हैं:—

- (1) श्री के० एल० बजाज, डी० डी० जी० ओ० एफ/स्तर-1—16-6-76
- (2) श्री सी० माधवन, डी०डी०जी०ओ०एफ/स्तर-1—30-6-76

सं० 55/जी०/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-1/ए०डी०जी०ओ० एफ० ग्रेड-1 के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री सी०एन० चन्द्रशेखरन्, स्थायी ए०डी०जी०ओ० एफ० ग्रेड-I । 1-4-76
2. श्री एस० एम० आर० सिंह, स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II । 1-4-76
3. श्री एन० एस० राघवन, स्थायी ए०डी०जी०ओ० एफ० ग्रेड-II । 1-4-76

सं० 56/जी०/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को महाप्रबन्धक ग्रेड-II/ए०डी०जी०ओ० एफ० ग्रेड-II/ उप-महाप्रबन्धक के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एस० मनवालन्, स्थायी प्रबन्धक 12-2-76
2. श्री बी० के० मेहता, स्थायी प्रबन्धक 1-4-76
3. श्री एम० तारायण स्वामी स्थायी प्रबन्धक 1-4-76
4. श्री ए० के० नियोगी, स्थायी सीनियर सी०ए० डी० जी० ओ० एफ० । 1-4-76
5. श्री टी० एम० स्वामीनाथन्, स्थायी सीनियर डी० ए०डी०जी०ओ० एफ० । 1-4-76
6. श्री एम० एल० दत्त, स्थायी प्रबन्धक 1-4-76
7. श्री के० के० मलिक, स्थायी प्रबन्धक 1-4-76

सं० 57/जी०/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डी०ए०डी०जी०ओ०एफ०/ सहायक निदेशक के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० बी० चटर्जी, स्थायी डी०ए०डी०जी०ओ०एफ० । 12-2-76
2. श्री जीत सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक 12-2-76
3. श्री आर० सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक 12-2-76
4. श्री एस० के० दलाल, स्थायी उप-प्रबन्धक 12-2-76
5. श्री एच० पी० एस० अहलुवालिया, स्थायी एस० ओ० ग्रेड-1 12-2-76
6. श्री डी० के० दे सरकार, स्थायी उप-प्रबन्धक 12-2-76
7. श्री डी० के० सरकार, स्थायी उप-प्रबन्धक 12-2-76
8. श्री एम० एम० मेनन स्थायी उप-प्रबन्धक 12-2-76
9. श्री आर० पद्मनाभन, स्थायी उप-प्रबन्धक 1-4-76
10. श्री के० पी० सिंह, स्थायी उप-प्रबन्धक 1-4-76
11. श्री ए० के० रास्तोगी, स्थायी उप-प्रबन्धक 1-4-76
12. श्री आर० के० अग्रवाल, स्थायी डी०ए०डी०जी०ओ०एफ० । 1-4-76
13. श्री डी० के० दासगुप्ता, स्थायी उप-प्रबन्धक 1-4-76
14. श्री एस० बनर्जी, स्थायी उप-प्रबन्धक 1-4-76
15. श्री जे० पी० दासगुप्ता, स्थायी डी०ए० डी० जी० ओ० एफ० । 1-4-76
16. श्री आर० एन० बोस, स्थायी उप-प्रबन्धक 1-4-76

सं० 58/जी०/76—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/टी० एस० ओ० के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एच० पी० शाहा, स्थायी फोरमैन 12-2-76
2. श्री पी० के० गुप्ता, स्थायी स्टाफ सहायक 12-2-76
3. श्री एच० एन० राय, स्थायी फोरमैन 12-2-76
4. श्री आर० एन० उपाध्या, स्थायी स्टाफ सहायक 12-2-76
5. श्री एस० के० पाल, स्थानापन्न फोरमैन 12-2-76
6. श्री जी० डी० चेकर, स्थायी स्टोर होल्डर, 12-2-76

दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० 59/76/जी० —वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एन० एल० मित्र, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (भौतिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 30-4-76 (अपराल्) से सेवा निवृत्त हुए ।

दिनांक 2 अगस्त 1976

सं० 60/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एच० पी० चौधरी, स्थानापन्न अफसर सुपरवाइजर (भौतिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 30 नवम्बर, 1975 (अपराल्) से सेवा निवृत्त हुए

एम० पी० आर० पिल्लाय  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रण आयाक-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1140/प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री डी० डी० शर्मा को जो उद्योग तथा नागरिक सम्पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 1 जुलाई, 1976 (दोपहर पूर्व) से वरिष्ठ प्रशासनिक विश्लेषक के रूप में नियुक्त करते हैं ।

दिनांक अगस्त 1976

सं० 6/1145/76-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, श्री बी० के० शर्मा, भारतीय प्रशासनिक सेवा, जो पहले हिमाचल प्रदेश, शिमला में कृषि उत्पादन के आयुक्त एवं सचिव थे, को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 15 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगे के आदेश होने तक, अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं ।

ए० एस० गिल  
मुख्य नियंत्रक, आयात—निर्यात



उद्योग तथा नागरिक आपूर्ति मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)  
कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)  
नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० ए० 19108/252/76-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, नयी दिल्ली लघु उद्योग सेवा संस्थान त्रिचुर के, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री एम० आर० नाम्बीयर (अर्ध स्थायी अन्वेषक) को लघु उद्योग शाखा संस्थान रांची में, तदर्थ आधार पर, सहायक निदेशक (वर्ग 2) नियुक्त करते हैं। श्री एम० आर० नाम्बीयर ने, लघु उद्योग शाखा संस्थान रांची में सहायक निदेशक (वर्ग 2) के पद का कार्य भार, दिनांक 17-6-1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

दिनांक 22 जुलाई 1976

सं० ए० 19018/251/76-प्रशासन (राज०)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, नयी दिल्ली लघु उद्योग सेवा संस्थान त्रिचुर के, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (अर्ध स्थायी अन्वेषक), श्री पी० ए० गोपीनाथन को, लघु उद्योग शाखा संस्थान, इलाहाबाद में, तदर्थ आधार पर, सहायक निदेशक (वर्ग 2) नियुक्त करते हैं। श्री पी० ए० गोपीनाथन ने, लघु उद्योग शाखा संस्थान, इलाहाबाद में, सहायक निदेशक (वर्ग 2) के पद का कार्यभार, दिनांक 18-6-1976 के पूर्वाह्न से संभाला।

बी० बैंकटरायलु  
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय  
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1976

सं० प्र०-1/1(999)—राष्ट्रपति ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (मुकदमा) श्री लछमन सिंह का त्याग पत्र 26 जुलाई, 1976 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री लछमन सिंह दिनांक 26-7-1976 के अपराह्न से इस कार्यालय की सुची पर नहीं रहे।

के० एल० कोहली  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

पूर्ति विभाग

मुख्य लेखा नियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1976

सं० ए-32014/75-77/प्रशासन (समन्वय)/258-59  
—मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने संगठन के श्री जे०

एल० कपूर, अनुभाग अधिकारी (वेतन तथा खाले) को 30-6-1976 (अपराह्न) से उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, मद्रास के कार्यालय में आगामी आदेशों तक वेतन तथा लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्ति किया है।

इनकी पदोन्नति से नामिका (पेनल) में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों और अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी के संगठन (वेतन तथा लेखा अधिकारी) भर्ती नियम 1974 की शर्तों के अन्वये है।

जे० बी० दत्ता  
लेखा अधिकारी

इस्पात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 2 अगस्त 1976

सं० 2339 (एस० के० एम०)/19 बी०—श्री सुशील कुमार मिश्रा, एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद के रूप में 650 रु० माहवार के वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 15 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 अगस्त 1976

सं० 2222 (एस० बी० आर०)/19 ए०—श्री शिवाजी वसु राय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 7 जून, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० 2222 (ए० के० जी०)/19 ए०—श्री अशोक कुमार ओवर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 8 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन  
महा निदेशक

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त, 1976

सं० ए० 19011(65)/76-स्था० ए०—श्री पी० वी० बाबु, स्थायी सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी और कार्यकारी उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो ने राज-स्थान खान और खनिज लिमिटेड में वरिष्ठ खनिज अभियंता के रूप में प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 26-7-1976 को दोपहर के बाद से उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी का पद भार त्याग दिया है।

ए० के० राघवाचारी  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी  
कृते नियंत्रक

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० फा० 11-17/75-ए०-1—श्री डबल्यू० एन० सिंगन, सहायक पुरालेखाधिकारी (पदक्रम 1) (प्राच्य अभिलेख) को दिनांक 20 जुलाई 1976 से आगामी आदेश तक तदर्थ आधार पर पुरालेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) नियुक्त किया जाता है। (डा० सरवत अली जो अवकाश पर है के स्थान पर)। यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजन तथा अगले ऊँचे पदक्रम (ग्रेड) में पदोन्नत होने की पात्रता के लिये नहीं गिनी जाएगी।

दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० फा० 11/2-3 (ए०)/75-ए०—1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा श्री बी० डी० सक्सेना को दिनांक 2 अगस्त 1976 से आगामी आदेश पर्यन्त नियमित अस्थायी आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) द्वितीय वर्ग राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

श्री नन्दन प्रसाद  
अभिलेख निदेशक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० 4/40/75-एस० एक—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्रोमती करुणा श्रीवास्तव को आकाशवाणी नई दिल्ली में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर 30 जून 1976 से अग्रेतर आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त, 1976

सं० 3/73-60-एस०-दो०—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री आर० सी० मित्रा, लेखाकार, आकाशवाणी, सम्बलपुर को 21-6-1976 पूर्वाह्न से आकाशवाणी, कुसियांग में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० हेरले  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 2 अगस्त, 1976

सं० 6/88/54-सिबन्दी-1(I)—श्री एम्० एम्० वैद्य, स्थायी मुख्य कैमेरामेन छुट्टी में चले जाने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री जे० एन्० देसाई स्थायी कैमेरामेन फिल्म प्रभाग बम्बई को स्थानापन्न मुख्य कैमेरामेन के पद पर दिनांक 22-7-1976 से नियुक्त किया है।

एम० के० जैन  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 अगस्त, 1976

सं० 3/15/70-डी० एफ० डबल्यू०—श्री के० एस० साहनी, स्थानापन्न तकनीकी सहायक फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को श्री डी० एन० पाण्डे के अवकाश अवधि में उनके स्थान पर 17 मई, 1976 के पूर्वाह्न से 30 जून, 1976 तक कार्यवाहक भण्डार अधिकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में नियुक्त किया गया।

के० के० कपिल  
संयुक्त मुख्य निर्माता  
कृते मुख्य निर्माता

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त, 1976

सं० 38-8/75-सी० एच० एस० 1—राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर से अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के एक अधिकारी डा० जी० सी० बँनर्जी ने 25 जून, 1976 के पूर्वाह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन कलकत्ता, के नाविक चिकित्सा परीक्षा संगठन में चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एल० जोशी  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1976

सं० 20-1(26)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० मदन लाल शर्मा को 3 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 20-1(26)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के डा० एम० के० शर्मा को 9 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई, में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी को जो तदर्थ आधार पर आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर काम कर रही थीं 9 जुलाई, 1976 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई, के अधीन उनके पद से भारमुक्त कर दिया गया।

सं० 20-1(26)/75-सी० जी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ए० के० डे० को 19 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर, में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

राज कुमार जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० ए०-32014/1/76 (आर० ए० के०)/एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राजकुमारी श्रमृत्कोर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय अधीक्षक श्री एच० एस० वर्मा को श्री होत चन्द के स्थान पर जोकि छुट्टी पर हैं, 31 मई, 1976 से 15 जुलाई, 1976 तक उसी महाविद्यालय में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० 1-5/75-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री बलदेव राज को 7 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, में सहायक प्रोफेसर (स्वास्थ्य शिक्षा) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए०-12025/4/76-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री आर० सी० कुमार को 11 जून, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महा-

निदेशालय में सहायक वास्तुकार के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सुरज प्रकाश जिन्दल,  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय, प्रधान

शाखा कार्यालय, नवीन सचिवालय

नागपुर, दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० फा० 3(13)51/76-विकास-II—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954 सं० 173 दिनांक 29 दिसम्बर, 1954 और सं० 5 दिनांक 14 जनवरी, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा श्री ओ० पी० बन्सल, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से ऊन, दूड़लोम और अजालोम, जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1975 दूड़लोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम 1973 और अजालोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम 1962 के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० फा० 5/11/69-वि०-II (पी० टी० आई०)—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना (सीमाशुल्क) सं० जी एस० आर०-1133 दि० 7-8-65 सं० जी० एस० आर०-1134 दि० 7-8-65 सं० जी० एस० आर०-448 दि० 14-3-64 के लिए मैं एतद् द्वारा श्री आर० के० व्याघ्रा, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से प्याज, लहसुन और दाल, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूत्रीकृत और समय समय पर संशोधन प्याज, लहसुन और दाल श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

रामाधार,  
कृषि विपणन सलाहकार

## दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० 3-41/76-स्थापना (विशेष) :—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में उनके वापस चले जाने पर, श्री जी० सुब्बाराव, सहायक इंजीनियर ने दिल्ली दुग्ध योजना में अपने पद का कार्यभार 12-7-76 (अपराह्न) से छोड़ दिया।

गोरख राम, अध्यक्ष

## परमाणु ऊर्जा विभाग

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० : 05000/जी०-71/4954:—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग के सामान्य सेवा कक्ष मद्रास के श्री आर० गणेशन, स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न सम्पर्क सहायक को, भारी पानी परियोजना (तूती कोरिन) में स्थानापन्न रूप से जुलाई, 8 (पूर्वाह्न) 1976 से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से जन-सम्पर्क अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

## तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 24 जुलाई, 1976

सं० टी० ए० पी० एस०- /ए० डी० एम० /735-ए :—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी आशुलिपिक (वरिष्ठ) श्री के० बालकृष्णन को, उनकी कैडर प्राधिकर द्वारा तैनात किये जाने पर, 10 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक तारापुर परमाणु बिजलीघर में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

(के० बी० सेतुमाधवन)  
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

## मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम 603102, दिनांक 28 जुलाई 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/9 (1)/76-भर्ती/पी०-10388:—अस्थायी सलेक्शन ग्रेड क्लर्क, श्री ई० एस० नरसिहन को 13 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक कलपक्कम स्थित मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्यालय में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

के० बालकृष्णन,  
प्रशासन-अधिकारी  
कृते निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

## सिविल इंजीनियरिंग ग्रुप

कलपक्कम-603102, दिनांक 3 अगस्त 1976

सं० सी० ई० जी० /1 (6)/76-प्रशासन:—कलपक्कम में परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजनाओं के मुख्य इंजीनियर (सिविल), श्री बी० एन० गोपालकुरुप, पर्यवेक्षक को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सिविल इंजीनियरिंग ग्रुप, कलपक्कम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ इंजीनियर 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वेंकटेश्वरन,  
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

## परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 29 जुलाई 1976

सं० प० ख० प्र०/2-2623/76-प्रशा० :—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के औद्योगिक स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि आशुलिपिक श्री टी० एस० नारायण को 22 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,  
वरिष्ठ प्रशासनिक व लेखा अधिकारी

## अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-260025, दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० 10/5 (28)/76-सि० ई० प्र० (एच०) :—सिविल इंजीनियर प्रभाग अन्तरिक्ष विभाग, बंगलौर के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियर प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में इसी प्रभाग में उनके नामों के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	संभाला हुआ वर्तमान पद	इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
	श्रीयुत		
1.	आर० अनन्त रामू	वरिष्ठ वास्तु-सहायक (प्रारूपकार 'ई०')	1-7-76
2.	आर० अशोक	फोरमैन	1-7-76

1	2	3	4
	श्रीयुत		
3.	वी० चन्द्राबालन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
4.	एस० पी० चन्नाबासप्पा	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
5.	आर० गोविन्दन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
6.	गोविन्द कुमार भट	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
7.	एस० कल्याणकरन नायर	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
8.	टी० वी० कुरियन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
9.	आर० पद्मानाभन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
10.	टी० सी० प्रसाद	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
11.	च० वी० राघवा राव	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
12.	पी० शंकरन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
13.	एम० सत्याशीलन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
14.	आर० एस० सेतुरमन	फोरमैन	1-7-76
15.	एम० बी० सोनावेन	वरिष्ठ वास्तु-सहायक (प्रारूपकार 'ई')	1-7-76
16.	एस० स्वामीनारायणन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-7-76
17.	के० तूलसीमणि	फोरमैन	1-7-76

सं० 10/5/(28)/76-सि० ई० प्र० (एच०) —सिविल इंजीनियरी प्रभाग अन्तरिक्ष विभाग बंगलौर के मुख्य अभियन्ता, अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के वेतनमान में इसी प्रभाग में उनके नामों के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	संभाला हुआ वर्तमान पद	इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
	श्रीयुत		
1.	एम० ओ० अन्तो	फोरमैन	1-1-76
2.	एन० पी० चौसालकर	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
3.	सी० नागी रेड्डी	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
4.	बी० एल० नटराज	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-75
5.	एल० एन० नेवगी	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
6.	एम० निर्मल दास	फोरमैन	1-1-76
7.	वी० के० रत्न प्रसाद	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
8.	रवि जे० वरगिस	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
9.	पी० आई० रविन्द्रन	पर्यवेक्षक तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
10.	एस० एम० संगवीकर	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
11.	अरविन्द एस० बदामी	वरिष्ठ वास्तु-सहायक (प्रारूपकार 'ई')	1-1-76
12.	एम० पी० कृष्णा	वरिष्ठ वास्तु-सहायक (प्रारूपकार 'ई')	1-1-76
13.	एस० के० सत्यनारायणा	वरिष्ठ वास्तु-सहायक (प्रारूपकार 'ई')	1-1-76
14.	आर० चन्द्रन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
15.	सी० जॉर्ज	फोरमैन	1-1-76
16.	गोपाल कृष्ण भट	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
17.	पी० आर० गोपीनाथन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
18.	यू० जयारंजन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
19.	जी० एन० कृष्ण कुमार	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76

1	2	3	4
20.	एम० बी० कृष्णामूर्ति	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
21.	के० टी० कुरियाकोज	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
22.	एच० डी० पाटिल	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
23.	वाई० राधाकृष्णन	फोरमैन	1-1-76
24.	के० विश्वनाथन	पर्यवेक्षक (तकनीकी सहायक सी०)	1-1-76
25.	मोहम्मद अरसगर	वरिष्ठ वास्तु-सहायक (प्रारूपकार 'ई')	5-1-76

पी० आई० यू० नम्बियार, प्रशासन अधिकारी-11  
कृते मुख्य, अभियन्ता

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० ई० (1) 05438 —वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० के० मदान को 17-5-76 के पूर्वाह्न से 13-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मदान सहायक मौसम विज्ञ निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन  
मौसम विज्ञ०

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1976

सं० ए० 32013/11/75-ई० सी० —राष्ट्रपति ने रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, मफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के सर्वश्री ए० पी० एस० खन्ना तथा एस० के० सरस्वती तकनीकी अधिकारियों को 31 दिसम्बर, 1976 तक अथवा इस ग्रेड में नियमित नियुक्तियां होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा दोनों को उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/11/75-ई० सी० —इस कार्यालय की 24 फरवरी, 1976 की अधिसूचना सं० ए० 32013/11/75-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित दो वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि 1-5-1976 से 31-12-1976 तक अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है :—

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री बी० के० बाबू, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	कार्यालय क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास-27
2.	श्री डी० सी० मेहता, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	प्रिसिपल नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।

हरबंस लाल कोहली,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1976

सं० ए० 31013/3/75-ई० ए० :—राष्ट्रपति ने श्री एच० एन० पांडे को 1 मई, 1974 से नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

विष्णु विनोद जीहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० 1/361/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा पुणे शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री बी० आर० कांबले को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 5-5-76 से 1-7-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० 48/1976—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) श्री पारस राम कोली केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर में तैनात थे। उनकी नियुक्ति इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० दो (3) 126-स्था०/76-19207, दिनांक 24-4-76 के अन्तर्गत जारी किए गये स्थापना आदेश सं० 112/1976 दिनांक 27-4-76 द्वारा अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में की गई और उन्होंने 30-4-76 (दोपहर के पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' विजनौर के रूप में कार्य ग्रहण कर लिया।

एच० बी० दास, समाहर्ता

## केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 2 अगस्त 1976

सं० II(7) 5-स्था०/75—भारत सरकार, राजस्व एवं बैंकिंग विभाग नई दिल्ली के आदेश सं० 87/76 दिनांक 10-2-76 जो उनके पत्र एफ० सं० ए० 22012/19/76-ए० डी०-II दिनांक 10-6-76 जिसके द्वारा श्री बासदेव, अधीक्षक ग्रुप 'बी' केन्द्रीय उत्पादन समाहर्तालय कानपुर को स्थानापन्न सहायक समाहर्ता (निम्न वेतनमान) /अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क ग्रुप 'ए' के रूप में नियुक्त किया गया, इसके अनुसरण में इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 180/76 दिनांक 16-6-76 जो मि० सं० II(3) 66-स्था/76/52006-78 दिनांक 17-6-76 के द्वारा पृष्ठांकित किया गया; जिसके द्वारा श्री बासदेव को सं० समा० (छुट्टी/रिजर्व) केन्द्रीय उत्पाद (मु०) पटना में दिनांक 14-7-76 को अपराह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

मि० सं० II(7) 5-स्था०/75—भारत सरकार, राजस्व एवं बैंकिंग विभाग नई दिल्ली के आदेश संख्या 87/76 दिनांक 10-6-76 जो उनके पत्र एफ० सं० ए० 22012/19/76-ए० डी०-II दिनांक 10-6-76 के द्वारा जारी किया गया तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 180/76 दिनांक 16-6-76 जो मि० सं० II(3) 66-स्था०/76/52006-78 दिनांक 17-6-76 द्वारा पृष्ठांकित किया गया, तथा जिसके द्वारा श्री डी० एन० मित्रा सं० समाहर्ता (मूल्यांकन) के० उ० (मु०) पटना के रूप में दिनांक 28-6-76 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

ह० अपठनीय  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

## नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर-6, दिनांक 2 अगस्त 1976

सं०-49—इस विभाग की दिनांक 5 अगस्त 1974 की अधिसूचना संख्या 16 का अतिक्रमण करते हुए श्री एम० डी० तिवारी, कारखाना इंजीनियर, सरकारी अफीम तथा एलकालायड कारखाना, गाजीपुर को, दिनांक 9 अगस्त 1970 से रु० 400-25-50 रु०-30-590-द० रो० 30-800 के पुराने वेतनमान में 590.00 रु० के चरण पर, दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

सं० 50—स्वर्गीय श्री ए० एन० वर्मा, जिला अफीम अधिकारी, नीमच-1 प्रभाग को दिनांक 30 मार्च, 1973 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 810.00 रु० के चरण पर, दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,  
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1976

सं० क-19012/621/76-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री झम्मन सिंह, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में 19 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री झम्मन सिंह ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

## सवारी डिब्बा कारखाना

## कार्मिक शाखा

मद्रास-38, दिनांक 3 अगस्त 1976

सं० का० शा०/रा० सा०/9/विधि-II—श्री पी० आर० नारायणन, स्थानापन्न सहायक निर्माण प्रबंधक/(वि०/फर०) श्रेणी II को दिनांक 1-6-1976 से स्थानापन्न बरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/अ० आ० वि० (ब० मा०) के पद पर तदर्थ रूप से पदोन्नति की गयी है, वाइस श्री पी० गोविंदन।

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न बरिष्ठ लेखा अधिकारी (ब० मा०) को दिनांक 12-6-1976 से श्रेणी II सेवा को रिबर्ट किया गया और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/के० लेखा परीक्षा अनुभाग (श्रेणी II) के पद पर तैनात किया गया।

श्री एल० जी० श्रीनिवासन, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/के० ले० परीक्षा अनुभाग श्रेणी II को तदर्थ रूप से दिनांक 12-6-76 से श्रेणी III सेवा को रिबर्ट किया गया है।

श्री मोहम्मद खाजा मेहिदीन, मुख्य अभिकल्प सहायक/डिब्बा अभिकल्प अनुभाग (श्रेणी III) को स्थानापन्न रूप से सहायक यांत्रिक इंजीनियर/वि० व वस्तु योजना (श्रेणी II) तदर्थ रूप से दिनांक 28-6-1976 से बरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर/वि० व वस्तु योजना के पद के स्थान पर पदोन्नति की गयी है।

एस० सुब्रमणियन,  
उप मुख्य कार्मिक अधि०  
कृते महाप्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 गिरिधर कांफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में,

हैदराबाद-500001, दिनांक 2 अगस्त 1976

सं० 1244/टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर गिरिधर कांफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 दि फिल्म क्राफ्टस्मेन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में,

हैदराबाद-500001, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० 938/टी० 560 (5)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि फिल्म क्राफ्टस्मेन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
प्रांथ प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि जुट केरियार्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में,

कलकत्ता, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० 8787/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि जुट केरियार्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ  
कम्पनियों का सहायक  
रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1913 और दि ललिता बैंक लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में,

मद्रास दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० 1378/लिक/एस० 247 (5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि ललिता बैंक लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० अन्नपूर्ण,  
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार,  
मद्रास

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1976

सं० 39/रा० अ० 1976-77—आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 के पदों पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित निरीक्षकों की पदोन्नति अगले आदेश होने तक उनके कार्यभार संभालने की तारीख से रु० 650-30-740-35-810-ई० बी० 35-880-40-1000 ई० बी० 40-1200 के वेतनमान में की जाती है :—

1. श्री ओ० पी० मुखीजा
2. श्री एन० बी० श्रीवास्तव
3. श्री अवतार सिंह

2. ये पदोन्नतियां निम्नलिखित रिक्तियों के एवज में की जा रही हैं :

1. एक अधिकारी के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण,
2. कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिए जाने के कारण।

यह स्पष्ट किया जाता है और जिन निरीक्षकों की पदोन्नति की जा रही है, वे इस बात को नोट कर लें कि यदि संबंधित अधिकारी लंबी अवधि की अनुपस्थिति के बाद अपने काम पर लौट आता है या बहाल हो जाता है तो उस स्थिति में यदि उस समय कोई अन्य पद खाली नहीं होगा तो पदोन्नत अधिकारियों को निरीक्षक के पद पर प्रत्यावर्तित होना पड़ेगा।

3. उपरोक्त पदोन्नतियों के परिणामस्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तुरंत करने के आदेश दिए जाते हैं :—

1. नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी, श्री ओ० पी० मुखीजा को श्री के० डी० द्विवेदी, आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट



2 (3) के स्थान पर, उन्हें डि०-2 (14) के अतिरिक्त कार्य-भार से मुक्त करके आयकर अधिकारी, डि० 2 (14) के पद पर तैनात किया जाता है।

2. नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी श्री एन० बी० श्रीवास्तव को श्री एम० जी० शर्मा का स्थानांतरण हो जाने पर उनके स्थान पर आयकर अधिकारी 206, नई दिल्ली के पद पर तैनात किया जाता है।

3. श्री एम० जी० शर्मा, आयकर अधिकारी-206 को स्थानांतरित करके श्री एच० जी० मुन्जाल (स्थानांतरित) के स्थान पर आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-2 के पद पर तैनात किया जाता है।

4. श्री एच० जी० मुन्जाल को स्थानांतरण के बाद श्री आर० पी० खन्ना (स्थानांतरित) के स्थान पर आयकर अधिकारी (ओ० एंड सी०-1) नई दिल्ली के पद पर तैनात किया जाता है।

5. श्री आर० पी० खन्ना को स्थानांतरित करके श्री पी० एन० वर्मा, जिन्हें छुट्टी दे दी गई है, के स्थान पर आयकर अधिकारी (मुख्यालय-1) नई दिल्ली के पद पर तैनात किया जाता है।

6. नए पदोन्नत किए गए आयकर अधिकारी श्री अवतार सिंह को आयकर अधिकारी-4 अतिरिक्त, सेलरी सर्किल के पद पर तैनात किया जाता है। वे श्री आर० एल० बजाज को इस अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।

अवतार सिंह  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर० /63/76-77—यतः मुझे वी० आर० सगर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तुंग पाई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र कुमार उर्फ जोगिन्द्र लाल और जोगिन्द्र पाल और श्री किशन चंद पुत्र श्री खुशी राम कतरा बाग सिंह कूचा चन्द्र भान अमृतसर। (अन्तरक)

2. लाला पन्ना लाल खन्ना एण्ड सन्स, (एच० यू० एफ०) बत्ताला रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन गांव तुंग पाई, बत्ताला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 9196 फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर (तहसील) में लिखा है

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 अगस्त 1976

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर०/64/76-77—यतः मुझे वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तुंग पाई में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाखत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री रोशन लाल और किशन चंद पुत्र श्री खुशी राम, कतरा बाग सिंह कूचा चन्द्र भान, अमृतसर। (अन्तरक)

2. लाला पन्ना लाल खन्ना एण्ड सन्ज (एच० यू० एफ०) वताला रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन गांव तुंगपाई, वताला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 9195 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर (तहसील) में लिखा।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 अगस्त 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश नं० ए० एस० आर०/65/76-77—यतः मुझे  
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो नं० 22 वार्ड  
एवन्यू अमृतसर में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती परमिंदर कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह वासी  
मुंडा पिंडत० तरन तारन जिला अमृतसर अब गुरु नानक बाड़ा,  
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री राकेश कुमार गल्होता पुत्र श्री भजन लाल गल्होता,  
21 वार्ड एवन्यू, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और यदि कोई किरायदार।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा नं० 22, वार्ड एवन्यू अमृतसर जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2530 दिसम्बर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 अगस्त 1976।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 16 अगस्त 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/1491/75-76—अतः मुझे ग०प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 33-के०, सराभा नगर है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—226GI/76

1. श्री जोगिन्द्र, सिंह पुत्र श्री दीवान सिंह द्वारा श्री प्रम कुमार पुत्र श्री भगत राम, निवासी विकास नगर, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री राजकंवल सिंह पुत्र श्री रणधीर सिंह गरेवाल निवासी गरेवाल हाउस, जगरायों। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं०, 33-के०, सराभा नगर, लुधियाना  
खसरा नं० 323 मिन  
322 मिन  
325 मिन

खाता नं० 75/141/86/152

जमाबन्दी 1966-67।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6181 तिथि 1-12-1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 16-8-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/दिसम्बर/471 (7)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3411 (भाग), 3412 तथा 3413, गली नं० 1, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीला वन्ती, पत्नी स्वर्गीय श्री० गोनथ दास, निवासी 3411 (भाग), 3412 तथा 3413, गली नं० -1, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार, अनिल कुमार, सुपुत्र श्री किशोर चन्द, प्रोपराईटर मै०, अरोड़ा ग्लास कं०, पहाड़गंज, देश बन्धु गुप्ता रोड़, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक लीजहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 2945/2314 है, और क्षेत्रफल 110 वर्गगज है, इसके साथ में ढांचा बना हुआ है, जिसका म्युनिसिपल नं० 3411 (भाग), 3412 तथा 3413, गली नं०-1 है, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० 2946

पश्चिम : प्लॉट नं० 2944

उत्तर : असली सड़क (ओरिजिनल रोड़)

दक्षिण : गली नं० 1

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 अगस्त 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/  
दिसम्बर, 464 (5)/75-76—अतः मुझे, एस० सी०  
पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० स्टाल नं० 49 है तथा जो गफार मार्किट,  
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उबाढ़ अनुसूची  
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1975।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ताराचन्द जनवेजा, सुपुत्र श्री रोशन लाल, निवासी  
जी-45, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती अनबाश कौर, पत्नी एस० सुरिन्द्र सिंह, निवासी  
सी०-3/82, फेस-11, अशोक विहार, बाजीरपुर, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

एक स्टाल नं० जोकि गफार मार्किट, करोल बाग, नई दिल्ली  
में लीजहोल्ड अधिकारों सहित 9.1 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि  
पर बना हुआ है। यह स्टाल निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व : स्टाल नं० 50

पश्चिम : स्टाल नं० 48 गफार मार्किट

उत्तर : अन्य के शौड

दक्षिण : रोड़

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-III/ दिसम्बर/1114 (8)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 26 बीगा 16 बिसवा गांव करोला, है तथा जो गांव करोला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती खाजानी, विधवा पत्नी श्री० राती राम, निवासी ककरोला गांव, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री राम फल, सुपुत्र श्री होशियार सिंह, निवासी ककरोला गांव, दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 बीगा तथा 16 बिसवा है अर्थात् 1/4 भाग कुल क्षेत्रफल (107 बीगा तथा 3 बिसवा) का है, जिसका खसरा नं० 19/19, (4-16), 20 (4-16), 21 (4-14), 22/1 (4-12), 22/2 (0-6), 20/16 (4-26), 17 (4-15), 18/1/2/2 (0-14), 23/1 (5-13), 28/2 (4-16), 3 (4-1), 7 (2-3), 8 (4-16), 9 (4-16), 12/1 (4-11), 12/2 (0-5), 13 (4-16), 14 (5-3), 18 (4-4), 19 (4-4), 31/21 (4-16), 32/25 (4-16), 39/5 (4-16), 6/1 (4-6), 6/2 (0-2), 40/1 (4-16), 10 (4-7) तथा 195/2 (0-5), कुल 23 कित्तास, खाता खौतौनी नं० 41/48 है, ककरोला गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 अगस्त 1976।

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एष्यु० III/एस० आर०-II  
दिसम्बर/1113 (6)/75-76—अतः मुझे एस० सी० पारीजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 26 बीगा तथा 15 बिसवा है तथा  
जो ककरोला गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 26-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती खजानी, विधवा पत्नी श्री राती राम, ककरोला  
गांव, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री होशियार सिंह, सुपुत्र श्री चन्दगी राम, गांव ककरोला,  
दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 बीगा तथा 15  
बिसवा है अर्थात् 1/4 भाग कुल कृषि भूमि (107 बीगा तथा  
3 बिसवा) का, जोकि खसरा नं० 19/19, 20, 21, 22/1;  
22/2, 20/16, 17, 18/1/2/2, 23/1, 28/2, 3, 7, 8, 9,  
12/1, 12/2, 13, 14, 18, 19, 31/21, 32/25, 39/5,  
6/1, 6/2, 40/1, 10 तथा 195/2 का भाग है, जोकि  
ककरोला गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० आर०-  
II/दिसम्बर/ 1112 (3)/75-76—अतः मुझे, एस० सी०  
पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई० ए०-1/11 है तथा जो इन्द्रपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ज्ञान चन्द, सुपुत्र श्री मुकुन्द लाल गोयल, निवासी ई० ए०-1/11, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री श्रीमती छोटी देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री० खरायती लाल, निवासी ई० ए०-1/6, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मकान जोकि 145 वर्ग गज (43½' × 30') क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० ईए-1/11 है, इसका अगला भाग जिसमें एक बरांदा, तीन कमरें, स्टोर, रसोई, पखाना तथा सीढ़ियाँ जोकि बाउंड्री दिवार के साथ में है, इन्द्रपुरी, नारायणा गांव के क्षेत्र, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० ई० ए०-1/10

पश्चिम : 40' चौड़ी सड़क

उत्तर : 30' चौड़ी सड़क

दक्षिण : 10' चौड़ी लेन

एस० सी० पारीजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 19 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 असफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/  
दिसम्बर, 1116 (10)/75-76--अतः मुझे, एस० सी०  
पारीजा, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० रेकॉर्ड नं० 17, किला नं० 678, 9/12, 12  
तथा रेकॉर्ड नं० 18, किला नं० 10, बुरारी गांव, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 30-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़त, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खेम चन्द, शेर सिंह, सुपुत्र श्री जय लाल, खेरा  
कालन गांव, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुरीन्द्र सिंह तथा नारीन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री हरदवारी  
लाल, निवासी खेरा कालन गांव, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 बीगा तथा 16 बिसवा है, रकट  
नं० 17, किला नं० 6 (4-16), 7 (4-16), 8 (4-16),  
9/2 (2-16), 12 (4-16), रेकॉर्ड नं० 18, किला नं० 10  
(4-16) है, जोकि बुरारी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित  
है।

एस० सी० पारीजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19-8-1976

मोहर।

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० आर०-II/  
दिसम्बर/1117 (11)/75-76—अतः, मुझे, एस० सी०  
पारीजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० रेक्ट नं० 46, किला नं० 21, रेक्ट  
नं० 47, किला नं० 15, 16, 25, रेक्ट नं० 64, किला नं० 5,  
रेक्ट नं० 65, किला नं० 1, है तथा जो खेरा कालन गांव,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरदवारी लाल, सुपुत्र श्री शादी राम, निवासी खेरा  
कालन गांव, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री खेम चन्द तथा श्री शेर सिंह, सुपुत्र श्री जय लाल,  
निवासी खेरा कालन गांव, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 बीगा तथा 2 बिसवा है, रेक्ट  
नं० 46 (4-16), 16 (4-16), 25 (4-16), रेक्ट नं०  
64, किला नं० 5 (2-12), रेक्ट नं० 65 किला नं० 1, (0-16)  
है, खेरा कालन गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है ।

एस० सी० पारीजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 19-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1208/76-77--

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ई-10 है तथा जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

4--226GI/76

1. श्री शान्ती स्वरूप गुप्ता, सुपुत्र श्री मंगत राय गुप्ता, निवासी 10-बी०, अपर आनन्द पर्वत, करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र भान, सुपुत्र श्री तुही राम, निवासी 1/38, रूप नगर, दिल्ली-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० 10, ब्लॉक नं० ई है, और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, सत्यावती नगर, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : प्लॉट नं० 9-ई

पश्चिम : प्लॉट नं० ई-

उत्तर : रोड़

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 5 अगस्त 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II/1209/76-77---अतः  
मुझे, एस०एन० एल०अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-28 है तथा जो मानोहर पार्क, रोहतक रोड़,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मुन्खराज सूरी, सुपुत्र श्री सोहन लाल सूरी, निवासी  
ए०-1, राना प्रताप बाग, दिल्ली, लेकिन अब मकान नं० 363,  
सी० डी० इण्डियन इन्स्टीट्यूट कालौनी मुगल सराय, जिला  
वाराणसी, (यू०पी०) (अन्तरक)

2. श्री रबी सवारूप, सुपुत्र श्री बारू मल, निवासी 31,  
चून्ना मल पार्क, रोहतक रोड़, दिल्ली-26। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लॉट जिसका नं० 28, ब्लॉक नं० 'डी' है, और क्षेत्रफल  
215 वर्ग गज है, गांव बसाएशारापुर, मानोहर पार्क में, रोहतक  
रोड़, दिल्ली राज्य, दिल्ली में है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित  
है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : जायदाद नं० डी०-27

उत्तर : रोड़

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 अगस्त 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयु०/II/1210/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० XII/4122-4124 का 1/2 हिस्सा है तथा जो नया बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सत्या बऊरे, पत्नी श्री बृज मोहन, निवासी 28, बंगलो रोड, दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० बनारसीदास इंजीनियरिंग कं० नया बाजार, दिल्ली (अन्तरिती)

3. मै० बनारसी दास इंजीनियरिंग कं० (2) मै० राम कृष्ण ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (3) श्री बनारसी लाल टी० वैन्डर (4) श्रीमती पी० बी० पाठक (5) श्री जगजीत सिंह। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० XII/4122-4124 (नया) का 1/2 हिस्सा जोकि सभी लीजहोल्ड अधिकारों सहित 328 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5 अगस्त 1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1211/76-77—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5837/1 है तथा जो जोगीबारा, नई सड़क, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बंशीधर गुप्ता, सुपुत्र श्री पदम चन्द्र (2) श्री दीपक-धर (3) धीरजधर, सुपुत्र श्री बंशीधर, निवासी 1, अन्डरहील रोड, दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० छोटे लाल राम किशोरी, जोगीबारा, नई सड़क, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. श्री शिवनाथ प्रसाद एण्ड कं० (निम्न क्लौर) (2) हंसराज एण्ड कं० (निम्न क्लौर) (3) विरीन्द्र कुमार विनोद कुमार (पहली मंजिल) (4) श्री वीरीन्द्र कुमार (पहली मंजिल) (5) श्री केशों दत्त (दूसरी मंजिल) (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक तीन मंजिला बना मकान जोकि 205 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर है, जिसका नं० 5837/1 है, जोगीबारा, नई सड़क, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 5838

पश्चिम : जायदाद नं० 5819

उत्तर : जायदाद नं० 5837

दक्षिण : मै० छोटे लाल राम किशोरी की जायदाद का दिवार

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 अगस्त 1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1212/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, ब्लॉक नं० 6 (6/14) है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नोटिस नं० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/1212/76-77

(1) श्री माधुराज मोटवानी, सुपुत्र श्री मोती राम, निवासी 6/14, ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली ।

(ए) स्वयं तथा जनरल एटारनी आफ

श्रीमती हास्सीबाई बनाम कलपना, पत्नी श्री उत्तम कुमार मोतीरामनी, निवासी मकान नं० 1893-ए०, सरकारी कालेज के सामने, बिवाड़ रोड़, (अजमेर) राजस्थान ।

(बी) श्रीमती मोहीनी बनाम वीणा जेथरा, पत्नी श्री गंगा दास जेथरा, निवासी रेलवे मकान नं० एल०-35-ए, माड़वाड़ जंक्शन (राजस्थान) ।

(2) श्री तालाराम, मोटवानी

(3) श्री भेजराज मोटवानी, सुपुत्र श्री मोती राम मोटवानीय निवासी 6/14, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. भवानी दास डींगरा, सुपुत्र श्री हुकम चन्द (2) हरीश कुमार डींगरा, सुपुत्र श्री भवानी दास डींगरा, निवासी 16/7, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री जी० एस० सेठी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ब में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था ।

#### अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका प्लॉट नं० 14, ब्लॉक नं० 6 (6/14) है, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में है । यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 6/13

पश्चिम : जायदाद नं० 6/13

उत्तर : सविस् लेन

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 19 अगस्त 1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1213/76-77—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 205 (मुन्यसिपल नं० 165-166 तथा 203 से 232), है तथा जो फतेहपुरी, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० एस० चौपड़ा, सुपुत्र श्री किशोरी चन्द, निवासी 315, छाजूर रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री पदम चन्द, सुपुत्र श्री लछमन दास, निवासी (1072 गन्वी गली, फतेहपुरी, चांदनी चौक, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 205 है (एक चबूतरा भी है) का आकार 20'-7" × 9'-8" है, 16 फुट ऊंचा है, जिसका मुन्यसिपल नं० 165-166 तथा 203 से 232, बार्ड नं० 11 है, फतेहपुरी, दिल्ली में है। यह दुकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : विक्रेता की जायदाद

पश्चिम : रोड़

उत्तर : विक्रेता की जायदाद

दक्षिण : विक्रेता की जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 अगस्त 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1214/76-77--

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जे-8 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह, सुपुत्र श्री एस० चान्न सिंह, निवासी 3862, खीखी फाजल हुसैन, जगत सिनेमा के पास, दिल्ली-6 (अन्तरिक)

2. श्री हरजीत सिंह कालसी, सुपुत्र श्री बीर सिंह कालसी, निवासी एन-6, राजौरीगार्डन, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि फ्रीहोल्ड 220.6/10 वर्ग गज क्षेत्रफल पर बना हुआ है, जिसका नं० 8, ब्लॉक नं० 'जे०' है, राजौरी गार्डन कलौनी, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : प्लॉट नं० जे०-31 पर मकान

उत्तर : प्लॉट नं० जे०-9 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० जे०-7 पर मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 19 अगस्त 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1215/76-77/—  
अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3477 से 3479, वार्ड नं० 6 है तथा जो हजज काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भागवन्ती, विधवा पत्नी श्री सीता सिंह, निवासी सी-7/337, डी० डी० ए० फ्लैट्स, हाउस खास, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मै० मिनीचा सपलाई एजेंसी, 3478, हाउस काजी, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

3. श्री शाम सुन्दर मिनीचा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्रांक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक डबल स्टोरी बिल्डिंग जोकि फ्रीहोल्ड 82.4 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका मुन्यसिपल नं० 3477 3479, वार्ड नं० 6 है, हाउस काजी, दिल्ली में है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सव्जी मार्किट

पश्चिम : बजार

उत्तर : जायदाद नं० 3426 से 3476

दक्षिण : जायदाद नं० 3480

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना 411004, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली II/दिसम्बर, 75)/297—  
यतः मुझे वही० एस० गायतोडे  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० घर क्र० 47/19 है तथा जो ओरंडवण (पूना)  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 12-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित ध्यवित्तियों, अर्थात् :—

5—226G1/76

1. हिंगणे स्त्री शिक्षण संस्था, धर्वनगर, पूना-411029  
(अन्तरक)

2. श्री अंजको इलेक्ट्रानिकम् 47/21 ओरंडवण, पूना-  
411004 (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती मालतीबाई के शव पालकर घर क्र०  
43/3, ओरंडवण, पूना-4

(2) श्रीमती उपाबाई रघुनाथ पटवर्धन 43/2 ओरंडवण,  
पूना-4, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्री होल्ड, प्लॉट-47/19 ओरंडवण, पूना-4 क्षेत्रफल :—करीब  
1,222 वर्ग मीटर्स और प्लिथ एरीया करीब 305.5 वर्ग  
मीटर्स-1948 में बांंधी हुई इमारत।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2600 दिसम्बर 1975  
में सब रजिस्ट्रार हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है)

वही० एस० गायतोडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

तारीख : 12-8-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए० सी० 25/अर्जन रेंज-V—अतः मुझे एस० एस० इनामदार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 85 तथा जो बागमारी रोड, पी० एस० माणिकतल्ला कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती निरुपमा भोर एवं अन्य 6 व्यक्ति (अन्तरक)

3. श्रीमती लीबोमो ड्योबेन्युना इसोन्गलोथा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

6 कट्ठा 12 छिटाक 17 स्कवे फी० भूमि, 85 बागमारी रोड, पी० एस० माणिकतल्ला कलकत्ता स्थित एवं डीड सं० 6851 ता० 8-12-75 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-V  
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1976

निर्देश सं० III-202/अर्जन/76-77/1236—अतः मुझे  
अजय कुमार सिंहा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉ० 894/296 है, तथा जो पारडीह में स्थित  
है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
24-12-1975 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गोविन्दा गोरई बल्ल स्व० काली पद्म गोरई सा०  
पारडीह, थाना मान्गो, जिला सिंह भूम (अन्तरक)

(2) कनिज फात्मा जौजे मो० ईल्ताफ हुसैन खां हो० सं०  
20, नई रानीकुदर थाना सोनारी जिला सिंह भूम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन रकबा 15 कट्ठा जो पारडीह, थाना मान्गो, जिला  
सिंह भूम में है तथा खाता सं० 384/68 प्लॉट सं० 894/296  
है और जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 13209 दिनांक 24-12-75  
में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 10-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1976

निर्देश सं० 111-203/अर्जन/76-77/9237—अतः मुझे अजय कुमार सिन्हा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी शे० सं० 446 एल० एस० प्लेट सं० 470, 471 इत्यादि है, तथा जो गनीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्द कुमार प्रसाद साह वल्द श्री बैद्य नाथ प्रसाद साह, सा० मोहल्ला सरैयागंज, पो०/जिला मुजफ्फरपुर (अन्तरक)

(2) श्री सूर्य नारायण प्रसाद वल्द श्री राधो साह, सा० सलेमपुर, पो०/थाना-सूर्य गढ़रा लिजजिला मुंगेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 14500 वर्गफीट जो गनीपुर, शहर मुजफ्फरपुर में है, तथा जिसका शे० सं० 446 एल० एस० प्लेट सं० 470, 471, 472, 472 इत्यादि है तथा जिसका वर्णन वस्तावेज सं० 19688 दिनांक 30-12-1975 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 10-8-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० नं० 351—यतः मुझे वि० वि० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2-1-60 है, जो श्रीनगर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सल्लाला गोपाल कृष्णाराव
- (2) श्री सन्नाला चन्द्रसेकरराव
- (3) श्री सन्नाला अप्पाराव
- (4) श्री सन्नाला वेंकटराव
- (5) श्रीमति दमपला सत्यावर्ति
- (6) श्रीमति अमवती कमलादेवी
- (7) श्रीमति रेवुला लक्ष्मी
- (8) श्रीमति मारिसेट्टी पदम्बति
- (9) श्रीमति मदरपाकम सरोजिनिदेवी

श्री नगर काकिनाडा

जि० पि० ए० श्री सन्नाला गोपाल

कृष्णाराव

(अन्तरक)

2. श्री कोप्पना वेंकट नाय काकिनाडा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 31-12-75  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6877/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एम० वि० काकिनाडा

तारीख : 7-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० नं० 352—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2-1-60 है, जो श्रीरामनगर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सन्नाला गोपाल कृष्णाराव
  - (2) श्री सन्नाला चन्द्रसेकराव
  - (3) श्री सन्नाला अम्पाराव
  - (4) श्री सन्नाला वेंकट राव
  - (5) श्रीमति दमपला सत्यावति
  - (6) श्रीमति अम्बटी कमलादेवी
  - (7) श्रीमति रेवुला लक्ष्मी
  - (8) श्रीमति मारिसेट्टी पदम्बति
  - (9) श्रीमति मदरपाकम सरोजिनिदेवी
- श्री नगर काकिनाडा  
जि० पि० ए० श्री सन्नाला गोपाल कृष्णाराव

(अन्तरक)

2. श्रीमती कोप्पाना सरोजिनि, काकिनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पक्षिक अंत 31-12-75  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 6878/75 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बि० वि सुब्बाराव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज एम० बि० काकिनाडा

तारीख : 7-8-1976

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मोहम्मद कुन्णू कन्नमल्लूवीड, पन्मना बिलेज (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचिन-11, दिनांक 2 अगस्त 1976

निर्देश सं० एल० सी० 75/76-77—यतः मुझे एस० एन० चन्द्रयूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मैनागपल्ली बिलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करुनागपल्ली (अडीशनल) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री अस्पनास्कुटी, चाकविला पुन्तन वीड, मैनागपल्ली बिलेज करुनागपल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

50% right over one acre 85 cents of land and a Tile factory thereon in Sj. Nos. 4826A, 4828 and 4829 of Mynagappelly village in Karunagappally Taluk.

एस० एन० चन्द्रयूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 2-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जोरज, तैपरमबिल, चंगनाशेरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष

(2) के० टी० जोब, पायिपाड।

(अन्तरिती)

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-11, दिनांक 3 अगस्त 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० एल० सी० 76/76-77—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो वाजपल्ली विल्लेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंगनाशेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

20 cents of land with buildings in Sy. No. 267/18 of Vazapilly East in Changanasary Town.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 3 अगस्त 1976

मोहर ।

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-11, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० एल०सी०-77/76-77—यतः मुझे,  
सी० पी० ए० वासुदेवन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, तथा जो एरणा-  
कुलम विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6-226GI/76

(1) श्रीमती कनकम्माल, कनकालयम बंगलानू  
एरणाकुलम (अन्तरक)

(2) (i) श्री एस० रंगनाथ, कलकत्ता-29 (ii) वसन्ता,  
कलकत्ता-29 (iii) दीपा (रंगनाथ के द्वारा)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

4.25 acres of land in Sy. No. 1335 in Cochin Corporation.

सी० पी० ए० वासुदेवन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-11, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० एल०सी०-78/76-77—यतः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम विलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० पी० सरगंतम, कनकालयम बंगला, एरणाकुलम। (अन्तरक)

(2) (i) एस० रंगनाथ, कलकत्ता-29 (ii) वसन्ता, कलकत्ता-29, (iii) दीपा (रंगनाथ के द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

4.25 acres of land in Sy. No. 1335 in Cochlin Corporation.

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

(1) श्री के० त्रिविक्रम कुरूप कुन्टरा (अन्तरक)

(2) श्री के० प्रभाकरन नायरन कोमिलोन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-11, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० एल०सी०-79/76-77—यतः सुझे, सी० पी०  
ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के  
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोमिलोन  
विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोमिलोन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 22-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

8 cents of land with buildings in Sy. No. 6963/1 of Quilon  
Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1976

निर्देश सं० 24-सी०/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट 1203<sup>3</sup>/<sub>4</sub> वर्ग गज है तथा जो मोहल्ला खुरशीद बिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती मुमताज दुल्हन बेगम (अन्तरक)
- (2) चेलप राम एवं अन्य (अन्तरिती)
3. श्रीमती मुमताज दुल्हन बेगम (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राद्धेपः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट माप 1203<sup>3</sup>/<sub>4</sub> वर्ग गज जो कि मो० खुरशीद बिला जिला रामपुर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-8-1976  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती भगवानीबाई व अन्य (अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण व अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1976

निर्देश सं० 127-एस०/अर्जन--अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 555छ/68 है तथा जो सिंगार-नगर, लखनऊ शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता पोखता मकान नम्बरी 555छ/68 बाकै,  
सिंगारनगर, शहर लखनऊ।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-8-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1976

निदेश सं० 98-आर०/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 1195½ वर्गगज है तथा जो कि  
मो० खुरशीद बिला जि० रामपुर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
23-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- |   |            |
|---|------------|
| (1) श्रीमती मुमताज दुल्हन बेगम  | (अन्तरक)   |
| (2) श्री रोशन लाल एवं अन्य  | (अन्तरिती) |
| (3) श्रीमती मुमताज दुल्हन बेगम (वह व्यक्ति,<br>जिसके अधिभोग में संपत्ति है) |            |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक प्लॉट नाप 1195½ वर्ग गज जो कि मो० खुर-  
शीद बिला जिला रामपुर में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1976

निदेश सं० 128-7/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 204अ०/211583 व अन्य है तथा जो  
ग्राम रतनपुर तेन्दुआ में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची और पूर्ण से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बीकापुर-फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पार्वती (अन्तरक)

(2) श्री सूर्यभान व अन्य (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधि-  
भोग में सम्पत्ति है)(4) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित ग्राम रतनपुर तेन्दुआ भूमि नं० 208,अ०/  
21158.3 व अन्य।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, लखनऊ  
 लखनऊ, दिनांक 7 अगस्त 1976

- (1) श्री सन्धुलाल अधीच्छ एवं अन्य (अन्तरक)  
 (2) श्री रतन गाहानी (अन्तरिती)  
 (3) बिन्नेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
 (4) बिन्नेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

निदेश सं० 99-आर०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 288/51 है तथा जो कि आर्य-नगर लखनऊ में स्थित है (और इससे आपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 288/51, जो कि मो० आर्य नगर, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 7 अगस्त 1976  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त, 1976

निदेश सं० 1076/अर्जन/कानपुर/75-76/978—अतः

मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 27/12/75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-226 GI/76

(1) श्री भगवत प्रसाद तिवारी व राजकुमार तिवारी  
पुत्रगण पं० वल्लभप्रसाद तिवारी व श्रीमती गुलाब बाई तिवारी  
बेवा स्वं पं० वल्लभप्रसाद तिवारी साकिन 4/281,  
पारवती बागला रोड—शहर कानपुर। (अन्तरक)

2. पं० केदार नाथ तिवारी पुत्र पं० प्रयाग प्रसाद तिवारी  
सं० एम्रीकल्चर कालेज शहर कानपुर व पं० सदाशिव त्रिपाठी  
पुत्र पं० शिवरतन त्रिपाठी सां ई०-7 आफीसर्स कालोनी  
रावतपुर, शहर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 33 रकबई 200 वर्गगज जिसका  
आराजी नं० 1679 है यह मौजा बैरी अकबर पुर, परगना  
व जि० कानपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण 11600/-  
में किया गया है।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 11-8-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त 1976

निदेश सं० 1079/अर्जन/कानपुर/75-76/979—अतः

मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भगवत प्रसाद तिवारी नि० 4/289, पारवती बगला रोड, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्री मुन्ना निवासी 88/474, फहीमाबाद, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 20 स्थित मौजा बैरी अकबर पुर परगना व जिला कानपुर इसका हस्तान्तरण 13,250 में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-8-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11-8-76

निदेश सं० 1037-ए०/अर्जन/कानपुर/75-76—अतः मुझे,  
विजय भार्गव,

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
अधीन, 18-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भागवत प्रसाद तिवारी (2) राज कुमार  
तिवारी पुत्रगण पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी (3) श्रीमती  
गुलाब बाई बेवा पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी 4/281,  
पारवती बागला रोड, शहर कानपुर (अन्तरक)

(2) डा० श्री नारायण त्रिपाठी पुत्र पं० शिव कुमार  
त्रिपाठी नि० 76/54, कुर्सी बाजार, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नम्बर 6 रकबा 200 वर्ग गज  
वाकें मौजा बैरी अनवरपुर परगना ब जिला कानपुर,  
12,000/ रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 11-8-76  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त 1976

निदेश सं० 1018/अर्जन/कानपुर/75-76/981—अतः

मुझे, विजय भार्गव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनु-  
सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 29-12-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागवत प्रसाद तिवारी नि० 4/281, पार्वती  
बागला रोड, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री हाजी बाबू नि. 88/474, फहीमाबाद, कानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति व प्लॉट नं० 29 मौजा बेरी के अकबरपुर  
कानपुर में स्थित है जिसका हस्तान्तरण 13,250/ रु० में  
हुआ है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-8-76  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त, 1976

निदेश सं० 1036-ए०/अर्जन/कानपुर/75-76/982—अतः  
मुझे, विजय भागव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनु-  
सूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवत प्रसाद तिवारी (2) राजकुमार तिवारी  
पुत्रगण पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी (3) श्रीमती गुलाब बाई  
बेबा पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी सा० 4/281 पारवती  
बागला रोड, शहर कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला मिश्रा पत्नी मेवा लाल मिश्रा  
सा० मकपूवाबाद परगना व जिला कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 5 आराजी भूमिधरी नम्बर  
1679 बाकै बैरी अकबरपुर परगना व जिला कानपुर,  
11,400 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भागव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11-8-76

निर्देश सं० अर्जन /1166/गाजियाबाद/75-76/977—

प्रतः मझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुखदेव सहाय पुत्र राम रक्खामल नि 2/5,  
कृष्णनगर, दिल्ली-51 (अन्तरक)

2. श्रीमती चप्पारानी पत्नी श्रीमती इन्दरपाल सम्बरवाल  
(2) श्रीमती रानी सम्बरवाल पत्नी श्री रवीन्द्र कुमार  
सम्बरवाल निवासी सी०-190 विवेक बिहार सहृदरा दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 4/4 जिसकी माप 200 वर्ग गज है जो राबलपिण्डी गार्डन चिकम्बर पुर गाजियाबाद में स्थित है जिसका हहस्तान्तरण रु० 42,500/- में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 11-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० एफ०/अर्जन/हापुड़/75-76/987—प्रतः मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डालू उर्फ डल्लू पुत्र श्री हीरा, निवासी हापुड़, मोह० मोरपुरा तह० हापुड़ जिला मेरठ। (अन्तरक)

2. (1) नव ज्योति सहकारी गृह निर्माण समिति लि० हापुड़, जिला मेरठ द्वारा श्री कृष्ण कुमार गर्ग पुत्र श्री चिमनलाल नि० जवाहर गंज हाल बैंक कालोनी श्रीनगर हापुड़। (2) श्री राम कुमार शर्मा पुत्र रघुनन्दन प्रसाद नि० 156 जवाहर गंज हापुड़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 224 माप 8 बिस्वा है जो हापुड़ जिला मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण 14,110/- रुपए में हुआ है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० एफ०/अर्जन/1105/हापुड़/75-76/988—अतः  
मुझे, विजय भागवत,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़  
रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का) के अधीन, तारीख 26-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डालू उर्फ डल्लू पुत्र श्री हीरा निवासी हापुड़  
मोह० मोरपुरा तह० हापुड़ जिला मेरठ।  
(अन्तरक)

2. नव ज्योति सहकारी गृह निर्माण समिति लि०  
हापुड़, जिला मेरठ द्वारा श्री कृष्ण कुमार गर्ग पुत्र श्री  
खिमनलाल नि० जवाहर गंज हाल बैंक कालोनी श्री नगर  
हापुड़।  
(अन्तरिती)

3. श्री राम कुमार शर्मा पुत्र रघुनन्दन प्रसाद नि०  
156 जवाहर गंज हापुड़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रहोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 2288 माप 8 बिस्वा  
है जो हापुड़ जिला मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण  
14,110/- रुपए में हुआ है।

विजय भागवत  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री राम प्रसाद निवासी 8/  
38, चांदनी चौक दिल्ली।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० अर्जन/116/गाजियाबाद/75-76/848—अतः  
मझे, विजय भार्गव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
(16 के अधीन, तारीख 2-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—226GI/76

2. श्री रावी सभा (पंजीकृत) गाजियाबाद श्री मोहन  
लाल रहेजा पुत्र लाला बूटा राम मरस्वती इंजीनियरिंग  
कम्पनी जी० टी० रोड, गाजियाबाद, अध्यक्ष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

ई० ब्लाक, कविनगर गाजियाबाद में स्थित प्लॉट नं०  
1 जिसकी माप 1638.55 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण  
54,072/- में किया गया है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 13-7-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जुलाई 1976

निदेश सं० अर्जन /1162/गा०बाद/75-76/849—अतः  
मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र भगत सिंह वग्घा निवासी  
18/1 धारपार कलकत्ता द्वारा श्रीमती गरुबल्लभ कौर, मुख्तार  
आम (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा जैन पत्नी रमेश कुमार जैन, के० सी०  
17, कबी नगर गाजियाबाद, जिला मेरठ।

(( अन्तरिती ))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० के० ए०-10 कबी नगर,  
गाजियाबाद जिसकी माप 1800 वर्ग गज है इसका हस्ता-  
न्तरण, 46,000// रु० में हुआ है।

विजय भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-7-76

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जलाई 1976

निदेश सं० अर्जन/6/आगरा/76-77—अतः मझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदन मोहन नाथ कुजंक पुत्र स्व० श्री राजनाथ कुंज नि० 15/27-3 छिली इंट रोड, आगरा।

2. श्री ओम प्रकाश गर्ग पुत्र श्री मुन्नी लाल गर्ग पत्र नि० 23/263, वजीरपुरा, आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिल्ली गेट, सिविल लाइन्स, आगरा में स्थित अचल संपत्ति प्लॉट नं० 1/58, जिसकी माप 1000 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण रु० 30000/- में किया गया है।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-7-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 21 जुलाई 1976

निर्देश सं० 123/76-77/ए०सी०क्यू०—यतः मुझे, एस०  
नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 449-ए०-2, 449-बी० और 446-बी०  
है, जो मेन रोड, कुमटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, कुमटा डाक्यूमेंट नं० 207 के अन्तर्गत  
12-12-1975 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नारायण रामकृष्ण कालबाग सुगत निवास,  
चाबिलदास रोड, दादर, बंबई-28 (अन्तरक)

2. श्री गणपती परमेश्वर भटककर, संतोष भवन,  
डेंपो बिल्डिंग वास्को-डा-गामा (गोवा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-  
भाषित, है वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

मेन रोड कुमटा में स्थित स्थिर आस्ति जिसमें खुला  
जामा, दो बिल्डिंग, नारियल और और आम के पेड़ हैं जिसके  
चारों ओर दीवार है और जिसके सर्वे नं० 449 ए० 2,  
449बी० और 446-बी० है।

एस० नरसिंहन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 21-7-76  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक 3 अगस्त 1976

निदेश सं० 128/76-77-ए०सी०क्यू०—यतः, मझे, एस०  
नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नम्बर 18,20-पी०, 70, 72, 73  
74, 75 और 17 है, जो मूडिगेरे ताल्लूक के मुत्तिमपुर  
ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मूडिगेरे डाक्यूमेंट नं० 650 के अन्तर्गत 10-12-1975 के  
दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 19

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मार्टिन् डिसोक्षा का पुत्र श्री डेविड् मस्किन् डिसोक्षा,  
मुत्तिमपुर ग्राम कसबा होबली, मूडिगेरे ताल्लूक  
(अन्तरक)

2. दिवंगत डा० बी० नारायण का पुत्र श्री बी० मवोहर  
दास मुत्तिमपुर ग्राम कसबा होबली, मूडिगेरे ताल्लूक  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मुत्तिमपुर ग्राम में स्थित खेत जो 31 एकड़ और 34  
गुन्टे हैं और जिसके सर्वे नं० 18,20-पी०, 70, 72, 73,  
74, 75 और 17 है ।

एस० नरसिंहन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 3-8-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़.

धारवाड़, दिनांक 21 जुलाई 1976

निदेश सं० 124/76-77/ए०सी०एक्यू०—यतः मुझे,  
एस० नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 449 ए०-1 है, जो मेन रोड, कुमटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमटा डाकुमेंट नं० 208 के अन्तर्गत 15-12-1975 के दिन रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायण राम कृष्ण कलबाग, संगत निवास,  
चाबिलदास रोड, दादर, मुम्बई-28 (अन्तरक)2. श्री गणपती परमेश्वर भटक्कवकर संतोष भवन,  
डेंपो बिल्डिंग, वास्को-डा-गामा (गोवा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

मेन रोड कुमटा में स्थित स्थिर आस्ति जिसमें मकान,  
नारियल और आम के पेड़ हैं जिसके सर्वे नंबर 449-  
ए०-1 है।

एस० नरसिंहन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 21-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक 27 जुलाई 1976

निर्देश सं० 125/76-77/ए०सी०क्यू०--यतः मुझे, एस०  
नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सी०टी०एस० नं० 2889, 2890, 2891  
है, जो कंचगार ओणी, हुबली में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हुबली डाक्यूमेंट नं० 2516 के अन्तर्गत  
29-1-1976 के दिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक-----19

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री देवेन्द्र गोडा नागनगोडा पाटिल निवृत्त अध्यापक  
प्रक्रीपेट, पराना हुबली (अन्तरक)

2. श्री दीगडमल सर्दारमलजी जैन, कंचगार गल्ली,  
हुबली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कंचगार गल्ली, हुबली में स्थित बिल्डिंग और खुल्ला  
जगह जिसके सं० नं० 2889 (34½ चदरमार्ड), 2890  
(301½ चदरमार्ड), 2891 (8 चदरमार्ड) हैं और इसमें  
3/4 का हिस्सा है।

एस० नरसिंहन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 27-7-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 29 जलाई 1976

निर्देश सं० 126/76-77/एक्यू० :—यतः, मझे, एस०-नरसिंहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 31/ ए०, 32/ बी० बिन शेतकी भूमि है, जो बीदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीदर डाकुमेंट नं० 2045 के अन्तर्गत 19-12-1975 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. दिवंगत शाह मर्तुजा कादरी की पत्नी आइशा बेगम

2. सय्यद फरीदुल्ला अल्वि की पत्नी रबिया बेगम दोनों लाल दरवाजा बीदर के रहवासी

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जनता फैनान्स कार्पोरेशन, बीदर उसके भागीदारों से प्रतिनिधित्व ।

1. संगय्या कटकम् का पुत्र मानय्या ।

2. गुरय्या बाचा का पुत्र बी० दामोदर राव दोनों व्यापारी, बीदर के रहवासी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुल्लर हवेली, बीदर में स्थित बिन शेतकी भूमि जिसकी सं० नं० 31/ए० (5 एकड़ और 20 गुंठे), 32 बी० (1 एकड़ और 6 गुंठे) है और वहां के घर और दूकान के साथ ।

एस० नरसिंहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 29-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन/354 :—यतः  
मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 41 है तथा जो श्री करनपुर  
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री करनपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 3/4-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9-226GI/76

(1) श्रीमती जसिन्द्रजीत कौर पुत्री श्री हरबयाल सिंह  
निवासी श्री करनपुर तहसील, जिला श्री गंगानगर  
(अन्तरक)

(2) श्री मर्जीत सिंह पुत्र श्री गुरुनाम सिंह निवासी (तहसील  
श्री करनपुर) जिला श्री गंगानगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

मुरब्बा नं० 41 में 5 बीघा कृषि भूमि, चक नं० 3 डब्ल्यू०,  
जो उप पंजियक, श्री करनपुर द्वारा क्रम संख्या 2085 दिनांक  
3-12-1975 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में अधिक विस्तृत रूप  
से वर्णित है एवं मुरब्बा नं० 41 में 5 बीघा कृषि भूमि  
जो चक नं० 3 डब्ल्यू०, जो उप पंजियक, श्री करनपुर द्वारा  
क्रम सं० 2089 दिनांक 4-12-1975 में अधिक विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती जसिन्द्रजीत कौर पुत्री श्री हरदयाल सिंह निवासी 3 डब्ल्यू०, तहसील श्री करनपुर जिला श्री गंगानगर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1976

(2) श्री हरप्रीत सिंह पुत्र श्री सत्येन्द्र सिंह निवासी तहसील श्री करनपुर जिला श्री गंगानगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

5 बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 41 में, चक नं० 3 डब्ल्यू० जो अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक श्री करनपुर द्वारा क्रम संख्या 2084 दिनांक 3-12-75 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में वर्णित हैं, 5 बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 41 में, चक नं० 3 डब्ल्यू० जो उप पंजियक श्री करनपुर द्वारा क्रम संख्या 2090 दि० 4-12-75 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है एवं 5 बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 41 में, जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, श्री करनपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 2109 दि० 6-12-75 में वर्णित है ।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-8-76

मोहर :

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/357 :—यतः, मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 41 है, तथा जो 3 डब्ल्यू०, श्री करनपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री करनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3, 4, 6-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/353:—यतः मझे,  
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० चक नं० 3 डब्ल्यू० का मु० नं०  
42, 43 है तथा जो श्री करनपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय श्री करनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 व 4-12-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि दृष्टावधि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्ललिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्पेन्द्रा कीर पुत्री सरदार हरदयाल सिंह  
निवासी चक नं० 3 डब्ल्यू० तहसील श्री करनपुर  
जिला श्री गंगानगर  
(अन्तरक)

(2) श्री हरप्रीत सिंह पुत्र सत्येन्द्र सिंह निवासी 3 डब्ल्यू०  
तहसील श्री करनपुर जिला श्री गंगानगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5½ बीघा कृषि भूमि, मुरब्बा नं० 43 में, चक नं० 3  
डब्ल्यू०, जो उप पंजियक, श्री करनपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय  
पत्र संख्या 2083 दिनांक 3-12-75 में अधिक विस्तृत रूप  
से वर्णित है एवं 5½ बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 42 व 43  
में, चक नं० 3 डब्ल्यू०, जो उप पंजियक, श्री करनपुर द्वारा  
क्रम संख्या 2087 दिनांक 4-12-1975 पर पंजिबद्ध विक्रय  
पत्र में विवरणित है।

सी० एस० जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-8-1976  
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ 356 :—यतः मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 43 है, तथा जो श्रीकरनपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री करनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3, 4 एवं 6 दिसम्बर, 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रूपेन्द्र कौर पुत्री सरदार हरदयाल सिंह निवासी चक्र नं० 3 डब्ल्यू, तहसील श्री करनपुर जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सरजीत सिंह पुत्र श्री गुरुनाम सिंह निवासी 3 डब्ल्यू (तहसील श्री करनपुर) जिला श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5½ बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 43 में, चक्र नं० 3 डब्ल्यू, जो उप पंजियक श्रीकरनपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र क्रमांक 2082 दि० 3-12-75 में और विस्तृत रूप से वर्णित है; 5½ बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 43 में चक्र नं० 3 डब्ल्यू जो उप पंजियक, श्रीकरनपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रयपत्र क्रमांक 2088 दि० 4-12-1975 में और विस्तृत रूप से वर्णित है एवं 5 बीघा कृषि भूमि मुरब्बा नं० 43 में चक्र नं० 3 डब्ल्यू जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, श्रीकरनपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 2010 दि० 6-12-1975 में वर्णित है।

सी० एस० जैन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-8-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1976

निर्देश सं० राज० / सहा० आ० अर्जन/355 :—यतः  
मुझे, सी० एम० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 69 व 72 है तथा जो मोहल्ला  
गुजरात में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्द्रा उर्फ चन्द्रावति पुत्री श्री गंगाधर निवासी  
पब्लिक पार्क, बीकानेर,

2. श्री चान्दरतन पुत्र श्री राधाकिशन निवासी  
पब्लिक पार्क बाहर, बीकानेर,

3. श्रीमति विजयलक्ष्मी पति श्री सुभाष चन्द्र  
निवासी पब्लिक पार्क बाहर, बीकानेर

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण पुत्र श्री गंगाबिसन अग्रवाल निवासी  
मोहल्ला बछावतान, बीकानेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 69 व 72 बार्ड नं० 15 में, जेल रोड, मोहल्ला  
गुजरात, बीकानेर जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक  
बीकानेर द्वारा 11-12-75 को क्रम संख्या 2001, 2002 व  
2003 पर पंजीयक विक्रयपत्रों में विवरणित है।

सी० एस० जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अगस्त, 1976

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ 358 :—यतः  
मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी संख्या डी 50 है तथा जो ज्योतिमार्ग, जयपुर  
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 20 जन० 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रमिन्द्र नाथ राय पुत्र श्री रोमा पति राय, निवासी  
डी 50, बापूनगर, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल गंगवाल पुत्र श्री हनुमान बक्ष, निवासी  
ग्राम कुल्ली, पोस्ट आफिस कराबियाबास, जिला  
सीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० डी 50, ज्योति मार्ग, बापूनगर जयपुर जो  
उप पंजियक, जयपुर द्वारा पृष्ठ 321 वाल्यूम 540 में दिनांक  
20-1-76 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
वर्णित है।

सी० एस० जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/675:—

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, जो भिड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती रामश्रीबाई पत्नि श्री बुद्धीलाल उर्फ बाबू लाल जैन, निवासी ग्राम मऊतह० गोहद, भिड़  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूर्यमुखी पत्नि श्री खेमचन्द जैन निवासी सदर बाजार, भिड़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 23 (भाग) वार्ड नं० 5 जो कि भिड़ में स्थित है।

वी० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/676:—  
अतः मुझे, बी० के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो भिड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति रामश्रीबाई पत्नि श्री बुखीलाल उर्फ बाबूलाल, जैन निवासी ग्राम भेऊ, तह० गोहद, भिड।  
(अन्तर्गक)

(2) श्रीमति सूर्यमुखी पत्नि श्री खेमचन्द जैन निवासी सदर बाजार, भिड (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 23 (भाग) वार्ड नं० 5, जोकि भिड में स्थित है।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/684 :—

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो ग्राम चार सगोनी भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-12-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—226जी०आई०/76

से (1) श्री भवरजी पुत्र श्री परसराम निवासी ग्राम जमुनिया वर्तमान ग्राम बरखेड़ी, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल प्रसाद जी पुत्र श्री प्यारे लाल साहू निवासी म० नं० 64, पुलिस चौकी के पास बरखेड़ी भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 67, 13 एकड़ भूमि जो कि ग्राम चार सगोनी तह० भोपाल में स्थित है ।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 76

निदेशन सं० आई० ऐ० सी० ए०/भोपाल/ 76-77/692:

—अतः मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जिसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धातविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति टिनकोरी बाई पत्नि श्री सत्यनारायण तिवारी  
वाला जवाहर गंज, जबलपुर

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सन्तोष कुमार सैमथ्या पुत्र श्री घासीराम  
2. श्रीमति कपूरी देवी पत्नि श्री घासीराम  
3. श्रीमति पुष्पा देवी पत्नि श्री वीरेन्द्र कुमार  
4. श्रीमति किरन देवी पत्नि श्री अरविंद कुमार  
निवासी मुखवारी नजिया, हनुमान ताल बाई,  
जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जोकि जवाहर गंज, जबलपुर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 30-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/686:—  
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-  
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दर्शन लाल पुत्र श्री कन्हैया लाल राजानी पावर  
ग्रुप एटार्नी द्वारा श्री जवाहर लाल पुत्र श्री कन्हैया  
लाल राजानी निवासी 68, जवाहर कम्पाउंड,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री हरशाह कुमार प्रान लाल रुपानी  
(2) श्री जीनेन्द्र कुमार पुत्र श्री प्रान लाल रुपानी,  
निवासी शिव विलास पेलस इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक खुला प्लॉट नं० 1 (के०-1), नामली कोठी, स्ट्रीट नं०  
1, साउथ तुकोगंज, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 30-7-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 76

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/ 76-77/685:—

अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाथिरव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायण दास हेमनानी पुत्र श्री जवाहर माल हेमनानी निवासी 15/17, सीता बिन्डिंग यशवंत निवास रोड, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप मेहता पुत्र श्री मानकचन्द मेहता निवासी 94, जावरा कम्पाउड, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक ओपनब्लाक नं० 10, डा० रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर ।

वी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-7-1976

मोहर :



प्रज्ञा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 जुलाई, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एवबी०/भोपाल/76-77/683:—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दो मंजिला मकान है, जो मुंडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुंडवाड़ा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-3-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री कोड़ामल पुत्र श्री बैलामल  
2. श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री लक्ष्मण दास  
3. श्री प्रताप राय पुत्र श्री बीरमल सिंधी निवासी कटनी हीरागंज तह० मुंडवाड़ा (अन्तरक)
- (2) 1. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री दानमल  
2. श्री फेरुमल पुत्र श्री उत्तमचन्द्र  
3. श्री गोविन्द राम पुत्र श्री फेरुमल  
4. (1) कन्हैया लाल (2) फेरुमल, (3) गोविन्दराम निवासी नई बस्ती, मुंडवाड़ा। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दो मंजिला पक्का मकान जिसका बियरिंग म० नं० 493 (पुराना) और 14/1-2 (नया) जो कि हनुमान गंज तह० मुंडवाड़ा डिस्ट्रिक्ट जबलपुर में स्थित है।

बी० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 19-7-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 76

निर्देश आई० सं० ऐ० सी० एमवी०/भोपाल/76-77/687 :—

यतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कृपाल दास पुत्र श्री राधा किशन दाम निवासी मं० नं० 183 बैराडी कालोनी, नं० 2 इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री इन्द्रकुमार

2. श्री अशोक कुमार

3. श्री जय कुमार

4. श्री किशोर कुमार सभी पुत्र श्री परसराम निवासी

3, जयराम पुर कालोनी इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावरसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुला प्लॉट नं० 8, साधू नगर, इन्दौर ।

वी० के० सिन्हा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, भोपाल

तारीख : 30-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एच०/भोपाल/76-77/688:—

अतः मुझे, श्री० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० कृषि भूमि है, जो तिकरापारा, रामपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जुमागुलखां पुत्र श्री मोहम्मद गुलखां निवासी  
गोले का बाजार, रामपुर ।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री प्रेम चन्द (2) ग्यान चन्द (3) मालसिंह  
निवासी सदर बाजार, रायपुर (म० प्र०) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीष्टताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पी० एम० नं० 114, ब्लाक नं० 397/124, जोकि तिकरा-  
पारा रामपुर में स्थित है ।

श्री० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-7-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० आई० ऐ० सी० ए०/भोपाल/76-77/697:--

अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो अमानी भोपाल में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

(1) श्री अब्दुल लतीफ पुत्र श्री मोहम्मद सिद्दीक साहब,  
निवासी ग्राम अमानी, तह० हुजूर, भोपाल ।  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री मुख्तार सिंह पुत्र श्री स्व० बालारामजी  
2. श्रीमति महेन्द्र कौर पति श्री एम० एस० सोलंकी  
3. श्री आनन्द सोलंकी  
4. श्री अशोक सोलंकी  
5. श्री अजय सोलंकी सभी पुत्र श्री एम० एस० सोलंकी निवासी भोपाल ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

72 एकड़ कृषि भूमि ख० नं० 306, 308, 309, 310, 311 जोकि ग्राम अमानी तह० हुजूर, भोपाल में स्थित हैं।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 12-8-76 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० 138/76-77:—यतः मुझे, के० एस०-  
वेंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी डी० सं० 3299/75 है, जो चीनाबाजार,  
नेल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लौर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 25-12-75को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—226 GI/76

(1) श्री रामचन्द्र सिंह, 2. श्री एस० बालाजी सिंह, पिता  
का नाम, स्वर्गीय के० सुब्बु सिंह, स्थान, जन्डा स्ट्रीट,  
नेल्लौर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमति तुलसी लीलावतम्मा, पति का नाम, सुब्बारायडू,  
कृष्णमन्दिरम् स्ट्रीट नेल्लौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

दुकान और मकान दरवाजा नं० 19/67,68 और 69 दीप्ता  
बाजार नेल्लौर, दस्तावेज नं० 2399/75 में रजीश्रीकरण रजीश्री  
कार्यालय, नेल्लौर ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 9-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० 139/76-77:—यसः मुझे, के० एस०-  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 44 है, जो गांव-वाड्डेपल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वारंगल  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 22-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमति पिंगली जानकी देवी, पति का नाम श्री  
पी० विजयमाला रेड्डी 2. श्री मादालापु रमलु, पति  
का नाम, वीरैया, दोनों हनुमकोंडा, वारंगल के निवासी  
हैं। (अन्तरक)

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारी, सहकारी आवास  
समिति, हनुमकोंडा, वारंगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति : सर्वोक्षण संख्या 44 की सूखी जमीन, रकबा : 2.32  
एकड़, स्थान : गांव—हनुमकोंडा, वारंगल।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-8-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० 140/76 77:—यत्: मुझे, के० एस०-  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी एस० सं० 32 है, जो बेगमपेट, सिकन्दराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
23-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए० रामकृष्ण रेड्डी, पिता का नाम श्री नरसिंह  
रेड्डी, मकान संख्या 1-11-198, बेगमपेट, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) द्वारका दास सहकारी आवास समिति सीमित,  
12 जीरा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जरा सर्वेक्षण संख्या 32, रकबा 3872 वर्ग गज, स्थान  
बेगमपेट, सिकन्दराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त, 1976

सं० आर० ए० सी० 141/76-77 :—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 6-3-42/1 है, जो चिन्तलबस्ती, हैदरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० अंजैया, पिता का नाम सी० फकीरा,  
निवासी मकान सं० 6-2-568, स्थान चिन्तल  
बस्ती, हैदराबाद  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० देवकीदेवी, पति का नाम पी० हनुमंतराव,  
मकान सं० 2-2-178, स्थान कबूतरखाना, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

संपत्ति मकान सं० 6-3-42/1, प्रेमनगर, चिन्तल बस्ती  
हैदराबाद।

रकबा : 417 वर्गगज।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज : हैदराबाद

तारीख : 9-8-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० 142/76-77:—यतः मुझे, के० एस०-  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० एस० 34, 35 है, जो बेगमपेट, सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 15-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री गुमेदेल्ली मनमोहन राव,  
2. गु० श्रीनिलास राव,  
3. गु० रविन्द्र कुमार,  
4. गु० सैलेश कुमार,  
5. गु० कार्तिक कुमार,  
6. गु० अन्नपूर्णम्मा, पति का नाम स्वर्गीय राव साहब,  
सभी के निवास स्थान भकान नं० 7023 मोमसुन्दरम्  
कुदालियर स्ट्रीट, सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)

- (2) द्वाराका दास सहकारी आवास समिति सीमित,  
12 जीरा, सिकन्दराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति बताई गई दस्तावेज नं० 280/76 रजिस्ट्री  
की गई रजिस्ट्रेशन कार्यालय सिकन्दराबाद बगैरा जमीन सरवे  
नं० का भाग नं० 394 और सरवे नं० 35 में क्षेत्रफल 17545 वर्ग  
गज बेगमपेट सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त 1976

सं० आर०ए०सी०/43/76-77:—यतः मुझे, के० एस०  
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-245 है, जो सुभाष गंज लेन, में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
22-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महम्मद सुजादीद्दीन कान पिदा महम्मद शरपी  
हीन कान घर नं० 5-8-522 मुकरबजग लेन हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) 1 श्रीमति वीशनीबाई पति जैवतराम  
2 मोहोनी पति सुनदरलाल  
3 कमल विसो कमलेश पिता जैवतराम  
4 सुरेश पिता जैवत राय तमाम घर नं० 1-2-  
365/5/1 राम निलयम घगन महल रोड हैदराबाद  
में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : जमीन और घर नं० 5-9-245 विस्तीर्ण 854  
वरी राज मुसाब जग गली हैदराबाद।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज : हैदराबाद

तारीख : 10-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अगस्त, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 144/76-77-यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी सं० सं० नं० 415/2-A है, जो करनरस  
बनगली रोड जीतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जीतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 11-12-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति ए. श्री बिट्टरैस थूठ पति स्वर्गीय रीजड् ब्रूट  
मेनगली इण्डियन डी० नं० 15-5-58 करनरस  
बनगली रोड जीतूर

(अन्तरक)

(2) सी० हरीप्रसाद पिता स्वर्गीय सी० थेतीराजू लू नायडू  
अफीसलेन जीतूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताधरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

विस्तीन घर सं० सं० नं० 415/2-A (पट्टा नं० 150)  
जीतूर कारनर बनगली रोड जीतूर में

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-8-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अगस्त, 1976

सं० आर० ए० सी० 145/76-77:—यतः मुझे, के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 6-3-1101 है, जो सोमाजीगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जी० नारायणा घर नं० 11-A जीवनतरुनग घटकोपर बाम्बे

(अन्तरक)

(2) श्री जनरल मनेजर श्री अनट्रावेनक लिमिटेड सेंट्रल कार्यालय पी० बी० नं० 161 हैदराबाद-500001 जुनाजीगुडा सर्वे ऑफ इन्डिया घर नं० 6-3-1101 सीमाजीगुडा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति का स्थान और नं० 6-3-1101 सीमाजीगुडा हैदराबाद उसका अंतराफये :—

उत्तर : जमीन श्री एम अब्दुल घफार सीदीकी

दक्षिण : जमीन श्रीमती सरदारुनीसा बेगम साईबा प्रस्तुत में रामशशबुलु

पूरब : जमीन श्रीमती सरदारुनीसा बेगम साईबा प्रस्तुत में रामशशबुलु

पश्चिम : जमीन नवाब हैमदजंग बहादुर प्रस्तुत में नवाब शाजी जंग बहादुर

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अगस्त 1976

सं० आर० ए० सी० 146/76-77—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-875 है, जो गरीबनगर, सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्ष्यमान  
प्रतिफल से ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—226GI/76

(1) श्री देवी सिंह चौधरी पिता चौधरी गोकुल सिंह  
प्रकाशनगर सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री डी० दयानन्द (2) डी० कृष्ण चन्द पिता  
डी० नागया 8/3 आर० टी प्रकाशनगर सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का वर्णन जो रजीश्री पत्र संख्या 4668/75  
किया गया है।

पूरी जो थल आई० जी० मकान नं० 8/3/आर० टी०  
मुनीस पत्र नं० 1-8-875 गरीबनगर सिकन्दराबाद में है  
उसका विस्तीर्ण 506.66 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री टी० आर० मीनाक्षी सुन्दरमणि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1976

निदेश सं० 105/दिसम्बर/75-76—यतः मुझे, जी०  
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 58/59 है, जो रट्टन बसार, मद्रास-1  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं०  
932/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० टी० कुन्जी मोहम्मद हाजी और आदि ।  
(अन्तरिती)

(3) कुमारी कादर यूसूफ  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 1, रट्टन बसार रोड डोस सं० 58/59 (आर० एस०  
सं० 10551) में 910 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के  
साथ) ।

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 10-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1976

निदेश सं० 4/दिसम्बर/75-76 —यतः मुझे, जी०  
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विष्ट करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 15 है, जो सेवन बेलस स्ट्रीट मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 876/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-12-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एम० एस० मुहम्मद तम्बी

(अन्तरक)

(2) श्री के० एन० के० मुहम्मद ईशाक और आवि

(अन्तरिती)

(3) 1. सायी लक्ष्मी,

2. एम० ओ० ई० यू० फ

3. राममूर्ति

4. राजाव अली

5. मरियम सैत

6. पयनीर आर्ट प्रिन्टर्स

7. अब्दुल करिम

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 1 सेवन बेलस स्ट्रीट डोर सं० 15 (आर० एस० सं० 1607/2) में 1330 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 11-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कोटा रंगरामान्जय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) आदीत्तन स्टोर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० 3/दिएम्बर/75-76—यतः मुझे, जी० रामा-  
नाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 13 है, जो गोशा साहिब स्ट्रीट मद्रास  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र  
सं० 8467/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 दिसम्बर 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने,  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से वक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(3) 1. जोती कलर कुमकुम

2. गाडिकाचलम

3. ए० धनपाल

4. ए० अंगभुषु

5. के० राजु

6. के० राजु

7. ए० आर० रंगसामी

8. के० वेदाचलम चेट्टी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास 1, गोशा साहिब लेन डोर सं० 13 (आर० एस  
सं० 5988/2) में एक ग्राउन्ड और 1886 स्क्वयर फीट की  
भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-8-76

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कोटा रंगरामान्धजैया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री आदीत्तन स्टोर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) 1- रहमनुल्ला

2. पी० श्रीरामुलु नायडु

3. पी० अन्नामल्ल चेट्टीयार

4. ए० राधाकृष्ण चेट्टा

5. अब्दुल करिम

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० 4/दिस०/ 75-76—यतः, मुझे, जी० रामा-  
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, जो आचरणपन स्ट्रीट मद्रास 1 में स्थित  
है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 8468/  
75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 1, आचरणपन, स्ट्रीट डोर सं० 8 (आर० एस० सं०  
5988/1) में एक आउन्ड की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० पलनि सामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० जगदीसन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० 39/दिस०/75-76—यतः, मुझे, जी० रामा-

नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6/2वीं और 9/2 है, जो नाचीयामपट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरुर (पत्र सं० 3106/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दरमपुर जिल्ला, नाचीयमपट्टी गांव सर्वे सं० 6/2 वी० में 6.42 एकड़ और 9/2 में 0.61 खेती की भूमि

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्री बी० पलनिसामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० 40/दिस०/75-76 --यतः, मुझे, जी०  
रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3/1 वी० और 6/2 वी० है, जो नाचीनाम-  
पट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरूर  
(पत्र सं० 3107/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्री बी० वन्डायुदम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वरमपुरि, नीचानामपट्टी गांव सर्वे सं० 3/1 वी० और  
6/2 वी० में 8.77 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

तारीख : 12-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री वी० सुन्दरम

(अन्तरक)

(2) श्री वी० सुब्रमणियम

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

निदेश सं० 42/ दिस० /75-76 :—यतः, मुझे,  
जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3/1 ए, 4/1 और 4/2 है, जो नाचीनाम-  
पट्टी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरूर (पत्र  
सं० 3109/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 16 दिसम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

दरमपुरि जिल्ला, नाचीनामपट्टी गांव सर्वे सं० 3/1 ए,  
4/1 और 4/2 में 8.59 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० 43/दिस०/75-76 :—यतः, मुझे,

जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11/1, 11/2 और 10 है, जो नाचीनामपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरूर (पत्र सं० 3110/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—226जी०आई०/76

(1) श्री बी० सुब्रमणियम

(अन्तरक)

(2) श्री बी० अरुलमोली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दरमपुरि, नाचीनामपट्टी सर्वे सं० 11/1 और 2 और 10 में 7.96 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० सुन्दरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० मुरुगन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 41/दिस०/75-76 :—यतः, मुझे,  
जी० रामानाथन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 5/1 और 2,3/1 सी और 4/2 है,  
जो नाचीयामपट्टी गांव में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हजर (पत्र सं० 3108/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

दरमपुरि, नाचीयामपट्टी गांव सर्वे [सं० 5/1, 5/2,  
3/1 सी और 4/2 में 8.33 एकड़ खेती की भूमि ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-8-1976

मोहर :

जी० रामानाथन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० वेंगटेश

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० बल्लिप्पन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1976

निदेश सं० 2831/75-76 :—यतः, मुझे, एस० राजरतनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 23/91 और 23/91-बी०  
है, ओप्पनकार स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जे० एस० आर०-III कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 4431/  
75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में जिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बतूर, ओप्पनकार स्ट्रीट डोर सं० 23/91 और 23/91-  
बी० (असस्मेण्ट सं० 38105) 3325 स्क्वयर फीट की भूमि  
(मकान के साथ)।

एस० राजरतनम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 17-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1976

निदेश सं० 2831/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरतनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 23/91 ए, ओपनकार स्ट्रीट, कोयम्बतूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-  
III कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 4432/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० विवेकानन्दनम (अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० वल्लियप्पन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, ओपनकार स्ट्रीट, डोर सं० 23/91-ए (असस्मैण्ड  
सं० 38104) में भूमि और मकान ।

एस० राजरतनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 17-8-1976  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) सेयिड हासन बाघा (अन्तरक)

(2) माडर्ण लेदर मैनुफैक्चरर्स (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

भारत सरकार

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13-8-1976

निदेश सं० 5015/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 112/1ए/1 ए है तथा जो मम्मल  
गांव, मल्लावरम, मद्रास (4 एकर की भूमि) में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाकुमेण्ट 2751/75) में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास, मल्लावरम, मम्मल गांव में 4 एकड़ की भूमि जिसका  
एस० सं० 112/1 ए/1 ए।

एस० राजरतनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 17-8-1976

निदेश सं० 5020/75—यतः मुझे, एस० राजरत्नम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269B के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 50, सर नियगराया रोड, है तथा जो टी० नगर,  
मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०  
(मद्रास सौत) (डाकुमेन्ट 1072) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-12-1975  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती बालम जानकिराम, (2) लक्ष्मी (3) कल्याणी;  
(4) के० जे० सीतारामन (5) के० जे० रामसामि  
और (6) दीपक (अन्तरक)  
(2) श्रीमती जी०एस० सरोजिनी और जी० राताकृष्णन  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मद्रास, टी० नगर, सर नियगराया रोड, डोर सं० 50 में 4  
ग्राउन्ड और 753 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० मुरुगेश नायकर, एम० निरुनडकरसु,

एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि

(2) श्रीमती एस० एम० सलिमा बीबी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16-8-1976

निदेश सं० 5021/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13 जी, सं० 5, है तथा जो ग्रीम्स रोड, मद्रास (पहला प्लॉट, उत्तर भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर 'डॉकुमेन्ट सं० 1601/75), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, सं० 5 ग्रीम्स रोड, प्लॉट सं० 13 जी में पहला फ्लोर-उत्तर भाग।

एस० राजरतनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० मुखेस नायकर, एम० निरुनाडकरमु;  
टी० गोविन्दस्वामी और एम० आनन्दन  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16-8-1976

निदेश सं० 5021/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है और जिसकी

सं० प्लॉट सं० 13 जी, पहला फ्लोर है तथा जो (दक्षिण भाग)  
सं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, टी० नगर 'डाकुमेण्ट 1600/75' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिब की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती पी० एम० फातिमा बीबी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6; सं० 5, ग्रीम्स रोड प्लॉट सं० 13 जी में पहला फ्लोर  
(दक्षिण भाग)।

एस० राजरतनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्चन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 16-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

(1) पाण्डि फोम (पि०) लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) कर्मागियल क्रेडिट एजेंसीज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13-8-1976

निर्देश सं० 5027/75-76--यतः मुझे, एस० राजरतनम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 22 है तथा जो ग्रीम्स लेन, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, ऐ० एस० आर० 1 (मद्रास-उत्तर) (डाकुमेन्ट  
8829/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 31-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के  
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

14-226 जी० आई०/7 6

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-6, ग्रीम्स लेन, डोर सं० 22 में 9 ग्राउन्ड और 2102  
स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरतनम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन० एस० —————

(1) श्री सी० रटन चन्द और श्रीमती गुनसुन्दरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री नीहासचन्द नहुटा

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्य बाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 5037/75-76—यतः मुझे एस० राजरतनम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 76/2 और 77, वेलिचेरि गांव सं०  
137 (10 एकड़-53 सेन्ट (मकान के साथ) में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (डाकुमेन्ट सं० 1) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-12-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

वेलिचेरि गांव सं० 137 में 10 एकड़ और 53 सेन्ट की भूमि  
(मकान के साथ) जिसका आर० एस० सं० 76/2 (भाग) और  
77 (भाग)।

एस० राजरतनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० श्रीनिवासन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हैच० ई० अब्दुल अजीज, श्री हैच ए० के० मोहम्मद  
मोहैन, और रच० ई० साले मोहम्मद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 5040/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1/7, 74 अलगप्प चेट्टियार रोड,  
बेपेरि, मद्रास 2 (ग्राउन्ड और 1675 स्क्वेयर फीट) में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाक्कम (डाकुमेन्ट  
1886/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 17-12-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास 84, बेपेरि डाक्टर अलगप्प चेट्टियार रोड, डोर सं०  
74, आर० एस० सं० 1/7 में 2 ग्राउन्ड और 1675 स्क्वेयर  
फीट की भूमि।

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्रीमती नफ़ीसा जहारा बेगम (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० जमाल मोहम्मद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 5055/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है और

जिसकी सं० 1/33 मौण्ट रोड, पुदुपाक्कम, मद्रास में स्थित है  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I (मद्रास-उत्तर)  
(डाकुमेन्ट 8625/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मद्रास, पुदुपाक्कम, मौन्ट रोड, डोर सं० 1/33, में 930  
स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ) जिसका आर० एस०  
311/1।

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 5059/75-76—यतः मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1299 भाग और 1303/2 भाग—ट्रिप्लिकेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II (मद्रास-उत्तर) (डाकुमेंट 8748/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पुष्पवेनि और

(2) कमला के द्वारा

श्री सरवना कन्स्ट्रक्शन्स

अन्तरक

2. (1) मनिलाल वी० शा;

(2) हसुमलि एम० शा;

(3) प्रदीप एम० शा;

(4) हिम्मतलाल वी० शा;

(5) हसुमति हैच० शा;

(6) कमल हैच० शा;

(7) बिपिण्चन्द्रा आर० शा

और

(8) दीपक आर० शा

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोर सं० 136, पीटर्स रोड, मद्रास 34 में 20 आउन्ड और 638 स्क्वेयर फीट की भूमि जिसका आर० एस० सं० 1299 (भाग) और 1303/2 (भाग)।

एस० राजरत्नम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री स्वामी हरिदास (अन्तरक)

(2) श्री बी० कृष्णामूर्ति रेड्डियार (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 5167/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० अबिसमपालयम गांव (12.08 एकड़ की  
भूमि) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I  
मद्रास (डकुमेन्ट सं०; 1156/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-12-1975  
(एफ० एन० 15-3-1975)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अबिसमपालयम गांव में 12.08 एकड़ की भूमि और 7.5  
हैच० पी० मोटार पम्प सेट

एस०	भूमि विस्तार	एस० सं०	भूमि विस्तार
सं०			
582/2	3 10	581/5	1 06
582/3	1 34	581/1	1 38
582/4	0 58	581/6	1 28
582/5	0 60	581/2	0 55
582/6	0 58	568/3	0 01
582/7	0 54	568/6	0 02
581/3	0 71	568/7	0 02
581/4	0 31		

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री रामसामि अय्यर, कृष्ण अय्यर, संगमेश्वर अय्यर,  
वेंकटकृष्ण अय्यर और श्रीमती जी० एम० बाग्यलक्ष्मि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० चिन्नैय गौन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006; दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 3495/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 27 और 28 विट्ठल दास सेट स्ट्रीट,  
तिरुपुर (टी० एस० सं० 234, वार्ड सं० 5, ब्लाक सं० 5) में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० तिरुपुर  
(आकुमेन्ट सं० 1840/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तिरुपुर, न्यू मार्केट स्ट्रीट, डोर सं० 51 और 52 और विट्ठल  
दास सेट स्ट्रीट डोर सं० 27 और 28 में भूमि और मकान—दक्षिण  
भाग (टी० एस० सं० 234, ब्लाक सं० 5—वार्ड सं० 5)

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 3496/75-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० डोर सं० 51 और 52, टी० एस० सं० 234,  
ब्लॉक सं० 5, वार्ड सं० 5, (उत्तर भाग) न्यू मार्केट स्ट्रीट में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० तिरुपुर  
(डाकुमेंट 1839/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-12-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी कृष्ण अय्यर, जी० रामसामि अय्यर, जी०  
संगमेस्वर अय्यर, जी० वेंकटकृष्ण अय्यर और श्रीमती  
जी० एम० बाग्यलक्ष्मि। (अन्तरक)

(2) श्री मारप्प गौण्डर और श्रीमती गोविन्दम्माल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

तिरुपुर, न्यू मार्केट स्ट्रीट, डोर सं० 51 और 52 में भूमि और  
मकान (उत्तर भाग) (टी० एस० सं० 234, ब्लॉक सं० 5—वार्ड  
सं० 5)।

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती एन० बालसरस्वती (अन्तरक)

(2) श्री बी० राममूर्ति अय्यर (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० 3508/75-76--यतः मुझे, एस० राजरतनम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 9, वेंकट नगर, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० पांडिचेरी (डाकुमेन्ट  
2913/65) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 22-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में;  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

पांडिचेरी, वेंकटनगर, डोर सं० 9 में भूमि और मकान ।  
(मकान अपूर्ण है )

एस० राजरतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1976

निदेश सं० 1608—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और  
जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो चोलांग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बचन सिंह सुपुत्र श्री प्रेम सिंह, गांव चोलांग तहसील  
फिल्लौर, जालन्धर। (अन्तरक)
2. सर्व श्री हरभजन सिंह, जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री ऊजागर  
सिंह गांव, रुरका।
3. जैसा कि नं० 2 में है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3711 दिसम्बर,  
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-8-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1976

निदेश सं० 1609--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर  
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री वेद प्रकाश प्रोपराईटर मैसर्स न्यू ग्लोब इंजीनियरिंग  
वर्क्स, एम-6 इन्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ठाकुर इंजीनियरिंग वर्क्स, इन्डस्ट्रियल एरिया,  
ई-80, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि अनुसूची में है  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7581  
दिसम्बर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1976

निदेश सं० 1610/76-77-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो चोलांग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,  
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मराह सिंह सुपुत्र श्री प्रेम सिंह, गांव चोलांग तहसील  
फिल्लौर, जालन्धर । (अन्तरक)

2. सर्वश्री निर्मल सिंह, मोहिन्द्र सिंह, सुरिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री  
ऊजागर सिंह, गांव रूरकी, तहसील फिल्लौर, जालन्धर । (अन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2700 दिसम्बर 1975  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-8-1976

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1976

निदेश नं० 1611/76-77—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लाल देवी पत्नी श्री दौलत राम तथा कृष्ण गोपाल  
मदन गोपाल सुपुत्र श्री दौलत राम, निवासी जमशेर, जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. श्री सुदेश कुमार सुपुत्र श्री दुर्गा दास निवासी फगवाड़ा।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि अनुसूची में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7500 दिसम्बर  
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 9-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 13 अगस्त 1976

निदेश सं० आई०-4/ए०पी०/226/76-77—अतः मुझे श्री जी० ए० जेम्स, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 41, प्लॉट ए-9, सी०टी०एस० नं० 700 है, जो गांव ओशिवरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुर्वेद अस्पताल बिल्डिंग, पांचवीं मंजिल कमरा नं० 524, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002। (अन्तरक)

2. सोना फ्रेन्चिक्स प्रा० लि०, पोडार चेम्बरस, 5वीं मंजिल, 109 शहीद अब्दुल्लाशेलवी रोड, फोर्ट, बम्बई-400001। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई-4/ए० पी० 226/76-77

जमीन प्या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप में 1909 वर्ग गज या तो 1595.92 वर्ग मीटर के बराबर या आस पास है, गांव ओशिवरा, तालुका अंधेरी में मौजूद पड़ा हुआ है और इन्हीं विस्त्रेताओं द्वारा तैयार किए गए नक्शे और बटवारे के सर्वे नं० 41 प्लॉट नं० ए-9, सी०टी०एस० नं० 700 का भाग है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि उत्तर की ओर सी० टी० एस० नं० 699 वाली जायदाद, दक्षिण की ओर कुछ भाग सी० टी० एस० नं० 694 वाली और कुछ सी० टी० एस० नं० 732 वाली जायदाद से पश्चिम की ओर सी० ब्लाक से, और पूर्व की ओर कुछ भाग प्लॉट नं० ए-8 और कुछ 33 फीट चौड़ी रोड से।

उपबन्ध 'क' अन्तरक

श्री शामजी भाई डाह्याभाई वीरा और "बल्लभभाई" डाह्याभाई वीरा० भागीदारी फर्म मै० वीरा इंडस्ट्रियल एस्टेट के भागीदार प्याम नगर, वीरा देसाई रोड अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400058।

जी० ए० जेम्स  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक : 13 अगस्त, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीमती के० ही० एम० पी० आयुर्वेद अस्पताल बिल्डिंग,  
5वीं मंजिल, कमरा नं० 524, नेताजी सुभाष रोड,  
बम्बई-400002।

बम्बई-400002, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई०-4/ए०पी०-227/76-77-यतः मुझे  
जी० ए० जेम्स, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 35, एस० नं० 82 म्यूनिसिपल  
के० वार्ड नं० 7126, स्ट्रीट नं० 56 है, जो गांव गर्सवा में  
स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
25-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एराक फामरोज मेहता,  
'कामनवैल्थ हाउस, 4था तल  
मेडम कामा रोड, बम्बई-400020।
2. श्रीमती विल्लू कैकोबाद कावरना  
मार्फत मै० एच० पारसन प्रा० लि०  
एशियन बिल्डिंग, निकोल रोड,  
बेलाई एस्टेट, बम्बई-400001।

(अन्तरक)

2. श्री साम जमशेदजी बजीफदार सी० ओ०, एम०/एस०  
कंगा और क०, रेडीमनी में मैसन, 43 बीर नरीमन रोड, बम्बई-  
400023।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आई 4/ए पी० 227/76-77

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी  
बाड़ियों, किराए के मकानों, निवास घरों, ढाँचों और भू-तल्ला व  
पहले तल्ला वाले एक बंगला सिंहित, जो बरसोवा गांव तालुका अंधेरी  
में मौजूद, माप से 1754.21 वर्ग मीटर या आस पास व 2098  
वर्ग गज के बराबर या आस पास है, जिसका प्लॉट सं० 35, सर्वे नं०  
82 नगरपालिका के वार्ड नं० 7126, स्ट्रीट नं० 56 जयप्रकाश  
रोड है, और इस प्रकार चिरा हुआ है कि दक्षिण की ओर डा० ए०  
पाटणी की जायदाद उत्तर की ओर फीरोजशाह एन० मेहता की  
जायदाद, पश्चिम की ओर समुद्री किनारा है पूर्व की ओर पहले के  
बरसोवा अंधेरी रोड और जयप्रकाश नाम के रोड से।

जी० ए० जेम्स  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई 400002

तारीख: 13-8-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-400002।

बम्बई-400002, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० अ०ई०-1/1443-1/दिस० 75—यतः मुझे, बी०  
आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 377 का मांडवी डिवीजन है, जो  
सामुल स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
3-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम०/एस० चुन्नीलाल नीलजी पटेल एंड कं०  
(अन्तरक)

2. श्री एम०/एस० महावीर चैम्बर्स प्रीमिसेस को० सोसायटी  
लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आई-1/1443-1/दिसम्बर 1975

बिना फोर्ट के बम्बई में रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई में बाड़-  
गाड़ी में स्थित है एवं अवस्थित मुक्त एवं प्राउन्डरेंट वाली जमीन  
अथवा मैदान का तमाम भाग अथवा खंड और उस पर बनी हवेली,  
मकान या निवास घर समेत जो पैमाइश में 375 वर्गगज (अर्थात्  
313.50 वर्ग मीटर के बराबर) के लगभग है और भू-राजस्व के  
संग्रहक की पुस्तक में नया सर्वेक्षण सं० 2549 तथा मांडवी डिवीजन  
का कैंडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 377 के अधीन रजिस्टर्ड है और उसकी  
सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर  
स्वीपर्स गली है और उसके बाद घरजवांस रणछोड़दास बसनजी के  
संपत्ति है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर अंशतः एक संपत्ति है जो  
पहले पहले ठाकरसी मथुरा की थी, और अंशतः कानकी लखजी की  
संपत्ति है लेकिन अब अंशतः रावल धनजी शामजी की संपत्ति है  
और अंशतः मोहन जी बालजी की संपत्ति है, पश्चिम में या पश्चिम  
की ओर वाडगाड़ी रोड है, या सैमुअल स्ट्रीट है और इसका निर्धारण  
म्युनिसिपल रैंड्स एवं टैक्सों कलेक्टर ने पहले 'बी' वार्ड सं० 1514  
एवं स्ट्रीट सं० 34 से 40 तथा 59 से 63 के अधीन और अब 'बी'  
वार्ड से 1514 एवं स्ट्रीट सं० 34 से 58 ए और 333 से 337 के  
अधीन किया है।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई 400002

तारीख : 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० ए स०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1976

निर्देश सं० आई० 1/1453-10/दिसम्बर 75—यतः मुझे  
वी० आर० अमीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 783 बरली का डिवाजन है जो  
पोचखानवाला के पूर्व में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 9-12-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शेहरा फ़ामरोसे नन्दाबाई अग्देशेर मूम

(अन्तरक)

2. पूनमचन्द और ब्रवर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

16—226GI/76

3. 1. श्री एन० आर० कमानी, 2. डी० पी० कमानी, 3.  
श्रीमती एस० एफ० मूसे और 4. श्री टी० एम० कदम बंदे।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अइ-1/1453-10/दिसम्बर, 75।

बम्बई महानगर निगम की बरली एस्टेट की म्युनिसिपल स्थाई  
पट्टेदारी की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या मा "फैरोटिन"  
नामक इमारत, एक बाहरी इमारत, एक पंप रूम और एक स्टोरेज  
टैंक सहित, जिसका प्लॉट नं० 62 है, क्षेत्रफल 1404-64 वर्ग मीटर  
जो 1680 वर्गगज के लगभग या उसके आस पास (अलावापट्टी  
के क्षेत्रफल को मिला कर) जो, बम्बई नगर, टापू और रजिस्ट्रेशन  
उप-जिले में पोचखान वाला रोड के पूर्व की ओर मौजूद है और  
भू-राजस्व कलक्टर के रिकार्ड में नये सर्वे नं० 3273 (अंश) और  
बरली डिवाजन के केडेस्ट्रल सर्वे नं० 783 के अधीन दर्ज है और  
म्युनिसिपल दरों व करों के लिए "जी" वर्ग के 363 (1) व 363  
(1 क क) व स्ट्रीट नं० 31, बरली रोड नं० 4 और 265 क क क,  
बरली रोड आदि नम्बरों के अधीन निर्धारित होता है तथा इस  
प्रकार घिरा हुआ है :—यानी कि उत्तर पूर्व और दक्षिण पूर्व की ओर  
बम्बई महानगर निगम की जमीन जो बगीचे के लिए रखी गई है,  
दक्षिण पश्चिम की तरफ आंशिक रूप से उक्त बम्बई महानगर  
निगम की बरली इस्टेट के प्लॉट नं० 62 क से और आंशिक रूप से  
प्लॉट नं० 61 क से, और उत्तर-पश्चिम में आंशिक रूप में प्लॉट नं०  
61 क से और आंशिक रूप में 50 फीट चौड़ी सर पोचखानवाला  
रोड से।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक 13-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० अ०ई०-1/1458/दिसम्बर, 75—यतः मुझे,  
बी० आर० अमीन

धायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 461, न्यू एस० नं० 3386, सी० एस० नं० 401 का ताड़देव डिवीजन है, जो ताड़देव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति हमाबाई जहांगीर जीजीभाई 2. रुस्तम जहांगीर जीजीभाई और 3. कवास जे० जीजीभाई । (अन्तरक)

2. श्री विमनलाल पी० चोक्सी और श्री चंदूलाल एस० शाह । (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

अ०ई० 1/1458-15 दिसम्बर 75 ।

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर कांच हाउस (रसखान) अस्तबलों, बाह्य गृह (आउट हाउसिंग) और अन्य किराए के आवासों (टेनामेंट्स) सहित, जो बम्बई के टापू में बीच केंडी पर एवं बम्बई रजिस्ट्रेशन उप-जिले में बीच केंडी रोड के पूर्व में मौजूद है, (यह रोड ताड़देव रोड के नाम से भी जानी जाती है) जिसमें भाप से 3461 वर्गगज जगह है, जो कमों बेस 2994 वर्ग मीटर के बराबर होती है, बम्बई के कलक्टर के रिकार्ड में कलक्टर के पुराने नं० 61 व 62 कलक्टर के नये नं० 13561; पुराने सर्वेक्षण नं० 461, 462 और नये सर्वेक्षण नं० 401 के अधीन और बम्बई नगरपालिका के रिकार्ड में डी वार्ड के नं० 3823 (1-5) और स्ट्रीट नं० 75, 75 बी, 75 सी, 75 ई, 75 एफ और 75 एच के अंतर्गत दर्ज है वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में तपोदास बृजदास की जायदाद है, दक्षिण में काबसजी और बहरामजी शापुरजी की जायदाद है, पूर्व में सरकारी आवास है और पश्चिम में उक्त ताड़देव रोड है ।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 12 अगस्त, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर०/62/76-77—अतः मुझे

वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तुंग पाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लाजपत राय और किशन चंद पुत्र श्री खुशी राम, जात खतरी वासी कतरा बाग सिंह, कुरुवा चंद्र भान, अमृतसर, (अन्तरक)

2. लाला पन्ना लाल खन्ना एण्ड सन्ज, (एच० यू० एफ०) बताला रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन गांव तुंग पाई, बताला रोड, अमृतसर (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी अमृतसर (तसील) में लिखा है।

वी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12 अगस्त 1976  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th June 1976

No. P-177G/Admn.II.—Shri K. S. Nayak, formerly Lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta who was earlier appointed as Programmer in the office of the Union Public Service Commission with effect from 2-3-1976 to 1-5-1976 vide this office notification of even number dated 27-3-1976, has been allowed to continue in the said post upto and including 28-2-1977 or until further orders, whichever is earlier.

B. S. JOLLY  
Under Secretary  
for Chairman

## CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS  
ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 17th July 1976

No. A-11/26/76.—Shri D. L. Vaid, Assistant Enforcement Officer is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Hqrs. Office of this Directorate, with effect from 2-7-76 (AN) and until further orders.

J. N. ARORA  
Deputy Director (Admn)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110001, the 3rd August 1976

No. O. II-9/74-Estt.—Consequent on his appointment on deputation as DIG in the Central Industrial Security Force, Shri I. M. Mahajan, an IPS Officer of M.T. Cadre, relinquished the charge of the post of DIG (Hqrs.) CRPF Calcutta on the afternoon of 28-5-76.

No. D. 13/74-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri P. Tyagi, ACIO-I of Intelligence Bureau (MHA), as Dy. SP (Coy. Comdr/QM) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Dy. SP (Coy. Comdr Q.M) in the Dte. General, CRPF on the forenoon of 21-7-76.

No. O. II-47/76-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. S. P. Malik (Reid) as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Lt. Col. Malik took over charge of the post of Commandant 3 Signal Bn CRPF Rampur on the forenoon of 15-7-76.

The 6th August 1976

No. P-VII-1/76-Estt.—The President is pleased to appoint on ad-hoc basis the following Asstt. Commandants as Commandant in the C.R.P.F. in a temporary capacity until further orders :—

Their postings and the date of handing/taking over charge are indicated against each :—

Sl. No.	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Shri Narinder Pal	S. O. to IGP S/III CRPF New Delhi.	17-5-76 (AN)	Commandant 24 En. CRPF	26-5-76 (AN)
2.	Shri K. D. Maini	Asstt. Comdt. G.C., CRPF Nagpur.	1-5-76 (AN)	Commandant G. C CRPF Bhambanswar,	25-5-76 (AN)

The 9th August 1976

No. O-II-570/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri G. S. Thapa, relinquished charge of the post of Dy. S. P. 39th Bn., CRPF on the afternoon of 14th June, 1976.

No. O-II-1314/76-Estt.—Consequent on his reversion to the post of Subedar (Inspector), Shri P. S. Negi, has handed over charge of the post of Dy. S. P., 44th Bn., on the afternoon of 17th July, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th July 1976

No. E-26013/1/76-GA.II.—The post of Deputy Inspector General/Headquarters, Central Industrial Security Force, New Delhi, held by Shri Tushar Dutt, IPS (UP-1953), has been re-designated as Deputy Inspector General (Administration & Personnel) Central Industrial Security Force in the Office of Inspector General, Central Industrial Security Force, New Delhi, with effect from the Forenoon of 6th July 1976.

The 27th July 1976

No. E-16013(2)/6/76-Pers.—On transfer on deputation from Madhya Pradesh State Police, Shri V. K. Douskar, IPS (MP-1965), assumed the charge of the post of Commandant, CISE Unit Bokaro Steel Limited, Bokaro with effect from the forenoon of 1st July 1976.

No. E-26013/1/76-Ad.I.—Shri IM Mahajan IPS (Manipal & Tripura-1953) Deputy Inspector General Central Industrial Security Force, Southern Zone, New Delhi, assumed the charge of the post of Deputy Inspector General (Intelligence & Training), Central Industrial Security Force, in the office of Inspector General, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the Afternoon of 12-7-76 and will continue to look after the work of Deputy Inspector General Central Industrial Security Force, Southern Zone in addition to his own duties until further order.

The 29th July 1976

No. E-16016/3/76-Pers.—Shri P. L. Handa, a Stenographer Gde II of the Office of IG/CISF, New Delhi is appointed to officiate as Section Officer (ex-cadre post) in the same office wef the forenoon of 9th July 1976 until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

L. S. BISHT  
Inspector General

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 28th August 1976

No. T(2)/A.II.—Shri T. K. Tolani, Assistant Manager (Admn.), Government of India Press, Nasik, on attaining the age of superannuation retired from Government service on the afternoon of 31st July 1976.

S. M. JAMBHOLKAR  
Director of Printing

## COMMISSIONER FOR LINGUISTIC MINORITIES IN INDIA

Allahabad-211002, the 3rd August 1976

No. 1/16/75-2674.—On attaining the age of superannuation, Shri V. P. M. Pillai, Private Secretary to the Commissioner for Linguistic Minorities, Allahabad, retired from Government Service with effect from 31st July 1976 (AN).

D. N. BAIJAI  
Assistant Commissioner

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Ranchi-834002, the 5th August 1976

No. OE 1-Audo-2263.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Parmeshwar Prasad Sinha, a sub-



stantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 14-7-76 (F.N.).

B. P. SINHA  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Bihar.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR  
SOUTH CENTRAL RAILWAY  
Secunderabad, the 4th August 1976

No. Au/Admn./II/5/839.—The Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad has appointed Shri B. C. Shirkanhalli, Officiating Member of the Subordinate Railway Audit Service to officiate as Audit Officer, South Central Railway, with effect from 27-5-1976 Fore-noon until further orders.

D. N. PRASAD  
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE  
ACCOUNTS  
New Delhi-110 022, the 31st July 1976

No. 68012-A(3)/76-AN-II—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers/Assistant Controllers of Defence Accounts (Temporary) to officiate in the junior time scale of the Regular Cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against them, until further orders.

Sl. No.	Name	Grade	Date from which promoted
S/Shri			
1. K. G. Menon		Pt. AO	14-6-76 (FN)
2. S. S. Raghavan		Pt. AO/ACDA	14-6-76 (FN)
3. D. P. Ghosh		Pt. AO	14-6-76 (FN)
4. K. Natarajan		Pt. AO	14-6-76 (FN)
5. T. M. Kalayanaraman		Pt. AO	15-7-76 (FN)
6. P. L. Ahuja		Pt. AO	14-6-76 (FN)
7. K. Rajagopalan		Pt. AO	14-6-76 (FN)
8. Krishan Lal Bhatia		Pt. AO	14-6-76 (FN)
9. V. S. Sampathkumaran		Pt. AO	15-6-76 (FN)
10. D. Raghava Rao		Pt. AO	15-6-76 (FN)
11. D. R. Vohara		Pt. AO	14-6-76 (FN)

S. K. SUNDARAM,  
Additional Controller General of Defence  
Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 28th July 1976

No. 54/76/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Addl. D.G.O.F. with effect from the date shown against them, until further orders :—

(1) Shri K. L. Bajaj, DDGOF/Level.I

16th June, 1976

(2) Shri C. Madhavan, DDGOF/Level.I

30th June, 1976

No. 55/G/76.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. General Manager, Gr. I/ADGOF, Gr. I with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri C. N. Chandrasekharan, Pt. ADGOF, Gr. II—1st April, 1976.
- (2) Shri S. M. R. Singh, Pt. G. M., Gr. II—1st April, 1976.
- (3) Shri N. S. Raghavan, Pt. ADGOF, Gr. II—1st April, 1976.

No. 56/G/76.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. General Manager, Gr. II/ADGOF, Gr. II/Dy. General Manager with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri S. Manavalan, Pt. Manager—12th Feb., 1976.
- (2) Shri V. K. Mehta, Pt. Manager—1st Apr., 1976.
- (3) Shri M. Narayanaswamy, Pt. Manager—1st Apr., 1976.
- (4) Shri A. K. Neogi, Pt. Sr. DADGOF—1st Apr., 1976.
- (5) Shri T. M. Swaminathan, Pt. Sr. DADGOF—1st Apr., 1976.
- (6) Shri M. L. Dutta, Pt. Manager—1st Apr., 1976.
- (7) Shri K. K. Malik, Pt. Manager—1st Apr., 1976.

No. 57/G/76.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF/Asstt. Director with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri B. B. Chatterjee, Pt. DADGOF—12th Feb., 1976.
- (2) Shri Jit Singh, Pt. Dy. Manager—12th Feb., 1976.
- (3) Shri R. Singh, Pt. Dy. Manager—12th Feb., 1976.
- (4) Shri S. K. Dalal, Pt. Dy. Manager—12th Feb., 1976.
- (5) Shri H. P. S. Ahluwalia, Pt. S.O., Gr. I—12th Feb., 1976.
- (6) Shri D. K. De Sarkar, Pt. Dy. Manager—12th Feb., 1976.
- (7) Shri D. K. Sarkar, Pt. Dy. Manager—12th Feb., 1976.
- (8) Shri M. M. Menon, Pt. Dy. Manager—12th Feb., 1976.
- (9) Shri R. Padmanabhan, Pt. Dy. Manager—1st Apr., 1976.
- (10) Shri K. P. Singh, Pt. Dy. Manager—1st Apr. 1976.
- (11) Shri A. K. Rastogi, Pt. Dy. Manager—1st Apr., 1976.
- (12) Shri R. K. Agarwala, Pt. DADGOF—1st Apr., 1976.
- (13) Shri D. K. Dasgupta, Pt. Dy. Manager—1st Apr., 1976.
- (14) Shri S. Banerjee, Pt. Dy. Manager—1st Apr., 1976.
- (15) Shri J. P. Dasgupta, Pt. DADGOF—1st Apr., 1976.
- (16) Shri R. N. Bose, Pt. Dy. Manager—1st Apr., 1976.

No. 58/G/76.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Asstt. Manager/TSO with effect from the date shown against each, until further orders :—

- (1) Shri H. P. SAHA, Pt. Foreman—12th Feb., 1976.
- (2) Shri P. K. GUPTA, Pt. Staff Assistant—12th Feb., 1976.
- (3) Shri H. N. RAY, Pt. Foreman—12th Feb., 1976.
- (4) Shri R. N. UPADYA, Pt. Staff Assistant—12th Feb., 1976.
- (5) Shri S. K. PAL, Offg. Foreman—12th Feb., 1976.
- (6) Shri G. D. CHEKER, Pt. Store-holder—12th Feb., 1976.

The 30th July 1976

No. 59/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri N. L. Mitra, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30-4-76(A/N).

The 2nd August 1976

No. 60/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri H. P. Chowdhury, Offg. Officer Supervisor (subst. & Permt. A.S.O.) retired from service with effect 30th Nov., 1975 (A/N).

M. P. R. PILLAI, Asstt. Director General,  
Ordnance Factories

## MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 4th August 1976  
IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1140/76-Admn.(G)/5102.—The President is pleased to appoint Shri D. D. Sharma, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the CSS working in the Ministry of Industry & Civil Supply (Department of Industrial Development) as Senior Administrative Analyst in this office with effect from the forenoon of the 1st July 1976.

The 5th August 1976

No. 6/1145/76-Admn.(G)/5135.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Sharma, I.A.S., formerly Commissioner & Secretary, Agriculture Production, Himachal Pradesh Government, Simla as Additional Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from the forenoon of 15th July 1976, until further orders.

A. S. GILL, Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 9th August 1976

No. A-19108/252/76-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri M. R. Nambiar, Small Industry Promotion Officer (Quasi-permanent Investigator) in the Small Industries Service Institute, Trichur to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Branch Small Industries Service Institute, Ranchi, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Forenoon of 17-6-1976 at Branch Small Industries Service Institute, Ranchi.

No. A.19018/251/76-Admn.(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri P. A. Gopinathan Small Industry Promotion Officer (quasi-permanent Investigator) in the Small Industries Service Institute, Trichur to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Branch Small Industries Service Institute, Allahabad, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Forenoon of 18-6-76 at Branch Small Industries Service Institute, Allahabad.

V. VENKATRAYULU,  
Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

New Delhi-1, the 4th August 1976

No. A-1/1(999).—The President is pleased to accept the resignation of Shri Lachhman Singh, Assistant Director (Litigation) (Grade I) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 26th July, 1976. Accordingly, Shri Lachhman Singh ceased to be on the rolls of this Dte. General with effect from the afternoon of 26-7-76.

K. L. KOHLI,  
Deputy Director (Administration)

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

## (DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 23rd July 1976

No. A-32014/75-77/Admn(CDN)/258-59.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Rehabilitation & Ministry of Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri J. L. Kapoor, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisation to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply, Madras with effect from the afternoon of 30-6-76 until further orders.

His promotion is without prejudice to the rights & Claims of his seniors in the panel.

His promotion is subject to the conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officers Organisation (Pay & Accounts Officer) Recruitment Rules, 1974.

JAI LAL,  
Dy. Controller of Accounts.

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

## (DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 2nd August 1976

No. 2339(SKM)/19B.—Shri Sushil Kumar Mishra, M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th July, 1976, until further orders.

The 4th August 1976

No. 2222(SBR)/19A.—Shri Sivaji Basu Roy is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th June 1976, until further orders.

The 5th August 1976

No. 2222(AKG)/19A.—Shri Ashok Kumar Grover is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8th July, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN,  
Director General.

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd August 1976

No. A.19011(65)/75Estt.A.—On his deputation to the Rajasthan State Mines & Minerals Limited, as Senior Mineral Engineer, Shri P. V. Babu, Permanent Asstt. Ore Dressing Officer and officiating as Deputy Ore Dressing Officer has relinquished the Charge of the post of Deputy Ore Dressing Officer with effect from the afternoon of 26th July, 1976.

A. K. RAGHAVACHARY,  
Sr. Administrative Officer,  
for Controller

## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 6th August 1976

No. F.11-17/75-A.I.—Shri W. N. Jhingan, Asstt. Archivist Gr. I (Oriental Records) is appointed to officiate as Archivist (Oriental Records) (Class II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis

with effect from the forenoon of 20th July 1976 and until further orders (vice Dr. Sarwat Ali, Archivist (O.R.) on leave). This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

The 7th August 1976

No. F.11-2-3(a)/75-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri B. D. Saxena, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 2-8-1976 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE.  
Director of Archives.

#### DIRECTORATE GENERAL

##### ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th August 1976

No. 4(60)/75-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Karuna Srivastava as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 30th June, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General.

New Delhi, the 3rd August 1976

No. 3/73/60-SII.—Director General, All India Radio, appoints Shri R. C. Mittra, Accountant, All India Radio, Sambalpur to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Kurseong with effect from 21st June 1976 (F.N.).

P. S. HERLE,  
Section Officer,  
for Director General.

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

##### FILMS DIVISION

Bombay-26, the 2nd August 1976

No. 6/88/54-Est.I(i).—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri J. N. Desai, Permanent Cameraman, Films Division, Bombay, to officiate as Chief Cameraman in the same office from 22nd July 1976 (FN) vice Shri M. M. Vaidya, Permanent Chief Cameraman granted leave.

M. K. JAIN,  
Administrative Officer,  
for Chief Producer.

New Delhi-1, the 6th August 1976

No. 3/15/70-DFW(Admn.).—Shri K. S. Sahni, offg Technical Assistant in the Films Division, New Delhi was appointed to officiate as Stores Officer, Films Division, New Delhi from the forenoon of 17th May, 1976 to 30th June, 1976 vice Shri D. N. Pande granted leave.

K. K. KAPIL  
Joint Chief Producer  
for Chief Producer.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th August 1976

No. 38-8/75-CHS.I.—Consequent upon his transfer from National Tuberculosis Institute, Bangalore, Dr. G. C. Banerjee, an officer of G.D.O. II of the C.H.S. assumed charge of the

post of Medical Officer, Seaman's Medical Examination Organisation in the Port Health Organisation, Calcutta on the forenoon of the 25th June, 1976.

P. L. JOSHI,  
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 4th August 1976

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Madan Lal Sharma to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Bangalore on temporary basis with effect from the forenoon of 3rd July, 1976.

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. K. Sharma to the post of Ayurvedic Physician in Central Government Health Scheme at Bombay on temporary basis with effect from the afternoon of 9th July, 1976.

Dr. (Mrs) A. M. Joshi, Ayurvedic Physician on *ad hoc* basis was relieved of her post under C.G.H.S., Bombay w.e.f. the afternoon of 9th July, 1976.

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. A. K. Dey to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme at Bangalore on temporary basis with effect from the forenoon of 19th July, 1976.

R. K. JINDAL  
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 6th August 1976

No. A-32014/1/76(RAK)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri H. S. Verma, Office Superintendent, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi to the post of Administrative Officer at the same college, with effect from 31st May, 1976 to the 15th July, 1976 vice Shri Hot Chand, on leave.

The 7th August 1976

No. 1-5/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Baldev Raj to the post of Assistant Professor (Health Education) in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 7th July, 1976, in a temporary capacity, and until further orders.

No. A-12025/4/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. C. Kumar to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 11th June, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

##### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

##### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 6th August 1976

No. F. 3(13)51/72-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notifications No. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954, and No. 5 dated the 14th January, 1961, I hereby authorise Shri O. P. Bansal, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Wool, Bristles and Goat Hair which have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking Rules, 1975, Bristles Grading and Marking (Amendment) Rules, 1973, and Goat

Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962, respectively and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

The 7th August 1976

No. F. 5/11/69-DII(PT.I).—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification (Customs) No. GSR-1133, dated 7th August 1965, No. GSR-1134, dated 7th August 1965, No. GSR-448, dated 14th March, 1964 published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri R. K. Vyaghra, Assistant Marketing Officer, from the date of issue of this notification to issue Certificate of Grading in respect of Onion, Garlics & Pulses which have been graded in accordance with the provisions of Onion, Garlics & Pulses Grading and Marking Rules as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

RAMADHAR  
Agricultural Marketing Adviser

#### DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 6th August 1976

No. 3-41/76-Fstt.(Spl.).—Shri G. Subha Rao, Assistant Engineer on his reversion to C.P.W.D., relinquished charge of the post on the afternoon of 12th July 1976 in the Delhi Milk Scheme.

GORAKH RAM  
Chairman

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

##### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 7th August 1976

No. 05000/G-71/4954.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri R. Ganesan a permanent Personal Assistant and officiating Liaison Assistant in Common Services Cell of Department of Atomic Energy at Madras, to officiate as Public Relations Officer in Heavy Water Project (Tutocorin), in a temporary capacity, with effect from July 8, 1976 (FN), until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY  
Senior Administrative Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401504, the 24th July 1976

No. TAPS/ADM/735-A.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. Balakrishnan, a temporary Stenographer (Senior) of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 10, 1976 and until further orders.

K. V. SETHUMADHAVAN  
Chief Administrative Officer

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 28th July 1976

No. MAPP/9(1)/76-Rectt.—Shri E. S. Narasimhan, a temporary Selection Grade Clerk is appointed as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity, with effect from the forenoon of July 13, 1976 with headquarters at Kalpakkam until further orders.

K. BALAKRISHNAN  
Administrative Officer  
for Director, PPED.

#### CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam 603 102, the 3rd August 1976

No. CEG/1(6)/76-Adm.—Chief Engineer (Civil), Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam appoints Shri V. N. Gopalakurup, Supervisor as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the Civil Engineering Group, Kalpakkam in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1976 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN  
Administrative & Accounts Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 29th July 1976

No. AMD-2/2623/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri T. S. Narayanan, an Industrial Permanent Stenographer (Sr.) and offg. Selection Grade Stenographer of Nuclear Fuel Complex as Assistant Personnel Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd July, 1976 until further orders.

S. RANGANATHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer.

#### DEPARTMENT OF SPACE

##### (CIVIL ENGINEERING DIVISION)

Bangalore-560025, the 30th July 1976

No. 10/5(28)/76-CED(H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space Bangalore is pleased to appoint the undermentioned officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Division in an officiating capacity with effect from the date indicated against each until further orders.

Sl. No.	Name	Post held at present	Date of appointment as Engineer SB
1	2	3	4
<i>Sriyuths</i>			
1.	R. Anantha Ramu	Sr. Arch. Asstt. (D'man 'E')	1-7-76
2.	R. Ashok	Foreman	1-7-76
3.	V. Chandrabalan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
4.	S. P. Channabasappa	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
5.	R. Govindan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
6.	Govind Kumar Bhatt	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
7.	S. Karunakaran Nair	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
8.	T.V. Kurian	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
9.	R. Padmanabhan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
10.	T.C. Prasad	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
11.	Ch. V. Raghava Rao	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
12.	P. Sankaran	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
13.	M. Sathyaseelan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-7-76
14.	R.S. Sethuraman	Foreman	1-7-76
15.	M.B. Sonawane	Sr.-Arch.-Asst. (D' man 'E')	1-7-76
16.	S. Sowmyanarayanan	Supervisor (Tech.-Asst. C)	1-7-76
17.	K. Thulasimani	Foreman	1-7-76

No. 10/5(28)/76-CED(H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned officers in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880EB-40-960 in the same Division in an officiating capacity with effect from the date indicated against each until further orders.

Sl. No.	Name	Post held at Present	Date of appointment as Engineer SB
1	2	3	4
<i>Sriyuths</i>			
1.	M. O. Anto	Foreman	1-1-76
2.	N. P. Chausalkar	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
3.	C. Nagi Reddy	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
4.	B.L. Natraja	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
5.	L.N. Nevagi	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
6.	M. Nirmal Das	Foreman	1-1-76
7.	V. K. Ratna Prasad	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
8.	Ravi J. Verghis	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
9.	P. I. Ravindran	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
10.	S.M. Sangwikar	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
11.	Aravind S. Badami	Sr. Arch. Asst. (D'man 'E')	1-1-76
12.	M. P. Krishna	Sr. Arch. Asst. (D'man 'E')	1-1-76
13.	S.K. Sathyanarayana	Sr. Arch. Asst. (D'man 'E')	1-1-76
14.	R. Chandran	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
15.	C. George	Foreman	1-1-76
16.	Gopal Krishna Bhatt	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
17.	P. R. Gopinathan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
18.	U. Jayarajan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
19.	G.N. Krishna Kumar	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
20.	M.V. Krishnamoorthy	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
21.	K. T. Kuriakose	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
22.	H. D. Patil	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
23.	Y. Radhakrishnan	Foreman	1-1-76
24.	K. Visvanathan	Supervisor (Tech. Asst. C)	1-1-76
25.	Mohammed Asgher	Sr. Arch. Asst. (D'man 'E')	5-1-76

P. I. U. NAMBIAR,  
Administrative Officer II  
for Chief Engineer

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

#### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 5th August 1976

No. E(1)/05438.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Madan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 17th May 1976 to 13th August 1976.

17—226G1/76

Shri Madan, officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

M. R. N. MANIAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories.

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th August 1976

No. A-32013/11/75-EC.—The President is pleased to appoint S/Shri A. P. S. Khanna and S. K. Saraswati, Technical Officers both attached to the Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from the 11th June 1976 (FN) upto the 31st December, 1976 or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier and to post both of them to the same station.

No. A-32013/11/75-EC.—In continuation of this office Notification No. A-32013/11/75-EC, dated the 24th Feb., 1976, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following two Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department for a further period from 1st May 1976 to 31st December 1976 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :—

#### S. No. & Name and Designation and Station of posting

1. Shri V. K. Babu, Senior Tech. Officer  
O/O the Regional Director Madras Region, Madras Airport, Madras-27.
2. Shri D. C. Mehta, Sr. Tech. Officer  
Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

H. L. KOHLI  
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 2nd August 1976

No. A-31013/3/75-EA.—The President has been pleased to appoint Shri H. N. Pandey in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department with effect from the 1st May, 1974.

V. V. JOHRI  
Assistant Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th August 1976

No. 1/361/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. R. Kamble, offg. Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer in an Officiating Capacity in the same Branch, for the period from 5th May 1976 to 1st July 1976 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY  
Administrative Officer,  
for Director General

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 13th July 1976

No. 48/1976.—Shri Paras Ram Kohli, Confirmed Inspector (S. G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur and appointed to officiate as Superintendent Central Excise Group B, until further order, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this office Estt. order No. 112/1976 dated 27th April 1976 issued under endt. C. No. II(3) 126-Et/76/19207 dated 27th April 1976, assumed charge as

Superintendent Central Excise Group B at Bijnor in the Central Excise Integrated Divisional Office Moradabad on 30th April 1976 (forenoon).

H. B. DASS  
Collector,  
Central Excise : Allahabad

Patna, the 2nd August 1976

C. No. II(7)5-ET/75/7064.—In pursuance of Government of India, Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 87/76 dated 10th June 1976 issued their letter F. No. A-22012/19/76-Ad.II dated 10th June 1976 and this office Estt. order No. 180/76 dated 16th June 1976 issued under endt. C. No. II(3)66-ET/76/52006-78 dated 17th June 1976 Sri D. N. Mitra, Assistant Collector, Central Excise assumed charge as Assistant Collector (Valu) Central Excise, Hqrs., office Patna in the forenoon of 28th June 1976.

C. No. II(7)5-ET/75/7065.—In pursuance of Government of India, Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 87/76 dated 10th June 1976 issued their letter E. No. A-22012/19/76-Ad.II dated 10th June 1976 appointing Sri Basdev Ho, Superintendent Group 'A' Central Excise Kanpur Collectorate to officiate as Assistant Collector (Tr. scale) /Superintendent of Central Excise/Customs Group 'A' assumed charge as Assistant Collector (L/R) Central Excise Hqrs. Office, Patna in the forenoon of 14th July 1976 as per this office Estt. order No. 180/76 dated 16th June 1976 issued under endt. C. No. II(3)66-ET/76/52006/78 dated 17th June 1976.

H. N. SAHU  
Collector  
Central Excise : Patna.

CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS,  
OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER  
OF INDIA

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 2nd August 1976

S. No. 49.—In supersession of this Department Notification No. 16 dated 5th August 1974 Shri M. D. Tiwari, Factory Engineer, Govt. Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 590/- in the old scale of Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800 with effect from 9th August 1970.

S. No. 50.—Late Shri A. N. Verma, District Opium Officer, Neemuch I Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th March 1973.

A. SHANKER  
Narcotics Commissioner of India.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 29th July 1976

No. A-19012/621/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Jhamman Singh, Supervisor as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 19th July, 1976, until further orders.

Shri Jhamman Singh assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH,  
Under Secy.  
for Chairman, C. W. Commission.

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 3rd August 1976

No. PB/CG/9/Misc.II.—Sri P. R. NARAYANAN, Officiating Assistant Works Manager (M/Fur.) Class II has been promoted to officiate as Senior Mechanical Engineer/DPD (SS) on *ad hoc* basis *vice* Shri P. GOVINDAN, with effect from 1st June 1976.

Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Senior Accounts Officer/Fur. (S.S.), has been reverted to Class II service and posted as Officiating Assistant Accounts Officer/CAS (Class II) from 12th June 1976.

Sri L. G. SRINIVASAN, Officiating Assistant Accounts Officer/CAS, Class II on *ad hoc* basis has been reverted to Class III Service from 12th June 1976.

Sri MD. KHAJA MOHIDEEN, Chief Design Assistant/Coach Design Section (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Mechanical Engineer/Dev. & MP (Class II) on *ad hoc* basis with effect from 28th June 1976 against the post of Senior Mechanical Engineer/Dev. & MP (S.S.).

S. SUBRAMANIAN  
Deputy Chief Personnel Officer,  
for General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Giridhar Coffee India Private Limited*

Hyderabad-500001, the 2nd August 1976

No. 1244/T.(560)(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Giridhar Coffee India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
The Film Craftsmen Private Limited*

Hyderabad, the 5th August 1976

No. 938/T.(560)(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Film Craftsmen Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
The Jute Carriers Private Limited*

Calcutta, the 5th August 1976

No. 8787/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jute Carriers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal

*In the matter of Indian Companies Act, 1913 and of  
M/s. "The Lalitha Bank Limited" (in Liqn.)*

Madras-6, the 6th August 1976

No. 1378/Liqn./S.247(5)/76.—Notice is hereby given pursuant of sub-section (5) of Section 247 of the Indian Companies Act 1913 that the name of Messrs "The Lalitha Bank Limited (in Liquidation)" has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

ANNAPURNA  
Addl. Registrar of Companies.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF  
INCOME-TAX, DELHI-I/NEW DELHI

New Delhi, the 26th June 1976

ORDER NO. 39/GO, 1976-77

No. Est.I/Promotions/ITOs(II)/76/77/9277.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax officers, Class-II, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, wef the date they take over as such till further orders :—

- (1) Sri O. P. Mukhija
- (2) Sri N. B. Srivastava,
- (3) Sri Avtar Singh.

2. These promotions are being made against the vacancies caused by :—

- (i) Officer missing without intimation;
- (ii) Officers under suspension.

It is clarified and should be noted by the Inspectors being promoted that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the officers concerned, the promoted officers will have to revert to the post of Inspectors if there is no other vacancy available at that time.

3. Consequent upon the above promotions the following postings and transfers are ordered with immediate effect :—

1. Sri O. P. Mukhija, a newly promoted Income-tax Officer is posted as I.T.O. Distt. II (14) vice Sri K. D. Dwivedi, ITO, Distt. II(3), relieved of this additional charge.
2. Sri N. B. Srivastava, a newly promoted I.T.O. is posted as Income-tax Officer-206, New Delhi vice Sri M. G. Sharma transferred.
3. Sri M. G. Sharma, I.T.O.-206 is transferred and posted as Income-tax Officer, Private Salary Circle-II vice Sri H. G. Munjal transferred.
4. Sri H. G. Munjal on transfer is posted as Income-tax Officer, (O&C-I), New Delhi vice Sri R. P. Khanna transferred.
5. Sri R. P. Khanna is transferred and posted as Income-tax Officer (Headquarter-I), New Delhi vice Sri P. N. Verma granted leave.
6. Sri Avtar Singh, a newly promoted Income-tax Officer is posted as I.T.O.-IV-Addl. Salary Circle, relieving Sri R. L. Bajaj of this additional charge.

AVTAR SINGH  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi/New Delhi.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1976

Ref. No. ASR/63/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Tung Pai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Kumar alias Joginder Lal and Joginder Pal and Shri Kishan Chand  
Ss/o Shri Khushi Ram,  
Katra Bagh Singh, Kucha Chander Bhan,  
Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri L. Panna Lal Khanna and Sons (HUF)  
Batala Road, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at V. Tung Pai, Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 9196 of February, 1976 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-8-1976

Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1976

Ref. No. ASR/64/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Tung Pai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Roshan Lal & Kishan Chand  
S/o Kishan Chand  
S/o Shri Khushi Ram  
Katra Bagh Singh, Kucha Chander Bhan,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri L. Panna Lal Khanna and Sons (HUF)  
Batala Road. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at V. Tung Pai, Batala Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 9195 of February, 1976 of the Registering authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-8-1976

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1976

Ref. No. ASR/65/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at No. 22 White Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in December, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parminder Kaur W/o Sh. Harbhajan Singh  
R/o Munda Pind Teh. Taran Taran  
District Amritsar now Guru Nanak Wara,  
Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar Galhotra S/o  
Shri Bhajan Lal Galhotra,  
21 White Avenue, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 22 White Avenue, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2530 of December, 1975 of the registering authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-8-1976  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Diwan Singh,  
through Shri Prem Kumar, S/o Shri Bhagat Ram,  
R/o Vikas Nagar, Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajkanwal Singh, S/o Shri Randhir Singh  
Grewal, Grewal House, Jagraon.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 16th August 1976

Ref. No. LDH/C/1491/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Chandigarh,

being the competent Authority under section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 33-K, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ludhiana in December, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used  
herein as are defined in Chapter XXXA  
of the said Act, shall have the same mean-  
ing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 33-K situated at Sarabha Nagar, Ludhiana.  
Khata Nos.

323-Min

322-Min

325-Min

Khata No. 75/141/86/152

Jamabandi 1966-67.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6181,  
dated 1-12-1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 16-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Lila Wanti, W/o Late Sh. Ganesh Dass,  
R/o 3411 (Part), 3412 & 3413, Gali No. I  
Rehgarhpura, Karol Bagh, New Delhi,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 17th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/Dec./471(7)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3411 (Part), 3412 & 3413 Gali No. 1 situated at Rehgarhpura, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (2) Shri Ashok Kumar, Anil Kumar Ss/o  
Shri Kishore Chand, Prop. M/s. Arora Glass Co.,  
Paharganj, Desh Bandhu Gupta Road,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A lease hold plot No. 2945/2314 measuring 110 sq. yds. alongwith structure thereon bearing Municipal Nos. 3411 (Part), 3412 & 3413, Gali No. I, Rehgarhpura, Karol Bagh, New Delhi bounded as under :—

East : Plot No. 2946  
North : Original Road  
West : Plot No. 2944  
South : Gali No. I

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 17-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Tara Chand Janveja, S/o Shri Roshan Lal,  
R/o G-45, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 17th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/Dec/464(5)/75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Stall No. 49, situated at Gaffar Market, Karol Bagh, New  
Delhi(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
New Delhi on 15-12-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons namely :—

18—226G176

(2) Smt. Avnash Kaur, W/o S. Surinder Singh,  
R/o C-3/82, Phase-II, Ashok Vihar, Wazirpur,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
Notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A stall No. 49, Gaffar Market, Karol Bagh, New Delhi  
with lease hold rights and structure thereon with land under-  
neath measuring 9.1 sq. yds. and bounded as under :—

East : Stall No. 50

West : Stall No. 48 Gaffar Market

North : Shed of others

South : Road.

S. C. PARIJA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 17-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Khazani Wd/o Shri Rati Ram  
R/o Village Kakrola, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Phal S/o Shri Hoshiar Singh  
R/o Village Kakrola, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 17th August 1976

Re. No. IAC/Acq.III/Sr.II/Dec/1114(8)/75-76.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agri-land measuring 26 bigha 16 Biswas situated at Village  
Kakrola, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
registering officer at  
Delhi on 30-12-1975  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold agricultural land measuring 26 bigha 16 biswas  
i.e. 4th share out of the total agricultural land measuring 107  
bigha 3 biswas, out of bearing Khasra Nos. 19/19 (4-16),  
20(4-16), 21(4-14), 22/1(4-12), 22/2(0-6), 20/16(4-16),  
17(4-15), 18/1/2/2(0-14), 23/1(5-13), 28/2/(4-16), 3/(4-1),  
7(2-3), 8(4-16), 9(4-16), 12/1(4-11), 12/2(0-5),  
13(4-16), 14(5-3), 18(4-4), 19(4-4), 31/21(4-16), 32-25(4-  
16), 39/5(4-16), 6/1(4-6), 6/2(0-2), 40/1(4-16), 10/(4-7)  
and 1975/2(0-5) total 23 kiltas, Khata Khatauni No. 41/48,  
situated in the area of Village Kakrola, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 17-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Khazani Wd/o Shri Rati Ram  
R/o Village Kakrola, Delhi,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hoshiar Singh S/o Shri Chandgi Ram  
R/o Village Kakrola, Delhi,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1 (110001)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 17th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/Sr.III/Dec/1113(6)/75-76,—

Whereas, I, S. C. PARIJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri-land measuring 26 bigha 15 Biswas situated at Village Kakrola, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Free-hold agricultural land measuring 26 bighas 15 biswas, i.e. 14th share out of total agricultural land measuring 107 bighas 3 biswas out of bearing Khasra Nos. 19/19, 20, 21, 22/1, 22/2, 20/16, 17, 18/1/2/2, 23/1, 28/2, 3, 7, 8, 9, 12/1, 12/2, 13, 14, 18, 19, 31/21, 32/25, 39/5, 6/1, 6/2, 40/1, 10 and 195/2 situated in the area of Village Kakrola, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri. Gian Chand s/o Shri Mukand Lal Goel r/o EA-1/11, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chhoti Devi w/o late Kharaiti Lal r/o EA-1/6, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC. Acq.III/SR.II/Dec./1112(3)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. EA-1/11, situated at Inderpuri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A front portion consisting of courtyard, three rooms, store, kitchen, latrine and stair case with boundary walls of the said house bearing No. EA-1/11, situated in Inderpuri, area of village Naraina, Delhi on the land measuring 145 sq. yds. (43½'×30') bearing plot No. EA-1/11, with the said land under the said front portion bounded as under :—

North : Road 30' wide  
South : Lane 10' wide  
East : House No. EA-1/10  
West : Road 40' wide

S. C. PARIJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Khem Chand, Sher Singh ss/o Shri Jai Lal  
r/o Village Khera Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Surinder Singh and Narinder Singh Ss/o Hard-  
wari Lal r/o Village Khera Kalan, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Dec./1116(10)/75-76.—  
Whereas, I, S. C. PARIJA,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearingNo. Rect. No. 17, Killa No. 678, 9/2, 12 and Rect. No. 18,  
Killa No. 10, situated at Village Burari, Delhi.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer at  
New Delhi on 30-12-1975,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the Said Act to the following persons,  
namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 26 bighas 16 biswas entered in Rect. No.  
17 (Killa No. 6(4-16), 7(4-16), 8(4-16), 9/2 (2-16), 12(4-  
16), Rect. No. 18, Killa Nos. 10(4-16) situated in the area of  
village Burari, Delhi State.S. C. PARIJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hardwari Lal s/o Shri Shadi Ram, Resident of Village Khera Kalan, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khem Chand and Sher Singh ss/o Shri Jai Lal, Resident of Village Khera Kalan, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Dec./1117(11)75-76.—

Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. Rect. No. 46, Killa No. 21, Rect. No. 47, Killa No. 15, 16, 25 Rect. No. 64, Killa No. 5, Rect. No. 65, Killa No. 1 situated at Village Khera Kalan, Delhi,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 21 Bighas 2 Biswas entered in Rect. No. 46(4-16), 16(4-16), 25(4-16), Rect. No. 64 Killa No. 5(2-12), Rect. No. 65 Killa No. 1 (0-02) situated in the area of village Khera Kalan, Delhi State.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shri Shantil Sarup Gupta s/o Shri Mangat Rai Gupta  
r/o 10-B Upper Anand Parbat, Karol Bagh, New  
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1208/76-77.—Whereas, I, S. N. L.  
AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E/10, situated at Satyawati Nagar, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed here

to), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at

Delhi in December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely:—

(2) Shri Chander Bhan s/o Shri Tuhi Ram, r/o 1/38  
Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. 10 in  
Block E situated in Satyawati Nagar, Delhi and bounded as  
under:—

North : Road

South : Road

East : Plot No. 9/E

West : Plot No. 11/E

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mulakh Raj Suri s/o Shri Sohan Lal Suri A-1 Rana Pratap Bagh, Delhi, at present at House No. 363, C.D. Indian Institute Colony, Mugal Sarai Distt. Varanasi (UP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravi Swarup S/o Shri Baru Mal r/o 31 Chhuna Mal Park, Rohtak Road, Delhi-26.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1209/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-28 situated at Manohar Park, Rohtak Road, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Delhi in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. 28 measuring 215 sq. yds. situated in the area of Village Bassai Darapur in Manohar Park, in Block D, Rohtak Road, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Road  
South : Road  
West : Property No. D-27  
East : Road

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Satya Baury, w/o Shri Brij Mohan r/o 28 Bungalow Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Banarsidass Engineering Co. Naya Bazar, Delhi.

(Tansfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

(3) 1. M/s Banarsidass Engg. Co. 2. M/s Ram Krishna Transport Corporation, 3. Shri Banarsi Lal Tea Vendor, 4. Mrs. P.B. Pathak 5. Shri Jagjit Singh.

[Person(s) in occupation of the property]

New Delhi, the 5th August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.II/1210/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of XXI/4122-4124 situated at Naya Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—226GI/76

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. XII/4122-4124 (New) situated in Naya Bazar, Delhi with the lease hold rights of the land measuring 328 sq. yds. under the said property.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1211/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5837/1 situated at Jogiwara, Nai Sarak, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Banshidhar Gupta s/o Shri Padam Chander  
2. Shri Deepakdhar, 3. Shri Dhirajdhar sons of Shri Banshidhar r/o 1 Underhill Road, Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s Chotey Lal Ram Kishore, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi-6.  
(Transferee)

(3) 1. Shri Shivnath Prasad & Co. (GF) 2. Shri Hansraj & Co (GF) 3. Shri Virender Kumar (FF) 4. Shri Virender Kumar Vinod Kumar (FF), 5. Shri Kesho Datt (S.F.).

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storied house built on a plot of land measuring 205 sq. yds situated at 5837/1, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. 5837  
South : Wall of Property of M/s Chote Lal Ram Kishore  
East : Property No. 5838.  
West : Property No. 5819.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC/Acq-II/1212/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14 Block VI (6/14) situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in January 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

(1) Shri Mangh Raj Motwani s/o Shri Moti Ram r/o 6-14 East Patel Nagar, New Delhi.  
for self and General attorney of

(i) Shrimati Hassibai alias Kalpana w/o Shri Uttam Kumar Motiramani r/o Qr. No. 1893-A Opp. Govt. College, Beawar Road, Ajmer (Raj.).

(ii) Shrimati Mohini alias Veena Jethra w/o Shri Ganga Dass Jethra r/o Rly Qrs. No. I-35-A Marwar Junction (Raj.).

2. Shri Tola Ram Motwani.

3. Shri Bhoj Raj Motwani sons of Shri Moti Ram Motwani, residents of 6/14 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhawani Dass Dingra s/o Shri Hukam Chand  
2. Shri Harish Kumar Dhingra s/o Shri Bhawani Dass Dhingra r/o 16/7 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri G. S. Sethi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at Plot No. 14 Block No. VI (6/14) East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane

South : Road

East : Property No. 6/15

West : Property No. 6/13.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri B. S. Chopra s/o Shri Kishore Chand, r/o 315  
Khajoor Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Padam Chand s/o Shri Lachman Dass r/o 1072  
Gandhi Gali, Fateypuri, Chandni Chowk, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1213/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 205 (Municipal No. 165-166 and 203 to 232) situated at Fatehpuri, Ch. Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi, in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 205 including chabutra having dimension of the said shop 20'-7"×9'-8" height of the said shop 16 ft., bearing municipal No. 165-166 and 203 to 232 Ward No. II situated at Fateypuri, Delhi and bounded as under :—

East : Property of Vendor

West : Road

North : Property of Vendor

South : Property of Vendor.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Ram Singh s/o S. Chanan Singh r/o 3862  
Khirki Fazal Hussain, Near Jagat Cinema, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harjeet Singh Kalsi s/o Shri Bir Singh Kalsi,  
r/o N-6 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 19th August 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1214/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-8 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed house constructed on a piece of free-hold plot of land bearing Plot No. 8 in Block J measuring 220.6/10 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of Village Bassai Darapura, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : House on Plot No. J-9.  
South : House on plot No. J-7.  
East : Road  
West : House on Plot No. J-31.

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Bhagwanti wd/o L. Shri Sita Singh r/o  
C-7/237 DDA Flats, Hauz Khas, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Minocha Supply Agency, 3478, Hauz Kazi,  
Delhi-6.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

(3) Shri Shyam Sunder Minocha.  
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 19th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.II/1215/76-77.—Whereas, I, S. N. L.  
AGARWALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 3477 to 3479 Ward No. VI situated at Hauz Qazi, Delhi.  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at  
Delhi in December 1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed building constructed on a free-hold plot  
of land measuring 82.4 sq. yds. bearing Municipal No. 3477  
to 3479 in Ward No. VI situated at Hauz Kazi, Delhi and  
bounded as under :—

North : Property No. 3436 to 3476  
South : Property No. 3480  
West : Bazar  
East : Vegetable market.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
of which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Date : 19-8-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Hingane Stree Shikshan Samstha, Karve Nagar, Poona-411029.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) AJCO ELECTRONICS, 47/21 Erandawana, Poona-411004.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(3) 1. Mrs. Malatibai Keshav Palkar, House No. 43/3 Erandawana, Poona-4.

2. Mrs. Ushabai Raghunath Patwardhan, 43/2 Erandawana, Poona-4.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

ACQUISITION RANGE, 60/61.

ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA : 411004.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Poona-411004, the 12th August 1976

Ref. No. CA/5/Haveli-II/December'75/297.—Whereas, I, V. S. GAITONDE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 47/19, situated at Erandawana (Poona), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 12-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Plot situated at House No. 47/19 Erandawana, Poona-4. Area measuring about 1,222 Sq. metres with approximate total plinth area 305.5 Sq. metres, building built in 1948.

(Property as mentioned in the Regd. deed No. 2600 of December 1975 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. S. GAITONDE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 12-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1976

Ref. No. AC-25/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S.  
INAMDAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and house bearing No. 85 situated at Bagmari Road, P.S. Maniktola, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shrimati Nirupama Bhore, 2. Nitendra Nath Bhore, 3. Dwipendra Nath Bhore, 4. Sitendra Nath Bhore, 5. Arun Kumar Bhore, 6. Kumari Souravi Bhore and 7, Shrimati Brojeswari Bhore.

(Transferor)

(2) SHRI LIBOMO KHYOBENTHUNG EZONG LOTH.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 12 chittaks 17 sft. situated at 85, Bagmari Road, P. S. Maniktola, Calcutta more particularly as per deed No. 6851 dated 8-12-1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Gobinda Gorai S/o Late Kali Pada Gorai of  
Pardih, P.S. Mango, Dt.—Singhbhum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kaniz Fatma w/o Md. Iltaf Hussain Khan of H.  
No. 20, New Rani Kudar, P. S.—Sonary.  
Dt.—Singhbhum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BIHAR, PATNAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Patna, the 10th August 1976

Ref. No. III-202/Acq/76-77/1236.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 894/296 situated at Pardih (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 24-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land area 15 Khata at Pardih, P.S.—Mango. Dt. Singhbhum Khata No. 384/68, Plot No. 894/296 as described in deed No. 13209 dated 24-12-75.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—226GI/76

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 10-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 369-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 10th August 1976

Ref. No. III-203/Acq/76-77/1237.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 446, L. S. Plot No.-470, 471 etc. situated at Ganipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Muzaffarpur on 30-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Kumar Pd. Sah  
S/o Sri Baidya Nath Pd. Sah of Mohalla—  
Saraiyaganj, P.O./Dt.—Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Surya Narain Pd. S/o  
Sri Radhe Sah, Village —Salemipur  
PQ&P.S.—Surajgarha, Dt.—Monghyr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 14500 sq. ft. at Ganipur town Muzaffarpur, H. No. 446, L. S. Plot No. 470, 471, 472, 473 etc. as described in deed No. 19788 dated 30-12-75.

A. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 10-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 351.—Whereas I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-1-60 at Srinagar, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Sannala Gopalakrishnarao, Srinagar, Kakinada
2. Sri Sannala Chandrasckhararao
3. Sri Sannala Apparao
4. Sri Sannala Venkatarao
5. Smt. Tampala Satyavathi, W/o Satheswararao
6. Smt. Ambati Kannaladevi, W/o Radhakrishnudu
7. Smt. Marisetty Padmavathi, W/o Sriramamurthy
8. Smt. Ravula Laxmi W/o Veerabladrarao,
9. Smt. Madarapakam Sarojinidevi, W/o Chirangivi

Power of Attorney Holder Sri Sannala Gopalakrishnarao, Srinagar, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Dr. Kopanpa Venkaiah Naidu,  
S/o Padmanabham,  
Srinagar,  
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 6877/75 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-12-1976.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-8-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1976

Ref. No. Acq. File No. 352.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-1-60 situated at Srinagar, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-12-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Sannala Gopalakrishnarao, Srinagar, Kakinada
2. Sri Sannala Chandrasckhararao
3. Sri Sannala Apparao
4. Sri Sannala Venkatarao
5. Smt. Tampala Satyavathi, W/o Satheswararao
6. Smt. Ambati Kamaladevi W/o Radhakrishnudu
7. Smt. Marisetty Padmavathi, S/o Sriramamurty
8. Smt. Ravula Laxmi W/o Veerabladrarao,
9. Smt. Madarapakam Sarojinidevi, W/o Chirangivi

Power of Attorney Holder Sri Sannala Gopala-krishnarao, Srinagar, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Koppana Sarojini alias Satyanarayanamma, W/o Dr. K. V. Naidu, Srinagar, Kakinada.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 6878/75 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-12-1975.

B. V. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-8-1976

Seal :



FORM ITNS

(1) Sri. Mohamedkunju, Kannamathu Veedu, Panmana Village

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Assanarukutty, Charuvila Puthen Veedu, Mynagappally Village, Karunagappally.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Cochin-6802011, the 2nd August 1976

Ref. No. L.C. No. 75/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Mynagappally Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karunagappally (Addl) on 30-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

50% right over One acre 85 cents of land and a Tile factory thereon in Sy. Nos. 4826A, 4828 & 4829 of Mynagappally Village in Karunagappally Taluk.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1976  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri. George, Thaiparambil, Vazhappilly East, Changanasserry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri. K. T. Job, Vettiyattuputhenparambil, Payipad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN

Cochin-682011, the 3rd August 1976

Ref. No. L. C. No. 76/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos as per schedule situated at Vazhappilly East in Changanasserry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Changanasserry on 5-12-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

20 Cents of land with buildings in Sy. No 267/18 of Vazhappilly East in Changanasserry town.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 3-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kanakammal, Kanakalayam Bungalow,  
Ravipuram, XXX/1659, M. G. Road, Ernakulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN

Cochin-682011, the 13th August 1976

Ref. No. L. C. No. 77/76-77.—Whereas, I. C. P. A.  
VASUDEVANbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'),have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Survey No. as per schedule situated at Ernakulam village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer

at Ernakulam on 23-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (2) (i) Sri S. Ranganathan 3, Lake Temple Road,  
1st Floor, Calcutta-29  
(ii) Smt. Vasantha.  
3, Lake Temple Road, 1st Floor, Calcutta-29  
(iii) Miss Deepa Ranganath, (by Sri S. Ranganath)  
3, Lake Temple Road, 1st Floor, Calcutta-29  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

4.25 acres of land in Sy. No. 1335 in Cochin Corporation.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. T. P. Maragatham, Kanakalayam Bungalow,  
M. G. Road, Ernakulam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN

(2) (i) Sri S. Ranganathan, 3 Lake Temple Road,  
1st Floor, Calcutta-29

(ii) Smt. Vasantha,

3, Lake Temple Road, 1st Floor, Calcutta-29

(iii) Miss Deepa Ranganath, (by Sri S. Ranganath)

3, Lake Temple Road, 1st Floor, Calcutta-29

(Transferee)

Cochin-682011, the 13th August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—Ref. No. L. C. No. 78/76-77.—Whereas, I, C. P. A.  
VASUDEVANbeing the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Survey No. as per schedule situated at  
Ernakulam Village(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under  
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of  
the Registering Officer at  
Ernakulam on 23-12-1975for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
Said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

## THE SCHEDULE

4.25 ares of land in Sy. No. 1335 in Cochin Corporation.

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
Aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 13-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Trivikrama Kurup, Colony No. 2, H. S. B. Cottage, Kundara.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri. K. Prabhakaran Nair Jyothi; Union Club Ward, Quilon.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM, COCHIN

Cochin-682011, the 13th August 1976

Ref. No. L. C. No. 79/76-77.—Whereas, I. C. P. A. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. as per schedule situated at Quilon Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 22-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

21—226GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8 cents of land with buildings in Sy. No. 6963/1 of Quilon Village.

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-8-1976

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Cmt. Mumtaz Dulhan Begum

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chaila Ram &amp; others

(Transferee)

(3) Smt. Mumtā Dulhan Begum  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1976

Ref. No. 24-C/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1203 2/3 Sq. Yds. situated at Moh. Khursheed Villa Distt. Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 23-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

A plot measuring 1203.2/3 Sq. Yds. situated at Moh. Khursheed Villa Rampur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Date : 6-8-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1976

Ref. No. 127-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 555 Chha/68-House situated at Singar Nagar, Lucknow City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19 December 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwani Bai and others.

(Transferor)

(2) Shri Satya Narain and others.

(Transferee)

(3) Transferors

(Persons interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Pucca house bearing No. 555 Chha/68 situated at Singar Nagar, Lucknow City.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date: 6-8-1976.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1976

Ref. No. 98-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 119/1/3 Sq. Yds. situated at Moh. Khursheed Villa Distt. Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 23-12-75

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mumtaz Dulhan Begum.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal &amp; others.

(Transferee)

(3) Smt. Mumtaz Dulhan Begum.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot measuring 1195.1/3 Sq. Yds. which is situated at Khursheed Villa Distt. Rampur.

T. S. BISEN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-8-1976.  
[Signature]



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1976

Ref. No. 128-7/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 204A/21158.3 etc. situated at Village Ratanpur Tendua Teh. Bikapur Dist. Faizabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikapur Faizabad on 12-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Parbati.

(Transferor)

(2), Shri Surya Bhan and others.

(Transferee)

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

(4) Transferor

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Nos. 294A/21148.3 etc. at village Ratanpur Tendua Teh. Bikapur Dist. Faizabad.

T. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sunder Lal Audichya and others.

(Transferor)

(2) Smt. Ratan Gattani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th August 1976

Ref. No. 99-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 288/51-House situated at Arya Nagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 29-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) Transferors

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 288/51, situated at Arya Nagar, Lucknow.

T.S. BISEN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1976

Ref. No. Acq/1076/Kanpur/75-76/978.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 27-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari,  
(2) Sri Raj Kumar Tiwari s/o Balbhadra Pd. Tiwari,  
(3) Smt. Gulab Bai W/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari,  
R/o 4/281, Parwati Bagla Road, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Pt. Sada Shiv Tripathi s/o Shiv Ratan Tripathi r/o Agriculture College City Kanpur.
- (2) Pt. Sada Shiv Tripathi s/o Shiv Ratan Tripathi r/o E-7 Officers Colony Rawatpur City, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. (Plot No. 33) measuring 200 sq. yds. situated at Mauza Berry Akbarpur Distt. Kanpur transferred for an apparent consideration for Rs. 11,600/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-8-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) (1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari s/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari,  
R/o 4/281, Parwati Bagla Road, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Munna R/o 88/474, Fahimabad, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 11th August 1976

Ref. No. Acq/1079/Kanpur/75-76/979.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 20 measuring 294 sq. yds. situated at Berry Akbarpur Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 13,250/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1976

Ref. No. Acq/1037/Kanpur/75-76/980.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 18-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—  
22—226GI/76

- (1) (1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari,  
(2) Sri Raj Kumar Tiwari s/o Pt. Balbhadra Pd. Tiwari,  
(3) Smt. Gulab Bai W/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari,  
R/o 4/281, Parwati Bagla Road, Kanpur.  
(Transferor)

- (2) Dr. Sri Narain, Tripathi S/o Pt. Shiv Kumar Tripathi  
R/o 76/54, Coalre Bazar, Kanpur.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 6 measuring 200 sq. yds. situated at Mauza Berry Akbarpur Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-2-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari s/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari r/o 4/281, Parwati Bagla Road, Kanpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mozi Babu,  
R/o 88/474, Fahimabad, Kanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1976

Ref. No. Acq/1078/Kanpur/75-76/981.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 29 measuring 294 sq. yds. situated at Berry Akbarpur Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 13,250/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1976

Ref. No. F.No. Acq/1036/Kanpur/75-76/982.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 18-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Bhagwat Pd. Tiwari,
  - (2) Sri Raj Kumar Tiwari Ss/o Pt. Balbhadra Pd. Tiwari,
  - (3) Smt. Gulab Bai W/o Late Pt. Balbhadra Pd. Tiwari,
- R/o 4/281, Parwani Bagla Road, Kanpur.  
(Transferor)

- (2) Shrimati Shakuntla Mishra w/o Mewa Lal R/o Village Maksudabad, Kanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 5 measuring 200 sq. yds. situated at Mauza Berry Akbarpur Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 11,400/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Sukh Dev Sahay S/o Sri Ram Rakha Mal  
R/o 2/5 Krishna Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1976

Ref. No. Acq/1166/Gbd/75-76/977.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (1) Shrimati Champa Rani W/o Sri Inder Pal Sabbarwal,  
(2) Smt. Rani Sabbarwal W/o Sri Ravindra Kumar Sabbarwal,  
R/o C-190, Vivek Bihar, Shadra Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 4/4 measuring 200 sq. yds. situated Rawal Pindi Gardan Chikamberpur Ghaziabad transferred for Rs. 42,500/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-8-1976  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th August 1976

(1) Shri Daloo Urf s/o Hiru,  
R/o Hapur, Mohallah Morepur, Tehsil Hapur, Distt.  
Meerut.  
(Transferor)

(2) (1) Nav Jyoti Sahakari Grah Nirman Samiti, Hapur  
Distt. Meerut through Sri Krishna Kumar Garg  
S/o Sri Chiman Lal,  
R/o Jawahar Ganj Hall Bank Colonk Sri Nagar  
Hapur Distt. Meerut.

(2) Sri Ram Kumar Sharma S/o Raghunandan Pd.  
R/o 156 Jawaharganj Hapur Distt. Meerut.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F.No. Acq/1104/75-76/987.—Whereas, I, VIJAY  
BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Hapur on 27-12-1975,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the Said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax  
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 224 measuring 8 bishwa  
situated Hapur Distt. Meerut, transferred for an apparent  
consideration for Rs. 14,110/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following per-  
sons namely :—

Date : 12-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Daloo Urf S/o Hira,  
R/o Hapur, Mohallah Morepur, Tehsil Hapur, Distt.  
Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th August 1976

Ref. No. F.N. Acq./1105/75-76/988.—Whereas, I, VIJAY  
BHARGAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Hapur on 26-12-1975,

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee to  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C  
of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui-  
sition of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

(2) (1) Shri Nav Joyti Sahakarj Grah Nirman Samiti,  
Hapur Distt. Meerut through Sri Krishna Ku-  
mar Garg S/o Sri Chiman Lal.  
R/o Jawahar Ganj Hall Bank Colony Sri Nagar  
Hapur Distt. Meerut.

(2) Sri Ram Kumar Sharma S/o Raghunandan Pd.  
R/o 156 Jawaharganj Hapur Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 2244 measuring 8 bishwa  
situated Hapur Distt. Meerut, transferred for an apparent  
consideration for Rs. 14,110/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-8-1976

Seal :

## FORM IINS

(1) Shri Mahabir Pd. S/o Sri Ram Pd.  
R/o 838, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Ravi Sabha (Registered) through Sri Mohan Lal  
Rahija S/o Lala Buta Ram C/o Sarswati Engg. Co.  
G. T. Road, Ghaziabad.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th August 1976

Ref. No. Acq/1167/Ghaziabad/75-76/848.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ghaziabad on 2-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property Plot No. 1 measuring 1638.55 sq. yds. situated at E-Block, Kavi Nagar, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 54,072/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajendra Singh S/o Bhagat Singh Bagha  
R/o 18/1, Dharpar Road, Calcutta through Smt.  
Gurbaksh Kaur, Mukhtaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Pushpa Jain W/o Ramesh Kumar Jain,  
K. C. 17, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th July 1976

Ref. No. Acq/1162/Ghaziabad/75-76/849.—Whereas, I,  
VIJAY BHARGAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-  
and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer  
at Ghaziabad on 22-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys of other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. KA-10, Kavi Nagar, Ghazia-  
bad, measuring 1880 sq. yds. transferred for an apparent con-  
sideration for Rs. 48,600/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 13-7-1976  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Nath Kunjak, S/o Late Sri Raj Nath Kunjak R/o 15/273 Chilli-at Road, Agra.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash Garg S/o Sri Muni Lal Garg R/o 23/263, Wazirpur Agra.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th July 1976

Ref. No. Acq/6/Agra/76-77/850.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—226GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 1/58, measuring 1000 sq. yds. situated at Delhi Gate, Civil Lines, Agra, transferred for an apparent consideration for Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-7-1976

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Narayan Ramakrishna Kaibag Sugat Nivas,  
Chabildas Road, Dadar, Bombay-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ganapati Parameshwar Bhatkulkar, Santosh  
Bhavan, Dempo Building, Vasco-Da-Gama (GOA).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 21st July 1976

Notice No. 123/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Numbers 449 A2, 449B and 446B situated at Main Road, Kumta (NK), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumta under Document No. 207 on 12-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of open Plot, Two buildings and coconut and Mango trees on it, surrounded by a compound wall, situated on the main Road in Kumta Town (NK), bearing survey numbers 449 A2, 449B and 446B,

S. NARASIMHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 21-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 3rd August 1976

Notice No. 128/76-77/Acq.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Survey numbers 18, 20-P, 70, 72, 73, 74, and 17 situated at Muttigapur Village of Mudigere Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mudigere under Document number 650 on 10-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri David Maskin D'souza, S/o Martin D'souza, Muttigapur Village, Kasaba Hobli, Mudigere Taluk.  
(Transferor)

(2) Shri B. Manohardas, /So Late Dr. B. Narayan, Muttigapur Village, Kasaba Hobli, Mudigere Taluk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 31 acres and 34 gunthas, situated in Muttigapur Village, bearing survey numbers 18, 20-P, 70, 72, 73, 74, 75 and 17.

S. NARASIMHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 3-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Narayan Ramkrishna Kalbag, Sagat Nivas,  
Chabildas Road, Dadar, Bombay-28.

(Transferor)

(2) Shri Ganapati Parameshwar Bhatkalkar, Santosh  
Bhavan, Dempo Building, Vasco Da-Gama (Goa).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 21st July 1976

Notice No. 124/76-77/Acq.—Whereas, I, S. NARASIMHAN,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Survey number 449 A-1 situated at the main road in Kumta  
Town (NK),

(and more fully described in  
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-  
gistering Officer at  
Kumta under Document number 208 on 15-12-1975,

for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as an  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of a building, coconut and  
mango trees, bearing survey number 449 A-1, situated on  
the main Road, Kumta Town (NK).

S. NARASIMHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 21-7-1976  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Devendragouda Naganagouda Patil,  
retired teacher, Akkipet, old Hubli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dingadmal Sardamalji Jain,  
Kanchagar Oni,  
Hubli.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 27th July 1976

Notice No. 125/76-77/Acq.—Whereas, I, S. NARA-  
SIMHAN,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Dharwar,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceedingRs. 25,000/- and bearing No.  
CTS numbers 2889, 2890, 2891 situated at Kanchagar ONI,  
Hubli,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hubli under Document number 2516 on 29-1-1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-  
sons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons, which-
- 
- ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
- 
- immovable property, within 45 days from the
- 
- date of the publication of this notice in the
- 
- Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are  
defined in Chapter XXXA of the 'said Act',  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Three-fourth share in the building and open space situated  
at Kanchagar ONI, Hubli bearing city survey numbers 2889  
(34-4/9 sq. yds.), 2890 (301-4/9 sq. yds.) and 2891 (8 sq.  
yds.).S. NARASIMHAN,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 27-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 29th July 1976

Notice No. 126/76-77/Acq.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 31/A, 32/B Non-Agricultural lands situated at Bidar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bidar under Document number 2045 on 19-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Aisha Begum, W/o Late Sri Shah Murtuza Qadari, R/o Laldarwaja, Bidar.

(2) Smt. Rabiya Begum, W/o Syed Faridullah Alvi, R/o Laldarwaja, Bidar.

(Transferor)

(2) (1) M/s. Janata Finance Corporation, Bidar Through its Managing Partners,

(1) Shri Manayya, S/o Sangayya Katkam, businessman, Bidar.

(2) Shri B. Damodar Rao, S/o Gurayya Bacha, Businessman, Bidar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Non-agricultural lands in survey numbers 31/A (5 Acres 20 Gunthas) and 32/B (1 Acre 6 Gunthas), situated at Gullar Haveli, Bidar together with houses and shops standing thereon.

S. NARASIMHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 29-7-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Jasinderjit Kaur D/o Shri Hardayal Singh,  
resident of (Sri-Karanpur, Tehsil) Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sarjit Singh S/o Shri Gurnam Singh,  
R/o Sri-Karanpur Tehsil, Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Jaipur, the 12th August 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.3/354.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Murabba No. 41 situated at Sri-Karanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri-Karanpur on 3-12-75 and 4-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

5 bighas of agricultural land in Murabba No. 41 of Chak No. 3W, more fully described in conveyance deed registered at serial No. 2085 on 3-12-1975 by sub-Registrar Sri Karanpur and 5 bighas of agricultural land in Murabba No. 41 of Chak No. 3W, more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2089 on 4-12-75 by sub-registrar Sri-Karanpur Distt. Sriganganagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 12-8-1976  
Scal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th August 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/357.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murabba No. 41 situated at 3W Karanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karanpur on 3, 4, and 6 December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Jasinderjit Kaur D/o Shri Hardayal Singh,  
R/o 3W, Sri-Karanpur Tehsil, Distt. Sriganganagar.  
(Transferor)

(2) Harprit Singh S/o Shri Satinder Singh,  
R/o Sri-Karanpur Tehsil, Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5 bighas of agricultural land in Murabba No. 41 of Chak No. 3W, more fully described in conveyance deed registered at serial No. 2084 on 3-12-1975 by Sub-Registrar Sri Karanpur, 5 bighas of agricultural land in Murabba No. 41 of Chak No. 3W, more fully described in conveyance deed registered at S.No. 2090 on 4-12-75 by Sub-Registered Sri-Karanpur and 5 bighas of agricultural land in Murabba No. 41 of Chak No. 3W more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2109 on 6-12-75 by sub Registrar, Sri-Karanpur Distt. Sriganganagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Rupendra Kaur D/o Sardar Hardayal Singh  
R/o Chak No. 3W, Tehsil Sri-Karanpur District  
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th August 1976

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/353.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murabba No. 42 and 43 of Chak No. 3W situated at Sri-Karanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri-Karanpur on 3rd and 4th December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—226GI/76

(2) Harpreet Singh S/o Satindar Singh,  
R/o 3W, Sri-Karanpur Tehsil, Distt. Sriganganagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5½ bighas of agricultural land in Murabba No. 43 of Chak No. 3W, more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2083 on 3-12-75 by Sub-Registrar Sri-Karanpur and 5½ bighas of agricultural land situated at Murabba No. 42 and 43 of Chak No. 3W registered at S. No. 2087 on 4-12-75 by Sub-Registrar Sri-Karanpur.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-8-1976  
Scat :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Rupendra Kaur D/o Sardar Hardayal Singh  
R/o Chak No. 3W, Tehsil Sri-Karanpur District  
Sriganganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(2) Shri Sarjit Singh S/o Gurnam Singh,  
R/o 3W, Sri-Karanpur Tehsil, Distt. Sriganganagar.

(Transferee)

Jaipur, the 12th August 1976

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/356.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murabba No. 43 situated at Sri-Karanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri-Karanpur on 3-12-75, 4-12-75 and 6-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5½ bighas of agricultural land in Murabba No. 43 of Chak No. 3W more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2082 on 3-12-75 by Sub-Registrar Sri-Karanpur, 5½ bighas of agricultural land in Murabba No. 43 of Chak No. 3W more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2088 on 4-12-1975 by Sub-Registrar, Sri Karanpur and 5 bighas agricultural land in Murabba No. 43 Chak No. 3W more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2010 on 6-12-1975 by Sub-registrar Sri-Karanpur District Sriganganagar.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th August 1976

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/355.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 69 and 72 situated at Mohalla Gujran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 11-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Shanda alias Chandravati D/o Shri Gangadhar, resident of Public Park, Bikaner.
- (2) Shri Chand Rattan S/o Shri Radha Kishan, R/o out side Public Park, Bikaner,
- (3) Smt. Vijay Laxmi W/o Shri Subhash Chand R/o out side Public Park, Bikaner.

(Transferor)

- (2) Shri Satyanarain S/o Shri Ganga Bishan Agarwal, R/o Mohalla Bachhavan, Bikaner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Nos. 69 and 72 situated in ward No. 15, Jail Road, Mohalla Gujran, Bikaner more fully described in conveyance deeds registered on 11-12-1975 at serial Nos. 2001, 2002 and 2003 by Sub-Registrar, Bikaner.

C. S. JAIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-8-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th August 1976

Ref. No. Raj/IAC/Acq/358.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. D-50 situated at Jyoti Marg, Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramindra Nath Rai S/o Shri Roma Pati Rai,  
R/o D-50 Bapunagar, Jaipur.  
(Transferor)

(2) Shri Shanti Lal Gangwal S/o Shri Hanuman Bux,  
R/o of Village Kulli, Post Office Karchiabas Distt.  
Sikar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. D-50, Jyoti Marg, Bapunagar, Jaipur, more fully described in conveyance deed registered on 20-1-1976 by Sub-Registrar, Jaipur at page No. 321 volume 540.

C. S. JAIN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-8-1976  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt. Ramshree Bai W/o Shri Budhilal alias Babulal Jain, Village Mow, Teh. Ghoad, Distt. Bhind, M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suryamukhi W/o Shri Kemchand Jain R/o Sadar Bazar, Bhind (MP).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th August 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/695.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 23 (Part) Ward No. 5, situated at Bhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhind on 31-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 (Part) Ward No. 5 situated at Bhind.

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-8-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ramshree Bai W/o Shri Budhilal alias Babulal Jain, Village Mow, Teh. Ghoad, Distt. Bhind, M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suryamukhi W/o Shri Kamchand Jain R/o Sadar Bazar, Bhind (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 11th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/696.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 23 (Part), Ward No. 5 situated at Bhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhind on 1-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. 23 (Part), Ward No. 5 situated at Bhind.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-8-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhawarji S/o Shri Parasram R/o Jamunia at present Villa Bherkheda, Teh. Hujur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Shri Gopalprasad S/o late Shri Pyarelal Sahu R/o House No. 64, Near Police Chouki, Bherkhedi, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 11th August 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/694.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural land Kh. No. 67 area 13 Acres situated at Gram Char Sagoni, Teh. Hujur, Distt. Bhopal situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 22-12-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 67 area 13 Acres situated at Gram Char Sagoni, Teh. Hujur, Distt. Bhopal.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-8-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Temikoribai W/o late Shri Satyanarain Tiwadiwala, Jawaharganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1976

(2) (1) Shri Santosh Kumar Samaiya son of Ghasiram Samaiya, 2. Smt. Kapuri Devi W/o Ghasiram Samaiya (3) Smt. Pushpa Devi W/o Shri Virendra Kumar, 4. Smt. Kirandevi W/o Arvindkumar of Sukhrawari Bajariya, Hanumantal Ward, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/692.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in Jawaharganj, Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 6-1-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

House situated in Jawaharganj, Jabalpur.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dharshanlal S/o Shri Kanhaiyalal Rajani through Power of Attorney Shri Jawaharlal S/o Shri Kanhaiyalal Rajani R/o 68 Jawahar Compound, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Harshadkumar Pranlal Rupani, 2. Shri Jitendrakumar S/o Shri Pranlal Rupani R/o 7, Shiv Vilas Palace, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/686.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

An open plot No. 1(K-1), Namli Kothi, Street No. 1, South Tukoganj, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

25—226GI/76

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot No. 1 (K-1), Namli Kothi, Street No. 1, South Tukoganj, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-7-1976.

Seal,

FORM ITNS—

(1) Shri Narayandas Hemnani S/o Shri Jawaharmal Hemnani. R/o 15/17, Sita Building Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pradeep Mehta S/o Shri Manakchand Mehta, R/o 94, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 30th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/685.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. an open block No. 10, Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

An open block No. 10, Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/683.—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A double storeyed pucca house bearing H. No. 493 (old) &amp; 14/1-2 (New) situated in Hanuman ganj, Teh. Mundwara, Distt. Jabalpur, M.P. situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mundwara on 1-3-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Korhamal S/o Belamal, 2. Shri Chandraprakash S/o Laxmandas, 3. Shri Prataprai S/o Beerumal Sindhi R/o Katni Heeraganj, Teh. Mundwara.

(Transferor)

- (2) Shri Kanhaiyalal Minor S/o Danamal, 2. Farumal S/o Uttamchand, 3. Shri Govindram S/o Farumal, 4/1 Shri Kanhaiyal S/o Danamal, 2. Farumal, 3. Shri Govindram S/o Wali Harumal, Nai Basthi, Mundwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed pucca house bearing H. No. 493 (old) & 14/1-2 (New) situated in Hanuman ganj, Teh. Mundwara, Distt. Jabalpur, M.P.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 19-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kripaldas S/o Shri Radhakishandas, R/o House No. 143, Bairathi Colony No. 2, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. S/Shri Inderkumar, 2. Ashok Kumar, 3. Jaikumar, 4. Kishorekumar all sons of Shri Parashram R/o 3 Jairampur Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 30th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/687.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

An open plot No. 8 Sadhu Nagar, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 11-3-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

An open plot No. 8 Sadhu Nagar, Indore.

V. K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-7-1976.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Jumagul Khan S/o Mohammadgul Khan, R/o Gole Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Premchand, 2. Shri Gyanchand, 3. Shri Malsingh R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th July 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/688.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

P. H. No. 114, Block No. 397/124 situated at Tikrapara, Raipur situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 23-3-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

P.H. No. 114, Block No. 397/124 situated at Tikrapara, Raipur.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-7-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Latif S/o Mohd. Siddiqui Saheb R/o Gram Amani, Teh. Hujur, Bhopal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th August 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/697.—Whereas, I, V. K. SINHA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 72 acres of agricultural land Kh. No. 306, 308, 309, 310, 311 situated at Gram Amani, Teh. Hujur, Distt. Bhopal situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 24-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(2) Shri Muktarsingh S/o late Shri Balaramji 2, Smt. Mahendrakaur W/o M. S. Solanki, 3. Anand Solanki, 4. Ashok Solanki 5. Ajay Solanki sons of Shri M. S. Solanki R/o Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

72 Acres of agricultural land Kh. No. 306, 308, 309, 310, 311 situated at Gram Amani, Teh. Hujur, Distt. Bhopal.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 12-8-1976.

Seal :

FORM [TNS—

(1) 1. Shri S. Ramachandrasingh, 2. Sri S. Balaji Singh,  
Ss/o late K. Subbusingh, R/o Janda Street, Nellore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Thulasi Leclavathamma, W/o Subbarayudu, at  
Krishnamandiram. Street, Nellore.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 138/76-77.—Whereas, I. K. S.  
VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 19/67, 68 & 69 situated at Chinnabazar, Nellore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Nellore on 25-12-75  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop and building bearing door No. 19/67, 68, and 69  
at Chinnabazar, Nellore. Sold under Document No. 3299/75  
registered in the office of Registrar Nellore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-8-1976.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1976

Ref. No. RAC. No. 139/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 44 situated at Waddepalli, Village Hanumkonda, (and more fully

described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal on 22-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Pingeli Janaki Devi, W/o Sri P. Vijaya-palreddy, 2. Sri Madalapu, Ramulu, S/o Vecraih, both residing at Hanumkonda, Warangal.

(Transferor)

(2) The Central Excise Officer's Cooperative Housing Society, Hanumkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dry land in Survey No. 44 Area : 2.32 Acrs. at Waddepalli, Village, Hanumkonda, Warangal.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-8-1976.

Seal ;

## FORM ITNS—

- (1) A. Ramakrishna Reddy, S/o Sri Narasimha Reddy,  
H. No. 1-11-198 at Begumpet, Secunderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1976

Ref. No. RAC. No. 140/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 32 situated at Begumpet Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 23-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—  
26—226GI/76

- (2) Shri Dwarakadas Co-operative Housing Society, Ltd.,  
at 12-Jeera Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 32 admeasuring 3872 Sq. Yds. situated at Begumpet, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri C. Anjiah, S/o C. Fakeera, R/o H. No. 6-2-568 at Chintal Basti, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Devaki Devi, W/o P. Hanumanth Rao, H. No. 2-2-178 at Kabutarkhana, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1976

Ref. No. RAC No. 141/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-42/1 situated at Chintal Basti, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 31-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property : H. No. 6-3-42/1 Premnagar, Chintal Basti, Hyderabad, Area : 417 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1976

Ref. No. RAC. No. 142/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 34 and 35 situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sri Goomedelli Manmohan Rao, 2. G. Srinivasa-rao, 3. G. Ravindra Kumar, 4. G. Sailesh Kumar, 5. G. Karitik Kumar, 6. G. Annapurnaamma, W/o late Rao Saheb, all residing at H. No. 7023 at Sima-sundaram Mudaliar Street, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Dwarakadas Co-operative Housing Society Ltd., 12-Jeera, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property covered in Document No. 280/76 registered in the office of the Sub-Registrar Secunderabad, Viz. .... land in part of Survey No. 34 and in survey No. 35 admeasuring 17545 Sq. Yards at Begumpet, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mohd. Sujauddin Khan, S/o Mohd. Sharfuddin, Khan, H. No. 5-8-522 Mukarrab Jung lane, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Vishni Bai, W/o Jiwat Ram, 2. Smt. Mohini, W/o Sundarlal, 3. Kamal alias Kamlesh, S/o Jiwatram, 4. Suresh, S/o Jiwat Ram, all residing at House No. 1-2-365/5/1 at Ram Nilayam, Gangamahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th August 1976

Ref. No. RAC. No. 143/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-245 situated at Susab Gunj, lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 22-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Land and House No. 5-9-245, area 854 Sq. Yds. at Musab Junglane, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore,, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1976.  
Seal :



FORM ITNS—

- (1) Mrs. Annie Beatrice Wroot, widow of Mr. Richard Wroot Angle Indian, D. No. 15-5-58 at Corners Bungalow Road, Chittoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri C. Hariprasad, S/o late Sri C. Ethirajulu, Naidu, Officers's Line, Chittoor.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th August 1976

Ref. No. RAC. No. 144/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 415/2-A situated at Corners Bungalow Road, Chittoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chittoor on 11-12-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House situated in S. No. 415/2A (Patta No. 150) in Chittoor, Carner Road, Chittoor.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-8-1976.

Seal .

## FORM ITNS

(1) Sri G. Narayana, H. No. 11-A Jeevantharang,  
Ghatkopar Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The General Manager, The Andhra Bank Ltd.,  
Central Office, P.B. No. 161 Hyderabad-500001.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Geological Survey of India, H. No. 6-3-1101 at  
Somajiguda, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 11th August 1976

Ref. No. RAC. No. 145/76-77.—Whereas, I. K. S.  
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 6-3-1101 situated at Somajiguda, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Khairtabad on 17-12-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);All that premises bearing Municipal No. 6-3-1101 at  
Somajiguda, Hyderabad, Bounded on the :

North : by the land of M. Abdul Gaffar Siddiqui.

South : by the land of Smt. Sardarunnisa Begum Saheba  
at present that of Ramasastrulu,East : by the land of Smt. Sardarunnisa Begum Saheba  
at present that of Ramasastrulu,West : by the land of Nawab Ahmad Jung Bahadur at  
present that of Nawab Sri Qazi Jung Bahadur.K. S. VENKATARAMAN,  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date : 11-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devi Singh Cowdry, S/o Chowdary Gokul Singh,  
R/o Prakash nagar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1976

Ref. No. RAC. No. 146/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-875 situated at Gareebnagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Shri D. Dayanand, 2. D. Krishnand S/os of D. Nagniah, R/o 8/3RT, Prakashnagar, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The description of the property mentioned in the schedule of the Doc. No. 4668/75 registered at the Sub-Registrar Office Secunderabad Viz.

All that a L.I.G. House No. 8/3-RT bearing M. No. 1-8-875 situated at Gareebnagar Secunderabad A.P., Ad-measuring 406.66 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 10th August 1976

Ref. No. 105/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58/59, situated at Rattan Bazaar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 932/75) on December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. R. Meenakshisundaramurthy,  
No. 1, Tank Road, Nungambakkam,  
MADRAS-600-034.

(Transferor)

(2) Shri K. T. Kunji Mohamed Haji,  
Shri T. K. Abdul Rahman,  
Shri T. K. Rayan Kutty,  
Shri T. K. Mohiadeen Enna Bawa Musliar &  
Shri T. K. Ahamed Musliar,  
No. 169, Poonamallee High Road,  
MADRAS-29.

(Transferee)

(3) M/s. Khader Yousuf rep. by S. M. Rizwanullah &  
others.

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 910 sq. ft. with building thereon at door No. 58/59 (R.S. No. 10551), Rattan Bazaar, Road, MADRAS-1.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-1, MADRAS-6

Date: 10-8-1976.

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri M. S. Muhammed Thambi, 11, Seven Wells Street, Madras-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.(2) 1. Shri K. N. K. Mohamed Ishaq, 2. Shri K. N. K. Mohamed Hanifa, 3. Shri K. N. K. Mohamed Ali Jinnah, 4. Shri K. N. K. Abdul Rahim, Karunchuthi village, Ilayangudi, Ramnad district.  
By Power Agent Shri N. K. Md. Mustafa, 244, Linghi Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Smt. Sayi Lakshmi. 2. Shri M. O. E. Yousuff. 3. Shri Ramamoorthy. 4. Shri Rajab Ali. 5. Shri Mariam Sait. 6. Pioneer Art Printers. 7. Abdul Karim.  
(Person in occupation of the property)

Madras-6, the 11th August 1976

Ref. No. 14/DECI75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15, situated at Seven Wells Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 876/75) on 4-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—226GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1330 sq. ft. with building thereon at door No. 15 (R.S. No. 1607/2), Seven Wells Street, George Town, Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 11-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August, 1976

Ref. No. 3/DEC/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, situated at Gosha Sahib Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 8467/75), on December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Kota Rangarmanujiah, No. 19, Doraisamy Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Athithan Stores, No. 9, Acharappan Street, George Town, Madras-1.

(Transferee)

(3) M/s. Jothi Colour Kumkum Gadikachalam A. Dhanapal A. Angamuthu K. Raju K. Raju A. R. Rangasami & T. S. Gadikachalam K. Vedachalam Chetty.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1886 sq. ft. with building thereon at door No. 13 (R.S. No. 5988/2), Gosha Sahib Lane, Madras-1.

G. RAMANATHAN.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 12-8-1976,

Seal.

## FORM ITNS—

(1) Shri Kota Rangaramanujiah, No. 19, Doraisamy Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Athithan Stores, No. 9, Acharappan Street, Madras-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. 1. Rahamadullah. 2. P. Srirarmulu Naidu. 3. P. Annamalai Chettiar. 4. A. Radhakrishna Chetty. 5. Abdul Kareem.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 12th August 1976

Ref. No. 4/DEEC/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, situated at Acharappan Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Madras (Doc. No. 8468/75), on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground with building thereon at door No. 8 (R.S. No. 5988/1), Acharappan Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. Palanisamy, S/o M. Venkatachala Goundur, Annadanapatti, Salem.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Jagadesan, Bazar Street, Harur, Dharmapuri District.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1976

Ref. No. 39/DEC/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nachinampatti, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Arur (Doc. No. 3106/75), on December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands measuring 7 Acres and 3 cents in Survey Nos. 6/2B (6.42 acres) and 9/2 (0.61 acres) at Nachinampatti village, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 12-8-1976.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri V. Palanisamy, Annadanapatti, Salem Town.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Dhandayudham, S/o, A. T. M. Venkatachalam Chettiar, Bazar Street, Harur, Dharmapuri, Dt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1976

Ref. No. 40/DEC/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/1B & 6/2B, situated at Nachinampatti village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harur (Doc. No. 3107/75), in December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands measuring 8.77 acres in Survey Nos. 3/1B (2.34 acres) and 6/2B (6.43 acres) at Nachinampatti village, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN.  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Dated : 12-8-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. Sundaram, Annadanapatti, Salem Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri V. Subramaniam, S/o A. T. M. Venkatachalam  
Chettiar, Harur, Dharmapuri District.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the Said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. 42/DEC/75-76.—Whereas, I, G. Ramnathan,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 3/1A, 4/1 & 4/2, situated at Nachinampatti village  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering officer at  
Harur (Doc. No. 3109/75), in December 1975  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the 'said Act' in respect of any income arising from  
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 8.59 acres in Survey Nos. 3/  
1A (4.28 acres), 4/1 (0.31 acres) and 4/2 (4 acres) at Nachi-  
nampatti village, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 12-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. Subramaniam, Annadanapatti, Salem Town.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arul Mozhi (minor) by mother &amp; guardian Smt. Kolandai Ammal, wife of Shri A. T. M. Venkatachalam Chettiar, Bazar Street, Harur, Dharmapuri Dt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 43/DEC/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/1 & 2 and 10, situated at Nachinampatti village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Harur (Doc. No. 3110/75), in December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands measuring 7.96 acres in survey Nos. 11/1 (0.72 acres), 11/2 (0.72 acres) and 10 (6.52 acres) at Nachinampatti village, Dharmapuri, District.

G. RAMANATHAN.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 12-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. Sundaram, Annadanapatti, Salem Town.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Murugan, Bazar Street, Harur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1976

Ref. No. 41/DEC/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/1 & 2, 3/1C & 4/2, situated at Nachiampatti village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harur (Doc. No. 3108/75), in December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural lands measuring 8.33 acres in Survey Nos. 5/1 (3.08 acres), 5/2 (0.31 acres), 3/1C (4.34 acres) and 4/2 (0.60 acres) at Nachiampatti village, Dharmapuri district.

G. RAMANATHAN.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. Venkatesh No. 62 Avanashi Road, Coimbatore-641 018.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. M. Valliappan No. 137, Oppanakkara Street, Coimbatore-641 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 17th August 1976

Ref. No. F. 2831/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 23/91 & 23/91B, situated at Oppanakkara Street, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J S R III Coimbatore (Doc. No. 4431/75), on December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3325 sq. ft. (with a tiled building) and bearing Door Nos. 23/91 and 23/91-B (Assessment No. 38105) Oppanakkara Street, Coimbatore.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—226GI/76

Dated : 17-8-1976,

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri V. Vivekanandham S/o Shri C. Venkatesh No. 62 Avanashi Road, Coimbatore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. M. Valliappan No. 137, Oppanakara Street, Coimbatore-641001.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th August 1976

Ref. No. F. 2831/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 23/91-A, situated at Oppanakara Street, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 4432/75) on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 23/91-A (Assessment No. 38104) Oppanakara Street, Coimbatore.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 17-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Syed Hassan Badsha No. 19, Hassan Badsha St., Pallavaram, Madras.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Modern Leather Manufacturers, No. 9-C, Sydenhams Road, Periamet, Madras-600 003.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 13th August 1976

Ref. No. 5015/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 112/1A/1A, situated at Pammal village, Pallavaram, Madras (4 acres of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 2751/75) on 11-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Lands admeasuring 4 acres and bearing S. No. 112/1A/1A situated at Pammal village, Pallavaram, Madras (Doc. No. 2751/75).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 13-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madrass-6, the 17th August 1976

Ref. No. 5020/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50, situated at Sir Thiagaraya Road, T. Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. Madras—South (Doc. No. 1072/75), on 4-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Mrs. Balam Janakiram; 2. Mrs. Lakshmi Rouchenbech (represented by Mrs. Balam Janakiram); 3. Mrs. Kalyani Iswaran; 4. Shri K. J. Seetharaman; 5. Shri K. J. Ramasami and 6. Dapak Ramasami represented by father & guardian Shri K. J. Ramasamy No. 50, Sir Theagaraya Road, Madras-17.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. G. S. Sarojini and 2. Shri G. Radhakrishnan No. 54, Acharappan St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 grounds and 753 Sq. ft. (with building) situated at No. 50 Sir Theagaraya Road, T. Nagar, Madras-17.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 17-8-1976.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 16th August 1976

Ref. No. F. 5021/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13-G, situated at No. 5, Greams Road, Madras (First Floor—Northern Portion) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1601/75) on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker; 2. Shri M. Thirunavukkarasu; 3. Shri M. Anandan; No. 1, First Link Street, CIT Colony, Madras-4; 4. Shri T. Govindaswami, No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.  
(Transferor)

- (2) Smt. SM Saleema Beevi W/o Shri S. A. Ahmed Maideen No. 2 Nehru Lane, Koothanallur, Tanjore Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th of the undivided share in the vacant land viz. 2 grounds & 559 Sq. ft. and 1/3rd share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the first floor over the passage together with the unfinished construction upto roof level of the plinth area of 2626 Sq. ft. in the northern portion of the First Floor situated at Plot No. 13G—No. 5, Greams Road, Madras-6.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 16-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker; 2. Shri M. Thirunavukkarasu; 3. Shri M. Anandan No. 1, First Link St., CIT Colony, Madras-4; 4. Shri T. Govindaswami, No. 62/B Mowbrays Road Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

- (2) Smt. P. M. Fathima Beevi, W/o Shri S. M. Abdul Wahab No. 2, Nehru Lane, Koothanallur, Tanjore District.

(Transferee)

Madras-6, the 16th August 1976

Ref. No. F. 5021/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13G, situated at Southern Portion (First Floor) No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1600/75) on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th undivided share in the land measuring 2 grounds and 559 sq. ft. together with the unfinished construction upto roof level of the plinth area of 1981 sq. ft. in the Southern portion of the First Floor constructed in Plot No. 13-G—No. 5 Greams Road, Madras-6.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 16-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Pondy Foam Private Ltd. 17 D'Silva Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) M/s. Commercial Credit Agencies, No. 63, Audiappa Naicken St., Madras-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 13th August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 5027/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Greams Lane, Madras 600 006, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at J.S.R. I (Madras—North) (Doc. No. 8829/75), on 31-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 9 grounds & 2102 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 22, Greams Lane, Madras 600 006.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 13-8-1976.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1976

Ref. No. F. 5037/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 76/2 & 77, situated at Velachery village No. 137 (10 Acres & 53 Cents together with building) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet on 5-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri C. Ratanchand No. 426 Mint Street, Madras-1.  
2. Smt. Gunsundari, W/o Shri Vinaykumar Kot-hari (represented by her brother & Power of Attorney Agent C. Ratanchand).

(Transferor)

- (2) Shri Nihalchand Nahata S/o Shri Birchand Nahata No. 179 Mint Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres and 53 cents (with building) and bearing R.S. Nos. 76/2 (Part) and 77 (Part) situated at Velachery village No. 137.  
(Doc. No. 1)

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 13-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Srinivasan S/o late C. Padmanabha Naidu  
No. 74 Dr. Alagappa Chettiar Road, Vepery, Madras  
600 084.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th August 1976

(2) 1. Shri H. E. Abdul Azeed; S/o Shri Hajee Ebrahim;  
and 2. Shri H. A. K. Mohamed Mohain; S/o Shri  
H. A. Karceem; No. 520, Poonamallee High Road,  
Madras; 3. Shri H. E. Saleh Mohamed, S/o Shri  
Hajee Ibrahim No. 10, Thambuswami Road, Madras-  
10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F. 5055/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 1/7, situated at 74, Alagappa Chettiar, Road, Vepery, Madras (2 Grounds & 1675 Sq. ft). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawakkam (Doc. No. 1886/75) on 17-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Site measuring two grounds and one thousand six hundred seventyfive square feet and bearing R.S. No. 1/7 situated at No. 74, Dr. Alagappa Chettiar Road, Vepery, Madras-84.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—226G1/76

Dated : 13-8-1976.

Seal:

## FORM ITNS

(1) Mrs. Nafeesa Zahara Begum W/o Shri A. J. Jalajudeen No. 17, Lake First Main Road, Nungambakkam, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. Jamal Mohamed W/o Haji S. K. Abdul Kareem Thiruchampalli, Mayuram Taluk Thanjavur District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 13th August 1976

Ref. No. F. 5055/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/33, situated at Mount Road, Pudupakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at J. S. R I (Madras—North) Doc. No. 8625/75, on December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 930 Sq. ft. (912 Sq. ft. according to Patta) (with building) and bearing R.S. No. 311/1 situated at Door No. 1/33 Mount Road, Pudupakkam, Madras.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-8-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1976

Ref. No. 5059/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at Triplicane (20 Grounds & 638 Sq. ft. (R. S. Nos. 1299 Part & 1303/2 (Part) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR II, Madras North (Doc. No. 8748/75) on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Saravana Constructions, No. 18, 1 Cross Street, CIT Colony Mylapore, Madras-4 (represented by the partners (1) Ch. Pushpaveni, 12, Second Main Road, Wallace Garden, Madras-6 and (2) Ch. Kamala, 10-B, Nawab Haxbibullah Avenue Madras 600 006.

(Transferor)

(2) S/s. 1. Manilal V. Shah 2. Hasumali M. Shah 3. Pradip M. Shah, No. 53, Audiappa Naicken St., Madras-1. 4. Himatlal V. Shah. 5. Hasumati H. Shah. 6. Kamal H. Shah, 117, N. S. C. Bose Road, Madras-1. 7. Bipinchandra R. Shah. 8. Deepak R. Shah. No. 5, Arunachala Madali Street Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 grounds & 638 Sq. ft. and bearing R. S. Nos. 1299 (Part) and 1303/2 (Part) (Door No. 136, Peters Road, Madras—14).

(Document No. 8748/75).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 13-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th August 1976

Ref. No. 5167/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at Arbisampalayam village (12.08 acres of land & 7.5 HP Motor & Pump set) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I Madras (Doc. No. 1156/75) on 26-12-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Swami Haridoss Trustee, G. Thapovanam Sri Gnananda Trust, Thapovanam P.O. S.A. District.  
(Transferor)

(2) Shri V. Krishnamurthy Reddiar, S/o Shri S. Venkatasubba Reddiar, Tondireddypalayam Villupuram Taluk.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 12.08 acres (S. Nos. and extent of the land are shown below) situated at Arbisampalayam village, & 7.5 H.P. Motor pumpset.

S. No.	Extent of land	
	A.	C.
582/2	3	10
582/3	1	34
582/4	0	58
582/5	0	60
582/6	0	58
582/7	0	54
581/3	0	71
581/4	0	31
581/5	1	06
581/1	1	38
581/6	1	28
581/2	0	55
568/3	0	01
568/6	0	02
568/7	0	02
Total	12	08

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 13-8-1976.

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) S/s. 1. Ramaswami Iyer; 2. Krishna Iyer; 3. Sangameswara Iyer; 4. Venkatakrishna Iyer; S/o Shri Ganapathy Iyer & Smt. G. M. Bhagyalakshmi Azath St., Tirupur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri A. Chinnaiya Gounder; S/o Shri Arumuga Gounder, No. 2/21 Main Road, Neiveli-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 13th August 1976

Ref. No. F. 3495/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27 & 28, situated at Vittal Das Sait Street, Tirupur (T.S. No. 234, Ward No. 5, Block No. 5)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, Tirupur (Doc. No. 1840/75), on 19-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Southern portion of land & building bearing Door Nos. 27 & 28 Vittaldas Sait Street and Door Nos. 51 & 52, New Market Street, Tirupur—T.S. No. 234 Block No. 5—Ward No. 5.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 13-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-6, the 13th August 1976

- (1) 1. Shri G. Krishna Iyer; 2. Shri G. Ramasami Iyer; 3. Shri G. Sangameswara Iyer; 4. Shri G. Venkatakrishna Iyer and 5. Smt. G. M. Bhagyalaxmi, Azath Street, Tirupur.

(Transferor)

- (2) Shri Marappa Gounder & Smt. Govindammal W/o Marappa Gounder; Agriculturists, Uppilpalayam, Palladam Taluk, Coimbatore District.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 51 & 52, New Market Street, Tirupur (Northern Portion) (T.S. No. 234/Block No. 5—Ward No. 5).

(Document No. 1839/75.)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 13-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. N. Balasaraswathy No. 19A, Venkata Nagar, Pondicherry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Ramamurthy Iyer No. 24, II Street, Thirumudhi Nagar, Pondicherry.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th August 1976

No. No. F. 3508/75-76.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Venkata Nagar, Pondicherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Pondicherry (Doc. No. 2913/75) on 22-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & building situated at No. 9, Venkata Nagar, Pondicherry.

(The building is incomplete).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Dated : 18-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bachan Singh son of Shri Prem Singh V. Cholang, Teh. Phillaur Distt. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Harbhajan Singh, Joginder Singh sons of Ujjagar Singh, V. Rurka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) At S. No. 2.

Anybody Interested in the Property.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDURObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 9th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AP-1608.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Cholang, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on December 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 3711 of December, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur City.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-8-1976.  
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Ved Parkash Prop. M/s New Globe Engg. Works, M-6, Industrial Area, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Thakur Engg. Works, Industrial Area, E-80, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) At S. No. 2.

Anybody Interested in the Property.

[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 9th August 1976

Ref. No. AP-1609.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Jullundur on December 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7581/ Dec. 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur City.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 262D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

30—226GI/76

Dated : 9-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundr, the 9th August 1976

Ref. No. AP-1610/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at V. Cholang.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Phillaur on December 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Marah Singh son of Sh. Prem Singh V. Cholang, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Nirmal Singh, Mohinder Singh, Surinder Singh sons of Shri Ujjagar Singh, V. Rurkee, Teh. Phillaur Distt. Jullundur.  
(Transferee)
- (3) at S. No. 2  
(person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.  
(Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration Deed No. 3709/ December, 1975 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-8-1976  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundr. the 9th August 1976

Ref. No. AP-1611/76-77.—Whereas, I. RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Julludur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Lal Devi wife of Shri Daulat Ram and Krishan Gopal, Madan Gopal sons of Shri Daulat Ram r/o Jamsher, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar son of Shri Durga Dass R/o Phagwara,

(Transferee)

\* (3) Shri/Shrimati/Kumari at S. No. 2.  
(Person in occupation of the property).

Anybody interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

\* (4) Shri/Shrimati/Kumari.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Deed No. 7500/ December, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
SMT. KGMP. AYURVEDIC HOSPITAL  
BLDG., 5TH FLOOR, ROOM NO. 524,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400002, the 13th August 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP. 226/76-77.—Whereas, I, Shri G. A. JAMES the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 41, Plot A-9, CTS. No. 700 situated at Village Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 23-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shambhaji Dahyabhai Veera and Shri Vallabhji Dahyabhai Veera, partners in the partnership firm of M/s. Veera Industrial Estate, Shyam Nagar, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

(Transferors)

(2) Sona Fabrics Pvt. Ltd., Podar Chambers, 5th Floor, 109 Sayyed Abdulla Brelvi Road, Fort, Bombay-400001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 1909 sq. yds. equivalent to 1595, 92 sq. metres or thereabouts situate lying and being in Village Oshivara, Taluka Andheri, and forming part of Survey No. 41, Plot No. A-9, C.T.S. No. 700 of the Lay out and Sub-division prepared by the Vendors and bounded as follows, that is to say, on or towards the North by the property bearing C.T.S. 699, on or towards the South partly by the property bearing C.T.S. No. 694 and partly by the property bearing C.T.S. No. 732, on or towards the West by C-Block; and on or towards the East partly by the property bearing partly by Plot No. A-8 and partly by 33 feet wide Road.

G. A. JAMES

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-8-1976

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
SMT. GKMP. AYURVEDIC HOSPITAL  
BLDG., 5TH FLOOR, ROOM NO. 524,  
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 13th August 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.227/76-77.—Whereas, I, Shri G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35, S. N. 82, Municipal K-Ward No. 7126, Street No. 56, situated at Village Versova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) J. Shri Erach Framrose Mehta,  
'Commonwealth' House, 4th floor,  
Madame Cama Road, Bombay-400020.

2. Mrs. Viloo Kaikobad Kavarana,  
C/o. M/s. H. Parson Pvt. Ltd.,  
Asian Building, Nicol Road,  
Asian Building, Nicol Road,  
Ballard Estate, Bombay-40001.

(Transferor)

(2) Sam Jamshedi Vazifdar, C/o. M/s. Kanga & Co.,  
Readymoney Mansion, 43-Veer Nariman Road,  
Bombay-400023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuages, tenements, dwelling house, structures and a bungalow consisting of a ground floor and the first floor standing thereon situate, lying and being in Village Versova, Taluka Andheri, admeasuring 1754.21 sq. metres or thereabouts equivalent to 2098 sq. yds. or thereabouts and bearing Plot No. 35, Survey No. 82, Municipal K. Ward No. 7126, Street No. 56, Jayaprakash Road, and bounded as follows: that is to say on or towards the South by the property of Dr. A. Patni, on or towards the North by the property of Phirozeshah N. Mehta, on or towards the West by Seashore and on or towards the East formerly by Versova Andheri Main Road now known as Jay Prakash Road.

G. A. JAMES

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Chunilal Velji Patel &amp; Co.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mahavir Chambers Premises Co-operative Society Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, AYURVED HOSPITAL  
BLDG., NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 13th August 1976

Ref. No. ARI/1443-1/Dec. 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 337 of Mandvi Division situated at Samuel Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of quit and ground rent land or ground together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being at Vadgadi without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District, Bombay, admeasuring 375 sq. yds. (equivalent to 313.50 sq. meters) or thereabouts and registered in the Book of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 2549 and Cadastral Survey No. 377 of Mandvi Division and bounded as follows: that is to say on or towards the North by sweeper's gully and beyond that by the property of Charandas Ranchhodas Vassanji, and on or towards the South partly by the property formerly of Thakersey Mathura and partly by the property of Kanji Lavji but now partly by the property of Raval Dhanji Shamji and partly by the property of Mohanji Walji on or towards the West by Vadgadi Road, or Samuel Street and assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes formerly under 'B' Ward No. 1514 & Street Nos. 34 to 40 and 59 to 63 and now under B-Ward No. 1514 & Street Nos. 54 to 58A and 333 to 337.

V. R. AMIN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 13-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shehra Framroze Nanabhai Ardesher Moos.  
(Transferor)(2) Poonamchand & Brothers P. Ltd.  
(Transferee)\*(3) Shri N. R. Kamani, (2) D. P. Kamani, (3) Smt.  
S. F. Moose & (4) Shri T. M. Kadam Bande.  
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, AYURVEDIK COLLEGE  
BLDG., NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay-400 002, the 13th August 1976

Ref. No. AR.1/1453-10/DEC.75.—Whereas, I, V. R. AMIN,  
the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisi-  
tion Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

CS No. 783 of Worli Division situated at east side of  
Pochkhanawala Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bombay on 9-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of Municipal perpetual Lease-  
hold land or ground bearing Plot No. 62 containing an area  
of 1404.64 sq. metres equivalent to 1680 sq. yds. or there-  
abouts (inclusive of the area of the additional strip) of the  
Worli Estate of the Municipal Corporation of Greater Bombay  
situate on the Eastern side of Pochkhanawala Road, in City  
and Island and Sub-Registration District of Bombay and  
registered in the books of the Collector of Land Revenue  
under New Survey No. 3273 (Part) and Cadastral Survey  
No. 783 of Worli Division together with the building known  
as "FEROHIN" and an out-building and a pump room and  
storage tank and assessed to Municipal Rates & Taxes under  
'G' Ward Nos. 363(1) and 363(1AA) and Street No. 31  
Worli Road No. 4 and 265AAA Worli Road and bounded  
as follows : that is to say, on or towards the North, East and  
South East by the land of Municipal Corporation of Greater  
Bombay laid out as a garden, on or towards the South-West  
partly by Plot No. 62A of the Worli Estate of the said  
Municipal Corporation of Greater Bombay and partly by Plot  
No. 61A and on or towards the North-West partly by the  
said Plot No. 61A and partly by a road fifty feet in width  
known as Sir Pochkhanawala Road.

V. R. AMIN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated : 13-8-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Hamabai Jehangir Jeejeebhoy, (2) Rustom Jehangir Jeejeebhoy &amp; (3) Cowas J. Jeejeebhoy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chimanlal P. Choksi, and Shri Chandulal M. Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I, AYURVED HOSPITAL  
BLDG., NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002.

Bombay-400 002, the 12th August 1976

Ref. No. ARI/1458-15/Dec. 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 461, New S. No. 3386, CS No. 401 of Tardeo Division situated at Tardeo Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 11-12-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with the coach-house, stables, out-houses, and other tenements standing thereon, situate at Breach Candy in the Island of Bombay and Registration Sub-District of Bombay. On the East side of the Breach Candy Road now known as Tardeo Road containing by admeasurement 3,461 sq. yds. equivalent to 2,994 sq. metres more or less, registered in the Books of the Collector of Bombay under Collector's Old Nos. 61 & 62, Collector's New Nos. 13561, Old Survey Nos. 461, 462 and New Survey No. 3386, Cadastral Survey, No. 401 of Tardeo Division and in the Books of the Bombay Municipality under 'D' Ward Nos. 3823(1-5) and Street Nos. 75, 75B, 75C, 75E, 75F and 75H and bounded on the North by property of Tapidas Varjdass; On the South by the property of Cowasjee and Byramjee Shapoorjee, On the East by property of Government and on the West by the said Tardeo Road.

V. R. AMIN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 12-8-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) S/Shri Lajpat Rai and Kishan Chand  
Ss/o Shri Khushi Ram, Caste Khatri  
R/o Katra Bagh Singh, Kucha Chander Bhan,  
Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

- (2) Shri L. Panna Lal Khanna and Sons (HUF)  
Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

Amritsar, the 12th August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref No. ASR/62/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Tung Pai  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Amritsar in February, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter XXA of  
the said Act shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at V. Tung Pai, Batala Road, Amritsar as mentioned  
in the registered deed No. 9194 of February, 1976 of the  
Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

Date : 12-8-1976  
Seal :

